धनबाद
गुरूवार 05.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-281 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-4
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन आज, सीएम पद की शपथ लेंगे फडणवीस

शिंदे शपथ को राजी, गृह मंत्रालय पर अड़े ✪ शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री होंगे शामिल

मुंबई (ईएमएस): महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन गुरूवार को होगा। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। फडणवीस ने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, एनसीपी लीडर अजित पवार के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान भाजपा के ऑब्जर्वर्स विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण भी मौजूद थे। वहीं सूत्रों के मुताबिक, वह डिप्टी सीएम पद की शपथ लेने को तैयार हो गए हैं। मतलब शिंदे भी सरकार का हिस्सा होंगे।

एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम के साथ-साथ गृह मंत्रालय भी मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने साफ कर दिया है कि अगर गृह मंत्रालय नहीं मिलता है तो वो सरकार में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, फडणवीस ने एकनाथ शिंदे से इस मसले पर लगभग घंटेभर तक चर्चा की। उन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि वो उनकी इस मांग पर हाईकमान से बात करेंगे।

गौरतलब है कि बुधवार को भाजपा कोर कमेटी की बैठक में देवेंद्र फडणवीस के नाम पर मुहर लग गई है। इसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक में पार्टी नेता चंद्रकांत पाटिल और सुधीर मुनगांटीवार ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से देवेंद्र फडणवीस को अपना नेता चुना। केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में महाराष्ट्र विधानसभा भवन में विधायक दल की बैठक हुई। पांच दिसंबर को शाम पांच बजे दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्रियों और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद फडणवीस ने दल के सभी सदस्यों का आभार जताया। साथ ही छत्रपति शिवाजी, अटल बिहारी वाजपेयी और अहिल्याबाई होल्कर को याद किया। वहीं उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने और अब मैं भी तीसरी बार सीएम बन गया हूं। उन्होंने कहा, मैं विधायक दल के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं कि आप सभी ने मुझे सर्वसम्मति से चुना। मैं हमारे केंद्रीय पर्यविक्षकों विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण का भी आभार जताता हूं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ये ऐतिहासिक चुनाव थे और इन चुनावों ने साबित कर दिया है कि एक हैं तो सेफ हैं और मोदी है तो मुमकिन है।

दादा को सुबह-शाम शपथ लेने का अनुभव

राज्यपाल से मुलाकात के बाद इसके बाद फडणवीस, शिंदे और पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मीडिया ने सवाल पूछा कि शिंदे और पवार डिप्टी सीएम की शपथ लेंगे। इस पर अजित पवार ने कहा- कोई ले रहा है, या नहीं, ये अलग बात है, पर मैं तो शपथ ले रहा हूं यह तय है। इस पर शिंदे ने कहा कि अजित दादा को दिन में और शाम को शपथ लेने का अनुभव है। फडणवीस और शिंदे दोनों ने कहा कि कितने और कौन-कौन मंत्री शपथ लेंगे, इसकी जानकारी दे दी जाएगी। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम गुरूवार को ५:३० बजे आजाद मैदान में होगा। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम होगा।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम तीनों नेता एक हैं। डिप्टी सीएम और सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। कौन-कौन शपथ लेगा, ये शाम तक बता दिया जाएगा। मैंने एकनाथ जी से सरकार में शामिल होने और डिप्टी सीएम बनने का अनुरोध किया था। एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुझे क्या मिल रहा है, यह सवाल ही नहीं था। हमारे मन में सिर्फ यह भावना थी कि महाराष्ट्र को क्या मिला। इसी पर हमने काम किया। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। सब ठीक है। पिछली बार देवेंद्र फडणवीसजी ने मेरे नाम की सिफारिश की थी। इस बार मैं उनका नाम मुख्यमंत्री के तौर पर ले रहा हूं।

सीएम, डिप्टी सीएम सिर्फ तकनीकी पद

राज्यपाल को सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। मैं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए मेरे नाम का समर्थन किया है। एनसीपी नेता अजित पवार ने भी मेरे नाम की सिफारिश की। कल शाम ५.३० बजे आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह होगा। ▶▶ 8

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल पर फायरिंग

बाल-बाल बचे, हमलावर खालिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

अमृतसर (ईएमएस): अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में बुधवार को पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल पर खालिस्तानी आतंकी ने फायरिंग की। सुखबीर बादल गोल्डन टेंपल के गेट पर सेवादार बनकर बैठे थे। डेरा सच्चा सौदा के मुखी राम रहीम को माफी देने को लेकर सिखों की सर्वोच्च अदालत अकाल तख्त ने उन्हें यह सजा दी है।

वारदात के वक्त हमलावर ने जैसे ही उन पर गोली चलाई उसी समय सिविल वर्दी में तैनात उनके सुरक्षाकर्मियों ने उसका हाथ पकड़कर ऊपर उठा दिया। जिससे गोली गोल्डन टेंपल की दीवार पर जा लगी। इससे सुखबीर बादल बाल-बाल बच गए। इसके बाद हमलावर ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। सुखबीर बादल को तुरंत सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। गोल्डन टेंपल के बाहर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

कट्टरपंथी संगठन से जुड़ा रहा है आरोपी

सुखबीर पर हमला करने वाला आरोपी गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक का रहने वाला नारायण सिंह चौड़ा है। ▶▶ 8

भारतीय रेलवे प्रत्येक टिकट पर 46 प्रतिशत छूट प्रदान करता है:रेल मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय रेलवे प्रत्येक टिकट पर ४६ प्रतिशत छूट प्रदान करता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे प्रतिवर्ष सभी श्रेणी के यात्रियों को कुल ५६,९९३ करोड़ रुपये की सब्सिडी देता है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान रेल सेवाओं से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत सरकार रेलवे में यात्रियों को किफायती रखने के लिए ५६,९९३ करोड़ रुपये की सब्सिडी दे रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसी पैसेंजर सर्विस को ऑपरेट करने की कॉस्ट १०० रुपये है तो उसमें टिकट का मूल्य मात्र ५४ रुपये रखा गया है सभी यात्रियों को ४६ प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है।

उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि पीएम मोदी की सरकार गरीबों के प्रति समर्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक नागरिक तक बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जनरल कोच की संख्या बढ़ा रही है। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि आज फर्स्ट एसी, सेकेंड एसी और थर्ड एसी के कोच बढ़ाने पर ▶▶ 8

भारतीय नौसेना ने नौसेना दिवस पर पुरी के ब्लू फ्लैग बीच पर अपनी ऑपरेशनल शक्ति का प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय नौसेना ने नौसेना दिवस पर ओडिशा में पुरी के ब्लू फ्लैग बीच पर ऑपरेशनल प्रदर्शन (ऑप डेमो) के माध्यम से अपनी ऑपरेशनल शक्ति का प्रदर्शन किया। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष हुए ऑपरेशन डेमो के लिए ३५०० से अधिक कर्मियों को समुद्र में प्लेटफॉर्म पर तैनात किया गया और ३५० कर्मी तट पर समन्वय में शामिल हुए। राष्ट्रपति मुर्मु को पहुंचने पर सबसे पहले गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने नौसेना बैंड की मधुर ध्वनि के बीच परेड का निरीक्षण किया, जिसके बाद उन्हें सलामी दी गई।

राष्ट्रपति के मंच पर पहुंचने के बाद हवाक एयरक्राफ्ट से बमबारी का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद चेतक हेलीकॉप्टरों ने आसमान में नौसेना का ध्वज फहराकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। इसके बाद मार्कोस कमांडो ने एडवांस लाइट हेलीकॉप्टरों से समुद्र में उतरकर तट पर दुश्मनों की चौकी को नष्ट करके बंधक को छुड़ाने का प्रदर्शन करके बंधक को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मरीन कमांडो ऑपरेशन पूरा करने के बाद रस्सी की सहायता से हेलीकॉप्टरों पर सवार होकर लौट गए। ▶▶ 8

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़, एक जवान शहीद

नारायणपुर (एजेंसी): छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में पुलिस का जवान शहीद हो गया. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) नारायणपुर का प्रधान आरक्षक बिरेंद्र कुमार सोरी (३६) शहीद हो गया.

उन्होंने बताया कि मंगलवार को नारायणपुर जिले से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) तथा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त दल को अबूझमाड़ क्षेत्र के सोनपुर और कोहकामेटा थाना क्षेत्र में रवाना किया गया था. अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा दल बुधवार दोपहर बाद एक बजे जब क्षेत्र में था तब माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी. माओवादियों द्वारा गोलीबारी के बाद सुरक्षाबल के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की. इस दौरान सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच कई बार मुठभेड़ हुई. उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों से लड़ते हुए डीआरजी नारायणपुर के प्रधान आरक्षक बिरेंद्र कुमार सोरी को गंभीर रूप से जख्मी हो गए और वह मौके पर ही शहीद हो गए.

अधिकारियों ने बताया कि शहीद जवान सोरी २०१० में नारायणपुर जिला बल में आरक्षक के पद में भर्ती हुए थे और २०१८ में नक्सल अभियान में वीरतापूर्ण कार्य के लिए क्रम से पहले प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत हुए थे. उन्होंने बताया कि शहीद जवान के शव को मुठभेड़ ▶▶ 8

भारत ने खरीदा मल्टीरोल हैलिकॉप्टर यह कई टास्क को एक साथ देगा अंजाम

अमेरिका ने रोमियों से जुड़े आधुनिक उपकरणों की बिक्री को दी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस): अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय नौसेना के लिए अमेरिका में बने एमएच-६० रोमिया मल्टीरोल हेलीकॉप्टर डील का एलान किया था और अब दूसरी बार ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ही अमेरिका ने रोमियों से जुड़े आधुनिक उपकरणों को बिक्री को मंजूरी दे दी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने फॉरन मिलेट्री सेल के तहत १.१७ बिलियन डॉलर कीमत के कम्युनिकेशन, सेंसर और लॉजेस्टिक भारतीय नौसेना के रोमियो हैलिकॉप्टर की ताक़त को और बढ़ाएगी। नौसेना के लिए करोड़ २.६ बिलियन की कीमत से २४ एमएच-६० रोमिया मल्टीरोड हेलीकॉप्टर की खरीद की है। रोमियो हैलिकॉप्टर चौथी जेनेरेशन के हैलिकॉप्टर में सबसे बेहतर तकनीक है। ये एक मल्टीरोल हैलिकॉप्टर यानी एक साथ कई टास्क को अंजाम दे सकता है। रडार और सोनार इस हैलिकॉप्टर को दुनिया में पंडुब्बियों के लिए सबसे ख़तरनाक बनाती है। इसे एंटी-सबमरीन एडवांस हैलिकॉप्टर के तौर पर जाना जाता है।

सेना की पोस्ट पर ग्रेनेड हमला

पुंछ (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों ने सेना के एक पोस्ट पर ग्रेनेड हमला किया, लेकिन इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। आतंकवादियों ने सेना के पोस्ट पर दो ग्रेनेड फेंके, जिनमें से केवल एक ही फटा। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। आतंकवादियों ने सेना के पोस्ट के पीछे सुरनकोट इलाके में स्थित एक सेना कैंप पर हमला किया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। आतंकवादियों द्वारा फेंके गए ग्रेनेड में से एक का सुरक्षा पिन सेना के कैंप की परिधि दीवार के पास मिला है।

महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित 4 राज्यों में भूकंप

जमीन से 40 किमी नीचे केंद्र था, 15 सेकंड तक धरती हिली

हैदराबाद/मुंबई/रायपुर (ईएमएस): महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता ५.३ मापी गई। झटके सुबह ०७:२७ बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र जमीन से ४० किलोमीटर नीचे रहा। भूकंप के झटके १५ से २० सेकंड तक लगे। शुरुआती जानकारी के हिसाब से भूकंप में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। झटके महाराष्ट्र के नागपुर, चंद्रपुर और गढ़चिरौली और छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में महसूस किए गए। इसके अलावा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुलुग, हैदराबाद, रंगारेड्डी,भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम और कृष्णा जिलों में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। भूकंप के चलते घरों में दीवारों पर दरारें आ गईं। लोगों ने घरों से बाहर, खुले मैदान में आकर खुद को सुरक्षित किया।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में तैनात जवान न सिर्फ आत्महत्या कर रहे,सर्विस पूरी होने से पहले रिटायरमेंट भी ले रहे

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में तैनात जवान न सिर्फ आत्महत्या कर रहे हैं, बल्कि अपनी सर्विस पूरी होने से पहले ही वॉलन्टरी रिटायरमेंट भी रहे हैं। गृह मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि इस साल ७३० जवानों ने खुदकुशी की है। ५५,००० से ज्यादा जवानों ने या तो इस्तीफा दे दिया या वॉलन्टरी रिटायरमेंट ले ली है। सेना के जवानों की आत्महत्या में वृद्धि के कारणों की स्टडी करने वाले टास्क फोर्स ने कहा कि आत्महत्या करने वाले ८०% से ज्यादा जवान छुट्टी खत्म कर लौटे थे।

रिपोर्ट में कहा गया है, आत्महत्या के निजी कारणों में लाइफ पार्टनर या परिवार के सदस्य की मौत, शादी में विवाद या तलाक, आर्थिक मुसीबतें और बच्चों के लिए अपर्याप्त शिक्षा के मौके शामिल हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि ऐसे मामलों से निपटने के लिए वह सुनिश्चित कर रहा है कि ज्यादा से ज्यादा कर्मियों को अपने परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिले। गृह मंत्रालय ने राज्यसभा के साथ साझा किए गए आंकड़ों में कहा कि ४२७९७ जवानों ने लीव पॉलिसी का इस्तेमाल किया। नित्यानंद राय ने राज्यसभा को बताया, इस साल अक्टूबर तक ६,३०२ कर्मियों ने अपने परिवार के साथ ▶▶ 8

मुख्यमंत्री की पहल पर स्वदेश लौटेंगे झारखंड के 50 कामगार

रांची (एजेंसी): झारखंड के कामगारों और श्रमिकों के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर एक बार फिर विदेश में फंसे ५० झारखंडी कामगारों को वापस उनके घर और गांव लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. आगामी ११ से १८ दिसंबर तक सभी कामगार के झारखंड लौट आयेंगे. इसके लिए जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है.

झारखंडी कामगारों के मलेशिया की लीडमास्टर इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्यरत ७० कामगारों के फंसे होने की शिकायत राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को २४ सितंबर २०२४ को प्राप्त हुई. बताया गया कि कामगारों का चार महीने से वेतन लंबित है, उन्हें भोजन की अनुपलब्धता और वतन वापसी की समस्याएं सामने आ रही हैं. मामले की जानकारी जब मुख्यमंत्री को हुई तबतक चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो गया, इसके बाद इनकी वापसी की प्रक्रिया धीमी हो गई थी, लेकिन चुनाव समाप्त होने और नई सरकार गठन के बाद अब कामगारों के स्वदेश वापसी का रास्ता साफ़ हो गया है. ७० कामगारों में से ५० कामगार झारखंड के हैं और अन्य दूसरे प्रदेशों के रहने वाले हैं.

जानकारी के अनुसार, सभी कामगारों का अनुबंध के तहत १,७०० मलेशियन रिंगिट (मुद्रा/रुपया) का वेतन तय था, परंतु उन्हें १,५०० रिंगिट ही दिए जा रहे थे, जिसमें भी कटौती हो रही थी. भोजन की सुविधा नहीं दी गई और धमकियां भी मिल रही थी. इसको लेकर कामगारों ने मलेशिया पुलिस से शिकायत दर्ज भी की. बाद में कामगारों ने इस मामले से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और आवेदन श्रम विभाग को भेजा. श्रम विभाग के निर्देशानुसार प्रोटेक्टर ऑफ़ एमिग्रांत, रांची को मामला पत्र राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा प्रेषित किया गया. श्रम विभाग के पहल पर भारतीय दूतावास, कुआलालंपुर द्वारा कंपनी और कामगारों को दूतावास के कार्यालय बुलाया गया, जहां दोनों पक्षों का सत्यापन किया गया, जिसके फलस्वरूप भारतीय दूतावास ने सभी कामगारों को अपने संरक्षण में रखते हुए कंपनी को बकाया भुगतान करने एवं श्रमिकों के भारत वापसी सुनिश्चित कराने को कहा.

दुनियाभर में फैला आंख से खून आने वाला घातक रोग

नई दिल्ली (ईएमएस): पिछले कुछ वर्षों में दुनियाभर में संक्रामक रोगों के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। साल २०१९ के अंत में शुरू हुए कोरोनावायरस संक्रमण के बाद मंकीपॉक्स, इबोला, स्वाइन फ्लू और बर्ड फ्लू ने स्वास्थ्य क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ाया। हालिया रिपोट्र्स में एक और बढ़ते संक्रमण को लेकर चिंता जताई गई है। खबरों के मुताबिक कई अफ्रीकी देशों में मारबर्ग वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। मारबर्ग को ब्लीडिंग आई डिजीज के नाम से भी जाना जाता है, इस वायरस से संक्रमण के कारण अब तक १५ से अधिक लोगों की मौत भी हो चुकी है। पिछले दो महीनों में ये वायरस १७ से अधिक अफ्रीकी देशों में फैल चुका है।

मारबर्ग वायरस से 50 प्रतिशत संक्रमितों की हो जाती है मौत

अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक दुनियाभर के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी इस घातक वायरस के प्रसार पर नजर रख रहे हैं और सभी लोगों को संक्रमण से बचाव के उपाय करते रहने की सलाह दी गई है। ये वायरस पहले भी फैलता रहा है हालांकि इस बार एक नया स्ट्रेन सामने आया है जिसने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। इसके एक से दूसरे व्यक्ति में तेजी से प्रसार और घातक लक्षण पैदा करने की खबरें सामने आ रही हैं। संक्रमण की चपेट में आए आधे से अधिक लोगों की मौत हो जाती है।

पहले भी देखा गया है इसका प्रकोप

ऐसा नहीं है कि मारबर्ग पहली बार स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा रहा है। साल २००३ से लेकर समय-समय पर इसका प्रकोप देखा जाता रहा है। फरवरी २०२३ में इक्वेटोरियल गिनी में इस वायरस के कारण १६ लोगों में संक्रमण और १२ मौतें हुईं थीं। साल २०१२ में यूगांडा में १५ लोगों को संक्रमित पाया गया और चार लोगों की मौत हुई। नियमित अंतराल पर वायरस में म्यूटेशन और इसके कारण संक्रमण बढ़ने के मामले सामने आते रहे हैं। इस रोग के विशिष्ट लक्षणों में से एक है- आंखों से खून आना है और इसलिए इसे ब्लीडिंग आई डिजीज भी कहा जाता है।

कोरोना से भी खतरनाक है इसका संक्रमण

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, मारबर्ग वायरस डिजीज (एमबीडी) का जोखिम उन लोगों में अधिक देखा जाता रहा है जो लंबे समय तक खदानों या गुफाओं में रहते हैं। इन स्थानों पर चमगादड़ों का निवास होता है जिसे इस वायरस के प्रमुख स्रोत माना जाता है।

कुछ रिपोट्र्स कहते हैं, कोरोना और हाल फिलहाल में फैले कई अन्य संक्रामक रोगों की तुलना में मारबर्ग वायरस अधिक खतरनाक है। मारबर्ग आमतौर पर जानलेवा होता है, इसका औसत मृत्यु दर लगभग ५० प्रतिशत है। कोविड-१९ के कारण फिलहाल मृत्यु का खतरा २.७ से ४ प्रतिशत के बीच रहा है। कोविड-१९ से बचाव के लिए टीके और सहायक उपचार उपलब्ध हैं हालांकि मारबर्ग वायरस के लिए कोई भी वैक्सीन या विशिष्ट उपचार नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ

सड़क पर उतरे हिंदू संगठन, डीसी को सौंपा ज्ञापन

धनबाद (कासं) : धनबाद में हिंदू संगठन भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ सड़क पर उतरे आये हैं। बुधवार को सभी हिंदू संगठनों ने धनबाद के

रणधीर वर्मा चौक पर एकजुट होकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके हाथों में भगवा झंडा था। प्रदर्शनकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद रणधीर वर्मा चौक से पदयात्रा भी निकाली गयी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार की बेदखली के बाद अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ गया है। इतना ही नहीं वहां मंदिरों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ वहां मौजूद हिंदू संगठन लगातार आवाज उठा रहे हैं। सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास ने भी हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को लेकर २५ अक्टूबर को चटगांव के लालदिघी मैदान में एक विशाल रैली की। जिसके बाद राजद्रोह के आरोप में उनको गिरफ्तार कर लिया गया। बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हुई हिंसा को लेकर हिंदू समुदाय में खासी नाराजगी और आक्रोश है। सैकड़ों की संख्या में लोग बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और कत्लेआम के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। रणधीर वर्मा चौक में प्रदर्शन कर पदयात्रा में भारी संख्या में हिंदू संगठन के साथसाथ भाजपा के पूर्व सांसद पीएन सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, भाजपा नेता अमरेश सिंह व भाजपा की पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, भाजपा नेत्री तारा देवी समेत सैकड़ों लोगों ने पैदल मार्च कर समाहरणालय पहुंचा और उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रधानमंत्री से इस संबंध में अविलंब कार्रवाई करने की मांग की गई।

इधर, समाजसेवी दिलीप सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर और इस्कॉन संस्था एवं उसके अनुयायियों पर चरमपंथियों द्वारा किए जा रहे हमले निंदनीय हैं।

केंद्र सरकार को इसपर हस्तक्षेप करते हुए कठोर कदम उठाने की जरूरत है। भारत सरकार तुरंत हस्तक्षेप कर स्वामी चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारी की बिना शर्त रिहाई सुनिश्चित करें और बांग्लादेश सरकार को अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए बाध्य करें। बांग्लादेश में हिंदू समाज पिछले कई दशकों से धार्मिक अत्याचार, मंदिरों पर हमले व महिलाओं पर अत्याचार और संपत्तियों की लूट का सामना कर रहा है। स्वामी चिन्मय ब्रह्मचारी ने ऐसे अन्याय का विरोध करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों की मांग की। उनकी गिरफ्तारी ने बांग्लादेश के हिंदुओं के धार्मिक स्वतंत्रता को गंभीर खतरे में डाल दिया है।

यह बातें दिलीप सिंह ने बुधवार को बांग्लादेश में हिन्दु, सिख, जैन एवं बौद्ध पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध आयोजित धरना प्रदर्शन व पदयात्रा के दौरान कही। इस विरोध मार्च में तमाम हिन्दू संगठन के लोग रणधीर वर्मा चौक पर एकजुट हुए एवं धरना प्रदर्शन के माध्यम से बंग्लादेश के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

उपेक्षा का दंश झेल रहा तोपचांची का कृषि उद्यान केंद्र

धनबाद (कासं) : तोपचांची प्रखंड मुख्यालय के नजदीक कृषि उद्यान केंद्र परोजिनी बाग है। उद्यान केंद्र लगभग ५२ एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ है। इस कृषि उद्यान केंद्र में आम, नींबू, अमरूद, बेल तथा बैर के बगीचे हुआ करते थे। इसके अपने तीन छोटेछोटे जलाशय हैं। इस केंद्र में पानी के लिए ड्रेनेज सिस्टम बना हुआ है। इसके अंदर कई चापाकल, डीप बोरिंग व कुआं भी है। इसके चारों ओर बाउंड्री वॉल है। इस कृषि उद्यान केंद्र में कार्यालय, प्रशिक्षण केंद्र, पानी बिजली और शौचालय आदि का प्रबंध था, लेकिन वर्तमान समय में इसकी रख रखाव के लिए विभाग के पास में मैनपावर नहीं है। इस कृषि उद्यान केंद्र में धान, गेहूं, बागवानी तथा फुलवारी आदि के लिए किसानों को समयसमय पर प्रशिक्षण दी जाती थी। यह केंद्र धनबाद मुख्यालय से जुड़ा हुआ होने से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के संबंध में सीधे जानकारी मिल जाती थी। इस केंद्र को सुचारू रूप से चलने के लिए माली, नाइट गाड, क्लर्क तथा उद्यान विभाग के प्रखंड पदाधिकारी पद स्थापित थे। इस केंद्र में सालों भर पौधे तैयार किए जाते थे। कम लागत में झारखंड प्रदेश में पाए जाने वाले आम, नींबू कटहल लीची, सागवान, अमरूद, आंवला आदि कई प्रकार के फल फूल के पौधे आसानी से किसान, रैयत व भूस्वामी को मिल जाता था। इस केंद्र से किसान अपने कृषि उद्यान व कई तरह के पौधों में बीमारी संबंधी जानकारी आसानी से प्राप्त करते थे। इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता सह युवा नेता सदानंद महतो ने कहा कि तोपचांची प्रखंड के लिए सरकार का एक कृषि संस्थान है। यह एक धरोहर है। कृषि व उद्यान को बढ़ावा देने के लिए हरित क्रांति लाने के लिए यह केंद्र पुन:सुचारू रूप से चले। राज्य सरकार ऐसे संस्थानों को पुन: जीवित करें तभी किसानों का भला हो सकता है।

ट्रेन में चढ़ने के दौरान बुजुर्ग घायल

कतरास (ससे) : कतरास स्टेशन में बुधवार को प्लेटफार्म नंबर १ पर एलेप्पी ट्रेन १३३५१ में चढने के दौरान गिरधारी साव, उम्र ५५, खास टुंडू थाना बरोरा के रहने वाले बुरी तरह घायल हो गए। कतरास आरपीएफ पुलिस ने उन्हें धनबाद रेल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। श्री साव कतरास स्टेशन में एलेप्पी से कहीं जा रहे थे। इसी क्रम में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। बताया जाता है कि गिरधारी साव पहले जनरल बोगी में चढ़े लेकिन भीड़ होने के कारण दूसरा बोगी बदलने के क्रम मे पांव फिसल गया और ट्रेन के नीचे आ गये। जिससे उनका पैर में चोट आया है। आरपीएफ ने उन्हें घायल अवस्था में धनबाद रेल अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल कराया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। श्री साव खतरे से बाहर बताया जा रहे हैं।

मान्यता प्राप्त यूनियन का मतदान शुरू, फैसला 12 को

धनबाद (कासं) : रेलवे यूनियन चुनाव को लेकर बुधवार से पूरे देश में मतदान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मतदान की प्रक्रिया तीन दिन ४, ५ और ६ दिसंबर की सुबह ८ बजे से शाम ६ बजे तक जारी रही। ४ और ५ दिसंबर को सभी तरह के रेलकर्मी मतदाता अपने मतों का प्रयोग कर सकेंगें । जबकि ६ दिसंबर को सिर्फ रनिंग रेल कर्मी मतदान में भाग लेंगे। १२ दिसंबर को वोटों की गिनती होगी। रेलवे की यूनियन मान्यता चुनाव के लिए धनबाद जिले में १० और पूरे मंडल में ३३ बूथ बनाए गए हैं। धनबाद जिले में डीआरएम ऑफिस के अलावा स्टेशन रोड स्थित रेलवे ऑडिटोरियम, स्टेशन के बगल में स्थित सेफ्टी कैंप, रांगाटांड़ गया पुल के पास स्थित टीआरडी ऑफिस और ओल्ड स्टेशन में स्थित कैरेज एंड वैगन ऑफिस में बूथ बनाए गए हैं।

इसके अलावा गोमो में सामुदायिक भवन, लोको शेड और रेलवे अस्पताल, कतरास में पीडब्ल्यूआई ऑफिस तथा पाथरडीह में आरआरआई बिल्डिंग को बूथ बनाया गया है। इस चुनाव में छह यूनियन ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन, ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस, ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस और स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन मैदान में है.यूनियन चुनाव में पड़ने वाले कुल मत का ३५ प्रतिशत मत लाने वाली यूनियन को मान्यता दी जाएगी।

सीओ ने चलाया अतिक्रमण मुक्त अभियान

बलियापुर (ससे) : बलियापुर बाजार अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए बुधवार को अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह अपनी के टीम के साथ बलियापुर बाजार पहुंचे। इस दौरान बाजार के विभिन्न सड़कों का मुआयना के साथ मापी की गई। मापी के दौरान बाजार के सड़क किनारे दुकानदार एवं व्यवसाईयों द्वारा अतिक्रमण किए गए स्थलों को लाल रंग से निशान लगाया इस संबंध में अंचल अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि बाजार के सड़कों के किनारे बने नाली के ऊपर जो फुटपाथ बने हैं। जिससे लोग पैदल आना जाना करते हैं। दुकानदार एवं व्यवसायी द्वारा फुटपाथ स्थलों पर सामान रख उस पर अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे लोगों को पैदल आने-जाने में काफी दिक्कतें होती है।

अंचल अधिकारी श्री सिंह ने इस दौरान दुकानदार एवं व्यवसाईयों को ४८ घंटा के अंदर अतिक्रमण किए गए स्थलों को स्वत: हटा लेने को कहा अन्यथा अतिक्रमण स्थलों को बलपूर्वक हटाने की हिदायत भी दी। यह भी कहा कि बलपूर्वक हटाने के दौरान आने वाली खर्च दुकानदार एवं व्यवसायियों से वसूली करने के साथसाथ कानूनी कार्रवाई करने की बातें भी कहीं। सीओ ने दुकानदारों से अतिक्रमण स्थल को स्वयं मुक्त करने की अपील किया है।

अंचल अधिकारी श्री सिंह आज इस दौरान बलियापुर थाना परिसर की जमीन का मुआयना भी किया। सीओ श्री सिंह का कहना है कि थाना परिसर में निर्माण कार्य होने पर कुछ लोगों द्वारा व्यवधान उत्पन्न किया जाता है। उन्होंने थाना परिसर की मापी करने की बातें कहीं ताकि थाना परिसर का चारदिवारी का निर्माण हो सके. यह भी मालूम हो की बलियापुर के कुछ रैयत ग्रामीणों का दावा है कि थाना के निर्माण हेतु जितनी जमीन अधिग्रहण की गई है उससे कहीं अधिक रैयतो की जमीन को घेर कर रखा गया है। जिसका रैयत ग्रामीण हमेशा विरोध करते रहे हैं।

अतिक्रमण के विरुद्ध बलियापुर बाजार पहुंचे सीओ श्री सिंह के साथ सीआई नेहा सिंह, अंचल अमीन अंगद पंडित, राजस्व कर्मचारी चौकीदार आदि थे।

आईआईटीआईएसएम में प्रशिक्षण शुरू

बलियापुर (ससे) : आईआईटी (आईएसएम) के छात्रछात्राओं का दो सप्ताह व्यापी शीतकालीन प्रशिक्षण बुधवार से हवाई पट्टी मैदान में शुरू हुआ। प्रशिक्षण में एप्लाइड जिओ फिजिक्स विभाग के छात्रछात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान शैक्षणिक अनुभवों को विकसित व समृद्ध बनाने एवं कठोर पाठ्यक्रम के एक सेमेस्टर के बाद छात्र संरचनाओं जैसे खनिज, तेल, गैस आदि संसाधनों के लिए विभिन्न सर्वेक्षण तकनीकी पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं को डीसी प्रतिरोधक, क्षमता, चुंबकीय सर्वेक्षण, भूकंपीय अन्वेषण, जमीन भेदने वाला रडार आदि विषयों से अवगत भी कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रभारी प्रो एस मैती, प्रो एन जाना, प्रो सौरव दत्त गुप्ता, प्रो वाई गिरी, प्रो एस साहू, प्रो उज्जवल वोरा व प्रो एके चौबे की देखरेख में संपन्न हुआ।

ओल्ड एज होम में मनी स्व. छोटन राम की पुण्यतिथि

धनबाद (कासं) : सबलपुर सहयोगी नगर सेक्टर तीन स्थित ओल्ड एज होम में पत्रकार राजेंद्र वर्मा ने बुधवार को अपने पिता स्वर्गीय छोटन राम का तृतीय पुण्यतिथि मनाई। उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर उनके पोता सौरभ कुमार वर्मा तथा कई मित्र बंधु उपस्थित थे। आश्रम के सभी वृद्ध माता एवं पिता ने भी मृतक प्रतिमा को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्रकार श्री वर्मा ने कहा कि जब भी पिता की पुण्यतिथि आती है तो हमेशा कोशिश रहती है कि उनकी पुण्यतिथि किसी वृद्धा आश्रम में ही मनाया जाय। ताकि आश्रम में रहने वाले वृद्ध माता एवं पिता को अपने हाथों से स्वादिष्ट भोजन कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकूं। इससे मन को बहुत शांति मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने मित्रों से आग्रह भी करेंगे कि यदि अपना जन्मदिन, पत्नी का जन्मदिन, बच्चे का जन्मदिन, शालगिरह या पुण्यतिथि किसी वृद्धा आश्रम में ही मनाये।

बीसीसीएल में यौन उत्पीड़न रोकथाम पर कार्यशाला

धनबाद (कासं) : बुधवार को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड मुख्यालय कोयला भवन में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम सप्ताह के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में

प्रमुख वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद के पूर्व प्रोफेसर डॉक्टर प्रमोद पाठक ने भाग लिया। डॉ. प्रमोद पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कर्मचारियों को जानकारी, जागरूकता और आचरण में सुधार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि विचार, संस्कार, और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाकर इस समस्या में कमी लाई जा सकती है।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष (विधि) डॉ. कुमार शरत सिन्हा, विभागाध्यक्ष (प्रशासन) सुरेन्द्र भूषण, वरीय प्रबंधक शोभा जैतून कुजूर, वरीय प्रबंधक रवि कुमार और प्रबंधक मनीष चंद्र साहू के अलावा भारी संख्या में कार्मिक उपस्थित थे।

डॉ. कुमार शरत सिन्हा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यदि किसी को यौन उत्पीड़न की शिकायत हो तो वे कंपनी की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के सदस्यों से संपर्क करें। उन्होंने यह भी बताया कि आईसीसी को सिविल कोर्ट के समकक्ष आरोपी को समन करने का अधिकार प्राप्त है।

कार्यशाला का संचालन उप प्रबंधक (कार्मिक) प्रणव कुमार ओझा ने किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम और जागरूकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

विधायक चद्रदेव महतो ने किया गांवों का दौरा

गोविंदपुर (ससे) : सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो ने गोविंदपुर प्रखंड के एक दर्जन से अधिक गांव का दौरा कर जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह एकएक गांव का दौरा कर जनता का आभार व्यक्त करना चाहते हैं। जनता ने उन्हें अपना बहुमूल्य वोट देकर विधायक बनाया है। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर समाधान हो इसके लिए वह विधानसभा क्षेत्र के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर अंचल के कई गांव का अभी तक सर्वे अपडेट नहीं है जिसके कारण लोग जमीन खरीदब्रिक्री नहीं कर पा रहे हैं। जमीन मालिकों का रसीद नहीं कट रहा है। सर्वे अपडेट करने के लिए वह वरीय अधिकारियों से वार्ता करेंगे। बड़ा नावाटाड़ पंचायत में मुखिया शमीमा खातुन के नेतृत्व में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर अनीस अंसारी, कांग्रेस नेता मोईन अंसारी, हारुण रशीद, जहीर अब्बास, राजू, साबिर अंसारी, आसिफ रजा, अलाउद्दीन अंसारी, किस्टो सेन, हरिपद सेन, सफीक अंसारी आदि उपस्थित थे। आसनबनी पंचायत में मुखिया गयासुद्दीन अंसारी के नेतृत्व में उनका स्वागत किया गया। खिलकनाली, रंगडीह आदि क्षेत्रों का दौरा कर मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

IN THE COURT OF THE EXECUTIVE MAGISTRATE : AT DHANBAD.

AFFIDAVIT

I, MIRA DEVI CHAUDHARY, W/O Ranjeet Prasad Chaudhary, aged about 38 years, by faith Hindu, by occupation - House Wife, resident of near Hanuman Gadhi, Khatik Patti, Kenduadih, District - Dhanbad (Jharkhand), do hereby solemnly affirm on oath and declare as follows :-

1) That my actual name is MIRA DEVI CHAUDHARY which is already mentioned in my Aadhar Card bearing No. 2818 6535 6657 as well as in my Pan Card bearing No. CVMPC4707P.

2) That I am Account holder of BANK OF INDIA, Kirkend Branch having my SB Account No. 472110610000323 in which my name has been mentioned inadvertantly as MIRA DEVI.

3) That though the both names MIRA DEVI CHAUDHARY and MIRA DEVI belong/represent to one and same person i.e. I am myself, but in order to avoid any complication in future my actual name as MIRA DEVI CHAUDHARY is required to be mentioned in my aforesaid bank account/pass book.

4) That I am swearing this affidavit to submit before the concerned authority of Bank of India, Kirkend branch for correction of my name in my aforesaid bank account/pass book as cited above and for the needful purpose.

Sl. No 36245 Date. 14/10/24

बीसीसीएल में थैलेसीमिया रोगियों का उपचार

धनबाद (कासं) : बुधवार को बीसीसीएल की ओर से कोयला नगर में थैलेसीमिया शिविर आयोजन किया गया। मरीजों और उनके परिवारों की काउंसलिंग के लिए थैलेसीमिक्स इंडिया के प्रतिनिधियों के साथ वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) के माध्यम से एक चर्चा सत्र का कॉन्फ्रेंस हॉल कोयला भवन में आयोजित किया गया।

थैलेसीमिया इंडिया के प्रतिनिधियों ने सीआईएल थैलेसीमिया बाल योजना के अन्तर्गत मुख्य उपचार से पहले की जाने वाली तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें मिलान करने वाले दाता से अस्थि मज्जा आधान भी शामिल है। टीम द्वारा अभिभावकों के प्रश्नों का भी विस्तार से उत्तर दिया गया। परियोजना के लिए सूचीबद्ध १७ अस्पतालों में से किसी में भी चरणबद्ध तरीके से उपचार की सुविधा दी जाएगी। धनबाद के आसपास के वंचित वर्गों के परिवारों ने अपने बच्चों के लिए जीवन रक्षक उपचार की सुविधा के लिए बीसीसीएल सीएसआर के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीएमडी बीसीसीएल समीरन दत्ता, के दूरदर्शी नेतृत्व और एमके रामैया, निदेशक (कार्मिक), बीसीसीएल के कुशल मार्गदर्शन में यह कार्य सुगम हो पाया है। शोभा तुली, सचिव थैलेसीमिक्स इंडिया और रश्मि थैलेसेमिक्स इंडिया के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. कालरा नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए और उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर परिवारों को आगे की प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन दिया। बीसीसीएल के सीएसआर विभाग ने इस सत्र का आयोजन किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

भाटडीह ओपी क्षेत्र में चल रहे हैं अवैध दर्जनों कोल माइंस

धनबाद/कतरास (कासं) : तेलमच्चो ब्रिज के बाएं छोर से रोड का निर्माण होने के लिए

● चर्चित कोयला माफिया सोहन व चंदन बाबा और इनामुल सिंडीकेट लूट रहा है हजारों टन कोयला
● हाजी बाबा को बिन चादर चढ़ाए नहीं मिलेगा अवैध कोयले का कारोबार चलाने का ग्रीन सिंगनल

चौड़ीकरण किया गया है जो भाटडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत धनी जंगलों से गुजरा है और करीब ८ किलोमीटर के दायरे से दामोदर नदी भी गुजर रही है जो रोड और नदी के बीच का जो फैसला है उसमें करीब २, ४, ६, ७, १०, ११, १२, २० गिनती भूल जाएंगे क्योंकि इतनी अवैध मुहाने बनाए गए हैं कोयला निकालने के लिए जिसे आप आकलन नहीं कर सकते हैं। दर्जनों अवैध ही नहीं इन क्षेत्रों में बीसीसीएल की जमीन, रैयती जमीन और वन विभाग की जमीन है। इन तीनों जमीनों के नीचे कोयले का विशाल भंडार है। पांच फीट जमीन खोदने पर स्टीम कोयले का कोयला मिलना शुरू हो जाता है। इसी का फायदा कोयला माफिया चंदन बाबा और इनामुल और सोहन अवैध कोयले का माइनिंग बड़े पैमाने पर शुरू कर दिया है। स्थानीय मीडिया और पुलिस को सेटिंग कर कोयला तस्कर

अवैध मुहाना बनाकर बड़े पैमान पर हजारों मजदूरों को लगा कर अवैध ढंग से कोयला लूट रहे हैं। चर्चा है कि हजारों टन कोयला हर दिन निकाला जा रहा है। पुलिस सीआईएसएफ और खनन विभाग मौन क्यों है।

सबसे बड़ा विडंबना यह कि तीनों एक दूसरे पर फेंका फेंक कर अवैध कारोबारी को सहयोग कर रहे हैं। क्यों सहयोग कर रहे हैं यह तो यह स्वयं बताएंगे लेकिन जनता सब कुछ जानती है।

भाटडीह ओपी क्षेत्र में इन दिनों लगातार अवैध कोयला को लेकर आपसी रंजिश देखने को मिल रहा है। कुछ दिन पूर्व ही द्वारा अमानुल के गाड़ी पर हमला किया गया था, लोगों में चर्चा है कि वहां पर माइंस बनाने के लिए जमीन बहुत कम है और कोयला करोबारी कि संख्या बढ़ गए हैं, जिसके कारण आपसी रंजिश कि संभावना है, आज नहीं तो कल वहां पर गोलीबारी होने की संभावना है, इसका मुख्य कारण है कि भाटडीह ओपी क्षेत्र में अवैध कोयला का कारोबार चरम सीमा पर है। वहां पर कुछ नए चर्चित लोग पार्सिंग लें कर पहुंच रहे हैं।

कोयला चोरी की शिकायत की गयी प्रधानमंत्री मोदी से

धनबाद (कासं) : भाजपा के वरिष्ठ नेता बिरेंद्र पासवान ने बिहार ऑबजर्वर अखबार में प्रकाशित सच्ची खबरों को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कोयला मंत्री, गृहमंत्री अमित शाह, बीसीसीएल, सीआईएसएफ के हेड क्वार्टर, कोयला मंत्रालय, झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बाबूलाल मरांडी, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो, गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, ईडी, झारखण्ड पुलिस, धनबाद उपायुक्त सहित धनबाद उपायुक्त को लिखा है कि बाघमारा क्षेत्र के बरोरा मुराईडीह और जोगता क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध कोयलें की खदान चलाई जा रही है। जिससे राष्ट्रीय सम्पत्ति कोयला की चोरी से राजस्व के नुकसान के साथसाथ मजदूर वर्ग के लोगों की जान को खतरा है। इसलिए राष्ट्रीय सम्पत्ति कोयला को कोयला माफियाओं से बचाने की गुहार लगाई है। सभी

पदाधिकारियों से और कोयला माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

दिव्यांग बच्चों ने देखी फिल्म

धनबाद (कासं) : दिव्यांगता सप्ताह पर पहला कदम स्कूल के दिव्यांग बच्चों के लिए धनबाद राउंड टेबल ३४२ द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को आईनॉक्स बिग बाजार में भूल भुलैया ३ फिल्म दिखाई गई, जिससे बच्चों में अत्यधिक उत्साह और खुशी का माहौल दिखा। इस पहल से न केवल बच्चों का मनोबल बढ़ा, बल्कि समाज में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता भी फैलाने में मदद मिली। कार्यक्रम में राउंड टेबल ३४२ के अध्यक्ष अनूप गोयल उपाध्यक्ष सूरज सरिया, सचिव रोहित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विनीति लोहरीवाल, पंकज गोयल, पुनित राज गढ़िया के अलावा पहला कदम स्कूल से सचिव अनीता अग्रवाल और कौशल अग्रवाल भी उपस्थित थे। अनीता अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन दिव्यांग बच्चों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुआ और समाज में दिव्यांगता के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में समावेशिता को बढ़ावा और बच्चों को एक सकारात्मक संदेश मिलता है।

पीएमसीएच में इलाजरत मरीजों की हालत खराब : वालिया

धनबाद (कासं) : झारखंड मुक्ति मोर्चा (यू) के धनबाद महानगर अध्यक्ष जेपी वालिया ने उपायुक्त को पत्र देकर पीएमसीएच में इलाजरत सैकड़ों करीब मरीजों को ठंड में कंबल तथा दवाइयां देने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि अस्पताल में इलाजरत अधिकाश मरीज ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं। उनके पास आर्थिक कमी होने के कारण वे अच्छा इलाज कराने में असमर्थ हैं। वे सरकारी अस्पतालों पर ही निर्भर रहते हैं। कहा कि अस्पताल में उसकी उचित देखभाल नहीं होता है। समय पर दवाइयां भी नहीं उपलब्ध करया जाता है। इस ठंड में मरीजों का बुरा हाल है। अस्पताल प्रबंधन पूरी तरह से मरीजों की देखभाल भी नहीं करते हैं। जिस कारण गरीब मरीजों की हालत खराब है। अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाला भोजन में

शिकायतें आ रही है। मरीजों को समय पर खाना नहीं दिया जाता है। अगर दिया भी जात है तो उसकी मात्रा बहुत कम रहती है। जिस कारण मरीजों का पेट भी नहीं भरता है। इन सभी कारणों से मरीजों का बुरा हाल है। ठंड से मरीज प्रभावित है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अस्पताल की व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। वहां भी दलाल सक्रिय है। आपूर्तिकर्ता कमीशन लेने में मशगुल है। श्री वालिया ने इन मुद्दों को जांच कराने की मांग की है।

चन्द्रदेव महतो की जीत पर निकला विजयी जुलूस

बलियापुर (ससे) : विधायक चन्द्रदेव महतो की जीत पर बुधवार को करमाटांड़ में झामुमो नेता राजेंद्र किस्कू के नेतृत्व में गाजेबाजे के साथ विजयी जुलूस निकाला गया। जुलूस करमाटांड़ बाजार, आमटांड़ समेत विभिन्न इलाकों में भ्रमण किया। करमाटांड़ बाजार में समारोह आयोजित कर उन्हें स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक चन्द्रदेव महतो ने कहा कि पिछले २५ सालों से लूट खसोट का सिलसिला चलता रहा। २५ सालों से क्षेत्र में विकास नहीं के बराबर हुआ। भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा। अब कार्य प्रणाली पर बदलाव करने की जरूरत है। सभी एकताबद्ध होकर आगे आए। योजनाओं को धरातल पर उतारकर बेहतर विकास कार्य किया जाएगा।

झारखंड को दिशा देने का काम किया जाएगा। मौके पर झामुमो पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश टुडू, झामुमो नेता समीर कुमार मुर्मू, राजेंद्र किस्कू, अरविंद मंडल, मनोज रवानी, गोपाल रवानी, बलदेव सोरेन, सुनील किस्कू, जंग बहादुर महतो, लक्ष्मण रवानी, ताराचंद मंडल, किष्टो गोराई, श्यापद मरांडी, विशू मांझी, श्यापद मरांडी, मुकेश रवानी, सुखलाल हेम्ब्रम, मंडल हांसदा, जूड़न सोरेन, नरेश हेम्ब्रम आदि मौजूद थे।

जीटी रोड पर अभी भी लग रही वाहनों की लंबी कतारें

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर बाजार इलाके में छठे दिन बुधवार को भी जीटी रोड जाम रहा। गोविंदपुर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से दिन में जाम पर नियंत्रण पाया गया परंतु पुलिस के हटते ही शाम में फिर जाम लग गया। जाम से गोविंदपुर बाजार के व्यवसाय पर बुरा असर पड़ा है। गोविंदपुर पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली ने काफी देर तक सुभाष चौक पर मोर्चा संभाला और वाहनों की आवाजाही सामान्य कराई। सड़क जाम से गोविंदपुर बाजार क्षेत्र के पेट्रोल पंप संचालक भी परेशान है। पेट्रोल पंपों में बिक्री ठप हो गई है। स्थानीय दुकानों की बिक्री भी प्रभावित हो रही है। सुभाष चौक खुलने से जीटी रोड की सारी व्यवस्था अस्तब्यस्त हो गई। स्कूली बच्चों से लेकर दुकानदार और पेट्रोल पंप मालिक तक प्रभावित हो रहे हैं। स्थिति यह हो गई है कि अनेक लोग बाजार करने गोविंदपुर की बजाय निरसा, बरवाअड्डा या बलियापुर जा रहे हैं। ग्रामीण अब गोविंदपुर बाजार आने से डर रहे हैं। अनेक लोग बलियापुर रोड आमघाटा होते हुए धनबाद आ जा रहे हैं। जीटी रोड जाम रहने से समाज का हर वर्ग प्रभावित है और सभी जाम से निजात पाने का रास्ता खोज रहे हैं। गोविंदपुर बाजार के वैसे दुकानदार भी अब सुभाष चौक को बंद करने की मांग कर रहे हैं जो इसको खोलने को लेकर आवाज उठा रहे थे और ४ वर्ष पूर्व नागरिक समिति की पहल पर सुभाष चौक को बंद कराई जाने के खिलाफ थे।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव संजय कुमार साव एवं अभिषेक बर्मन ने कहा कि तत्काल प्राइवेट लोगों को रखकर ट्रैफिक व्यवस्था पर नियंत्रण किया जा सकता है और इसका खर्च वहन चेंबर ऑफ कॉमर्स करेगा । उन्होंने कहा कि अवध ठाकुरबारी कट के बंद होने तथा सुभाष चौक के खुलने से दुर्घटनाओं पर विराम लगा है परंतु बाजार पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली ने बताया कि उनके पास जो संसाधन है उसके अनुरूप व्यवस्था बनाए रखने में लगे हुए हैं परंतु गोविंदपुर थाना के भरोसे वाहनों के परिचालन पर नियंत्रण संभव नहीं है। नागरिक समिति के अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने बताया कि ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह गुरुवार को जीटी रोड का निरीक्षण करेंगे।

गोविंदपुर में जीटी रोड जाम की समस्या को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण दुर्गापुर के परियोजना निदेशक मनीष कुमार ने बताया कि विगत २८ नवंबर को दुर्घटना के युवती की मौत के बाद बाद फकीरडीह में जीटी रोड जाम करने वाले लोगों की मांग पर अंचल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे ने उन्हें सुभाष चौक खुलवाने का निर्देश दिया था । इसके बाद उसी रात चौक को खोला गया। उन्होंने कहा कि सुभाष चौक को गोविंदपुर के लोगों ने ही ४ वर्ष पूर्व बंद कराया था। परियोजना निदेशक ने कहा कि यदि सुभाष चौक खुलने से सड़क जाम की समस्या गंभीर हुई है तो फिर अंचल अधिकारी के कहने पर ही सुभाष चौक को फिर से बंद कर वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया जाएगा।

अशोक ज्वेलर्स में लाखों की चोरी

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत टुंडी रोड शिवानी परिसर स्थित अशोक ज्वेलर्स का कॉलेप्सिबल गेट व शटर काटकर बीती रात अज्ञात अपराधियों ने नकद समेत करीब ४:५० लाख रुपए के सोनेचांदी के जेवरात चुरा लिए। इस संबंध में दुकान के संचालक सौरभ कुमार बर्मन ने गोविंदपुर थाना में आवेदन दिया है। उन्होंने आवेदन में लिखा है कि मंगलवार रात २:३० बजे १५ हथियारबंद अपराधियों ने उनकी दुकान में हमला बोला तथा कॉलेप्सिबल गेट और शटर काटकर दुकान में प्रवेश किया। दुकान के गल्ला में रखे नकद समेत करीब ४:५० लाख रुपए के सोनाचांदी के जेवरात चुरा लिए। पड़ोसियों से सूचना मिलने के बाद वह दुकान पहुंचे तबतक अपराधी भाग चुके थे। श्री बर्मन ने गोविंदपुर थाना प्रभारी से अपराधियों की धरपकड़ और सुरक्षा की मांग की है।

संभल हिंसा के आरोपियों से सपा नेताओं की मुलाकात, जेलर, डिप्टी जेलर सस्पेंड

लखनऊ (ईएमएस) : संभल हिंसा के आरोपियों से जेल में सपा नेताओं की अवैध मुलाकात पर यूपी सरकार ने डीजी जेल ने मुरादाबाद के जेलर विक्रम सिंह यादव और डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ कार्यवाही की सिफ़ारिश की है।

गौरतलब है कि सोमवार को सपा विधायक नवाबजान, चौधरी समरपाल सिंह, पूर्व सांसद एसटी हसन के साथ कई सपा नेताओं ने जेल में संभल हिंसा के आरोपियों से मुलाकात की थी। आरोप है कि पूर्व सांसद और विधायकों के साथ कुछ सपा नेताओं ने बगैर पर्ची लिए मुलाकात की थी।

बता दें कि सांसद और विधायकों को अपने जिले की जेल में बंदियों से मुलाकात के विशेष अधिकार मिलते हैं। शासन के निर्देश पर डीजी जेल ने डीआईजी जेल कुंतल किशोर को मामले की जांच सौंपी थी। बता दें कि २४ नवंबर को संभल में हुई हिंसा के बाद से सियासी दंगल सड़क से लेकर संसद तक जारी है।

बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद बहन प्रियंका गांधी व अन्य नेताओं के साथ संभल के लिए निकले थे। उन्होंने रोकने के लिए गाजीपुरदिल्ली बॉर्डर पार पुलिस की भारी तैनाती थी। संभल के डीएम और मुरादाबाद कमिश्नर ने पहले ही अपील की थी कि कोई भी जनप्रतिनिधि १० दिसंबर तक संभल न आए। इसके बावजूद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी संभल जाना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की वकील निकिश कुमारी पीएचडी डॉक्ट्ररेट की डिग्री से अलंकृत हुई

गया (ससे) : डॉक्टर निकिश कुमारी ने मगध विश्वविद्यालय बोधगया, बिहार के राजनीति विज्ञान विभाग के अंतर्गत सार्क देशों पर शोध किया। शोध का विषय ''सार्क उन्नति और शांति का एक मार्ग '' सार्क इज ए पाथ टू प्रोग्रेस एंड पीस विषय था। यह विषय भारत राष्ट्र के सभी आठ पड़ोसी देशों के अंतर्गत उनका मैत्रिय संबंध, विदेश नीति और भविष्य के रूपरेखा और आपसी संबंधों पर आधारित अत्यंत कठिन विषयों पर था।

डॉक्टर निकिश कुमारी ने प्रोफेसर डॉ रामविलास सिंह, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, मगध विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षक एंव निर्देशन में पूर्ण किया। शोध पूर्ण करने में कई साल लगे। दिल्ली के विभिन्न दूतावासों के साथ कई पुस्तकालय में गहन अध्ययन कर विदेश मंत्रालय, केंद्रीय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, नेहरू मेमोरियल लाइब्रेरी, इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर, इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च इत्यादि प्रतिष्ठान रहे हैं।

सनद रहे, पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा में भी निकिश कुमारी मगध विश्वविद्यालय में टॉपर रहीं हैं। निकिश कुमारी का मौखिक परीक्षा, वाईवा के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली के प्राध्यापक, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टाडीजं के डॉ अरविंद कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार सहित मगध विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ निर्मला कुमारी, लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ एहतेशाम खान, डॉ अंजनी कुमार घोष, डॉ श्रद्धा ऋषि, डॉ दिव्या मिश्रा, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ शमशाद अंसारी, डॉ त्रिपुरारी सिंह चैहान, डॉ अमित कुमार, डॉ मुद्रिका प्रसाद यादव आदि अन्य विभागों के भी प्रोफेसर सहित छात्रछात्राओं के अपार उपस्थिति में शोध विषय पर व्याख्यान और वाईवा संपन्न हुआ।

सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता डॉ निकिश कुमारी बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया की आजीवन सदस्य होने के साथ सामाजिक विषयों पर विभिन्न राष्ट्रीय जर्नल सहित दैनिक समाचार पत्रों में आलेख लिखती रहीं हैं। ये एक अच्छी स्तंभकार भी हैं। पीएचडी, डॉक्ट्ररेट की डिग्री ग्रहन का श्रेय अपने जीवन के रचनाकार पिता श्री ईश्वर चंद्र गुप्ता और मेरी जननी मां स्व. चम्पा देवी गुप्ता के चरणों और पवित्र आंचल को समर्पित करती हैं।

नितिन गडकरी से मिले सांसद ढुल्लू महतो

धनबाद (कासं) : भाजपा सांसद ढुल्लू महतो ने अपने क्षेत्र धनबाद के विकास और जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए कई महत्वपूर्ण पत्र केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों को लिखे हैं। इन पत्रों में उन्होंने बुनियादी ढांचे, यातायात सुधार, कृषि प्रोत्साहन और व्यापार से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से ध्यान आकर्षित किया है।

श्री महतो ने धनबाद में यातायात जाम की गंभीर समस्या को सुलझाने के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर कई प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। धनसार चौक से गोविंदपुर तक एलिवेटेड फ्लाईओवर: यह प्रोजेक्ट यातायात जाम को कम करेगा और धनबादवासियों के लिए आवाजाही आसान बनाएगा।

निरसा और गोविंदपुर बाजार में फ्लाईओवर या बाईपास: इन

बाजारों में घनी आबादी और जाम की समस्या को देखते हुए उन्होंने फ्लाईओवर या बाईपास निर्माण की मांग की है। मेमको मोड़ पर फ्लाईओवर: आठ लेन वाले हाईवे का ट्रैफिक दो लेन की सड़क पर आने से जाम और दुर्घटनाएं बढ़ रही है। सांसद ने इस स्थान पर फ्लाईओवर निर्माण का आग्रह किया है। चंदनकियारी से निरसा तक ५६ किमी का नया बाईपास: यह बाईपास क्षेत्रीय यातायात को सुव्यवस्थित करेगा और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगा।

श्री महतो ने धनबाद और बोकारो के किसानों की बेहतरी के लिए चंदनकियारी और निरसा में कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) स्थापित करने की मांग की है। यह केंद्र किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और उन्नत उपकरणों का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, जिससे कृषि उत्पादकता में सुधार होगा।

ढुल्लू महतो ने पश्चिम बंगाल से झारखंड आने वाले आलू के ट्रकों को अवांछनीय तरीके से रोके जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इस समस्या को हल करने और व्यापारिक गतिविधियों में बाधा न आने देने के लिए बंगाल सरकार को निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने धनबाद से गुजरने वाले एनएच१९, एनएच३२, और एनएच२१८ के उन्नयन की आवश्यकता पर जोर दिया। गोविंदपुर से महुदा मोड़ तक के मार्ग की खराब स्थिति को सुधारने और नियमित रखरखाव की व्यवस्था की मांग की है।

सांसद ढुल्लू महतो ने कहा, धनबाद की जनता की सेवा मेरा सबसे बड़ा कर्तव्य है। इन योजनाओं और परियोजनाओं का उद्देश्य जनता की समस्याओं को दूर करना और क्षेत्र को विकास के पथ पर ले जाना है। मैं इन मुद्दों को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।

धनबाद में यातायात जाम के लिए फ्लाईओवर और बाईपास निर्माण, चंदनकियारी और निरसा में कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना। राजमार्गों का उन्नयन और नियमित रखरखाव, पश्चिम बंगाल और झारखंड के बीच व्यापारिक गतिरोध को समाप्त करने के प्रयास। सांसद महतो के इन प्रयासों से धनबाद और आसपास के क्षेत्रों में विकास की गति को नया आयाम मिलने की उम्मीद है। जनता ने उनकी सक्रियता और प्रतिबद्धता की सराहना की है।

संपादकीय | मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग

किसानों की समस्याओं और उनकी मांगों पर पारदर्शी ढंग से बातचीत और समाधान न हो पाने का ही नतीजा है कि वे बार-बार आंदोलन की राह पर चल पड़ते हैं। गौतम बुद्ध नगर और उसके आसपास के जिलों के किसान इसीलिए एक बार फिर दिल्ली की तरफ कूच कर गए और सोमवार को दिन भर लोगों को यातायात में बाधा से जूझना पड़ा। दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी पुलिस बल तैनात होने और अवरोधक लगाए जाने के बावजूद किसान नहीं रुके। हालांकि शाम होते-होते उन्होंने अपना फैसला बदल लिया और कहा कि सरकार से बातचीत में अगर संतोषजनक नतीजे नहीं निकलते हैं, तो वे दिल्ली की तरफ फिर से कूच करेंगे। ये किसान कई वर्ष से अव्यावहारिक ढंग से निर्धारित किए गए मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार वे दिल्ली की तरफ बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं, मगर उनकी मांगों पर ठीक से विचार नहीं किया गया। दरअसल, अलग-अलग सरकारों के समय अलग-अलग मुआवजा नीति के तहत नोएडा के किसानों से ली गई जमीन का भुगतान किया गया। उनमें बहुत सारे किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया, जिसे लेकर वे आंदोलन करते रहे हैं।

विकास परियोजनाओं के लिए ली गई जमीन के मुआवजा भुगतान में अपारदर्शिता की शिकायतें अक्सर मिलती रही हैं। उनके निपटारे पर गंभीरता नहीं दिखाई जाती, जिसके चलते हजारों किसान लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यों तो सरकारें किसानों की आय बढ़ाने, आपदा के समय उनकी फसल का उचित

मुआवजा दिलाने, फसल बीमा, किसान कर्ज में सहूलियत, भूमिहीन किसानों के लिए रोजगार, जमीन के मुआवजे का उचित भुगतान आदि के दावे बढ़-चढ़ कर करती हैं, मगर हकीकत यही है कि भ्रष्टाचार के कारण किसानों तक वाजिब रकम नहीं पहुंच पाती।

गौतमबुद्ध नगर के किसान पिछले दस वर्षों में अधिग्रहीत भूमि का बाजार मूल्य से चार गुना अधिक भुगतान करने, उससे पहले यानी पुरानी अधिग्रहण नीति के तहत ली गई जमीन का बढ़ी हुई कीमत पर भुगतान करने, इन मांगों के संबंध में गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों को लागू करने आदि की मांग कर रहे हैं। ये ऐसे मुद्दे नहीं हैं, जिन पर किसानों के साथ तार्किक ढंग से बात न की जा सके। इस मामले में प्रशासनिक शिथिलता के कारण किसान धुंधलके में बने हुए हैं। दरअसल, किसानों की समस्याओं पर कोई भी सरकार संवेदनशील नजर नहीं आती। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुराना है। इसे लेकर किसान लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस मामले में शीघ्र निर्णय किया जाएगा और किसानों ने धरना वापस ले लिया था। मगर अब तक उस दिशा में कोई कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सका है। इस वजह से कई बार पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली कूच को निकल चुके हैं, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को शक्ति प्रदर्शन करना पड़ा। अपनी समस्याओं को लेकर मांग उठाना किसानों का संवैधानिक अधिकार है। मगर सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे उनकी मांगों पर संजीदगी दिखाएं। दोनों के बीच जब-तब जोर आजमाइश की कोशिशों से आखिरकार आम लोगों को नाहक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों की समस्याओं के निपटारे के लिए कोई पारदर्शी और व्यावहारिक तंत्र क्यों नहीं बनना चाहिए?

राष्ट्रपति बनने से पहले ही ट्रंप की भारत समेत ब्रिक्स देशों को चेतावनी

किसी भी देश में सत्ता बदलने के साथ उसकी नीतियों में बदलाव आना हैरानी की बात नहीं है, लेकिन इस बार अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद जो संकेत सामने आ रहे हैं, वे चौंकाने वाले हैं। हालांकि ट्रंप आधिकारिक रूप से जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालेंगे, मगर पिछले कुछ दिनों से वे जिस तरह के बयान दे रहे और अपनी सरकार गठन को लेकर जो तस्वीरें पेश कर रहे हैं, उससे साफ है कि वे इस बार बहुत कुछ नया करने जा रहे हैं। अपने एक ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अगर कोई देश अमेरिकी डालर को कमजोर करने की कोशिश करेगा, तो उसे अमेरिका में कारोबार के लिए सौ फीसद शुल्क की नीति का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप के निशाने पर मुख्य रूप से ब्रिक्स समूह के नौ देश हैं। उनके बयान को एक चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है। सवाल है कि औपचारिक रूप से सत्ता संभालने के पहले ही ट्रंप का ऐसा आक्रामक रुख क्यों सामने आने लगा है। आर्थिक मामलों पर उभरे गतिरोध अलग-अलग देशों के साथ सहयोग आधारित नीतियों के जरिए और सहमति के आधार पर दूर किए जाते हैं या आक्रामक नीतियां लागू करने की धमकी से? इसमें कोई दोराय नहीं कि अमेरिका का अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए चिंता करना स्वाभाविक है। मगर क्या इसके लिए टकराव और चेतावनी कोई उपयुक्त रास्ता है? नए वैश्विक परिदृश्य में सभी देश अपनी आर्थिक मजबूती के नए विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इस क्रम में ब्रिक्स देश और खासकर रूस और चीन पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी डालर के विकल्प के रूप में अपनी नई मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं। मगर इसे अमेरिका अपने डालर और इस तरह अपनी अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह मान रहा है और इस स्थिति में वह ब्रिक्स देशों को अपने यहां व्यापार बाधित करने की चेतावनी दे रहा है। ट्रंप की चिंता अमेरिका के हित में हो सकती है, लेकिन अगर आर्थिक मसले पर दुनिया बहुध्रुवीय और वैकल्पिक रास्ते तलाशती है, तो अमेरिका को इसके कारणों पर विचार करना चाहिए। नए विश्व में एकाधिकार का रास्ता शायद किसी भी देश के हित में नहीं होगा।

आज का कार्टून

दिल्ली में केजरीवाल क्यों नहीं चाहते कांग्रेस का साथ?

> इस बार आम आदमी पार्टी को बीजेपी से कड़ी चुनौती मिल रही है। बीजेपी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारने के बाद दिल्ली में नई रणनीति के साथ काम कर रही है। वह अपने तमाम बड़े नेताओं को चुनाव मैदान में उतार रही है। दिल्ली से सटे राज्य हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में जीत के बाद पार्टी के हौसले बुलंद हैं। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में पूर्व सांसद प्रवेश सहिब सिंह वर्मा, मीनाक्षी लेखी और रमेश बिधूड़ी का टिकट काट दिया था। माना जा रहा है कि पार्टी इन तीनों ही नेताओं को विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारकर उनके सियासी अनुभव का फायदा लेना चाहती है। इसके अलावा पिछले कुछ महीनों में आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़कर बीजेपी का हाथ पकड़ लिया है। ऐसे नेताओं में पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत, विधायक ब्रह्म सिंह तंवर प्रमुख हैं। पूर्व मंत्री राज कुमार आनंद, पूर्व विधायक वीणा आनंद के साथ कुछ और नेता भी बीजेपी में शामिल हो गए थे।

पवन उप्रेती

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी दिल्ली में कांग्रेस के साथ मिलकर विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेगी। यह फैसला आम आदमी पार्टी और केजरीवाल की राजनीति को समझने वालों के लिए ज्यादा हैरान करने वाला नहीं है लेकिन कांग्रेस के लिए एक बड़े झटके की तरह जरूर है। कांग्रेस आम आदमी पार्टी से बड़ा राजनीतिक दल है। आप ने एक झटके में गठबंधन से इनकार करने का ऐलान कर कांग्रेस को दिखाने की कोशिश है कि उसे दिल्ली में उसकी कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी 2013 के विधानसभा के चुनाव के बाद कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार भी बना चुकी है हालांकि तब यह सरकार सिर्फ 49 दिन तक ही चली थी और केजरीवाल के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने की वजह से सरकार गिर गई थी।

दल मिले थे दिल नहीं

लोकसभा चुनाव 2024 में जब इंडिया गठबंधन बना था तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में गठबंधन किया था। यह गठबंधन भी काफी ना-नुकुर के बाद हुआ था लेकिन फिर भी दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ने पर राजी हुए थे। दिल्ली और हरियाणा में भले ही दोनों दलों ने गठबंधन किया था लेकिन पंजाब में दोनों ने अकेले-अकेले चुनाव लड़ा था। मतलब दल साथ आए थे इन नेताओं के दिल आपस में नहीं जुड़े थे। दिल्ली की सात सीटों में से आम आदमी पार्टी ने चार और कांग्रेस ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन पूरी ताकत लगाने के बाद भी गठबंधन एक भी सीट नहीं जीत पाया और बीजेपी को सभी सीटों पर जीत मिली थी।

दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की एकतरफा लहर चली थी। 2015 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 67 जबकि 2020 के विधानसभा चुनाव में 62 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

दिल्ली में कमजोर खिलाड़ी है कांग्रेस

आप के कांग्रेस से गठबंधन न करने की पहली बड़ी वजह यह है कि दिल्ली में कांग्रेस एक कमजोर खिलाड़ी है। पार्टी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में अपना खाता भी नहीं खोल पाई। 2020 के विधानसभा चुनाव में तो अधिकतर सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई थी। केजरीवाल इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि उन्हें कांग्रेस से गठबंधन करके दिल्ली विधानसभा चुनाव में कोई बहुत बड़ा सियासी फायदा नहीं हो सकता।

बीजेपी से मिल रही कड़ी चुनौती

इस बार आम आदमी पार्टी को बीजेपी से कड़ी चुनौती मिल रही है। बीजेपी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारने के बाद दिल्ली में नई रणनीति के साथ काम कर रही है। वह अपने तमाम बड़े नेताओं को चुनाव मैदान में उतार रही है। दिल्ली से सटे राज्य हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में जीत के बाद पार्टी के हौसले बुलंद हैं।

बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में पूर्व सांसद प्रवेश सहिब सिंह वर्मा, मीनाक्षी लेखी और रमेश बिधूड़ी का टिकट काट दिया था। माना जा रहा है कि पार्टी इन तीनों ही नेताओं को विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारकर उनके सियासी अनुभव का फायदा लेना चाहती है। इसके अलावा पिछले कुछ महीनों में आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़कर बीजेपी का हाथ पकड़ लिया है। ऐसे नेताओं में पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत, विधायक ब्रह्म सिंह तंवर प्रमुख हैं। पूर्व मंत्री राज कुमार आनंद, पूर्व विधायक वीणा आनंद के साथ कुछ और नेता भी बीजेपी में शामिल हो गए थे।

आबकारी घोटाले का साया और स्वाति मालीवाल प्रकरण

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और केजरीवाल के सामने कथित आबकारी घोटाला और स्वाति मालीवाल प्रकरण बड़ी चुनौती है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह जैसे बड़े नेता कथित आबकरी घोटाला मामले में जेल काट चुके हैं। बीजेपी का कहना है कि केजरीवाल ही इस कथित घोटाले के मास्टरमाइंड हैं और आप सरकार ने इसमें करोड़ों का घोटाला किया है। कथित आबकारी घोटाले के अलावा आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हुए हमले की घटना की वजह से भी परेशान है। इस मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व पीए विभव कुमार पर मालीवाल ने बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। मालीवाल ने कहा है कि विभव कुमार ने उनके साथ अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर मारपीट की।

स्वाति मालीवाल ने इस मामले में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को जिस तरह लगातार घेरा है, उससे महिला सुरक्षा को लेकर पार्टी को जवाब देना भारी पड़ रहा है। बीजेपी भी स्वाति मालीवाल पर हमले के मामले को लगातार उठा रही है। दिल्ली में पिछले दो विधानसभा चुनाव के आंकड़े इस बात को स्पष्ट रूप से बताते हैं कि दिल्ली में कांग्रेस कोई चुनौती नहीं है हालांकि बीजेपी ने केजरीवाल को घेरने की पूरी कोशिश की है लेकिन वह भी इसमें बहुत हद तक कामयाब नहीं हो पाई है।

याद दिलाना होगा कि अक्टूबर में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान अरविंद केजरीवाल कांग्रेस से गठबंधन करना चाहते थे लेकिन कांग्रेस उन्हें उनके द्वारा मांगी जा रही सीटें देने के लिए तैयार नहीं हुई। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने अकेले ही हरियाणा में चुनाव लड़ा था। इसका नुकसान कांग्रेस को भी हुआ था और वह वहां सरकार नहीं बना सकी थी। शायद केजरीवाल कांग्रेस की ओर से किए गए इस बर्ताव का बदला लेना चाहते थे।

बीजेपी लगा रही जोर, कामयाबी मिलेगी?

दिल्ली में पहली बार विधानसभा के चुनाव 1993 में हुए थे। तब बीजेपी ने राज्य में अपनी सरकार बनाई थी लेकिन उसके बाद से वह यहां सरकार बनाने में कामयाब नहीं हो सकी। 1998 से 2013 तक दिल्ली में कांग्रेस की सरकार रही। 2013 में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार चलाई थी जो सिर्फ 49 दिन चली थी। उसके बाद 2015 और 2020 के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने एकतरफा जीत हासिल की थी। 2014 में जब केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार बनी तब से पार्टी को उम्मीद है कि वह एक बार फिर राजधानी में सरकार बनाएगी। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के तमाम नेताओं ने दिल्ली में सरकार बनाने के लिए ताकत झोंकी लेकिन पार्टी को करारी हार मिली और उसके लिए नतीजे बहुत खराब रहे। 2025 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी एक बार फिर पूरी ताकत जुटाकर मैदान में उतर रही है लेकिन देखना होगा कि क्या वह सरकार बना पाएगी?

तकनीक ने बढ़ा दी बीमारियां...

> यह विडंबना है कि जब हमारे पास इतनी तकनीकी प्रगति है, तो मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी उसी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। तनाव, अवसाद और अकेलापन जैसे मुद्दे अब आम हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल युग में इन समस्याओं की वृद्धि इस बात का संकेत है कि हम अपने वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर होते जा रहे हैं। अब वह समय नहीं रहा जब हम अपनों के साथ समय बिताने से आत्मिक शांति पाते थे। एक दौर था जब इंसानियत, प्यार और देखभाल हमारे रिश्तों की नींव हुआ करती थी। अब यह सब डिजिटल संकेत और स्क्रीन पर उभरते 'नोटिफिकेशन' या सूचनाओं और संदेशों में बंधकर रह गया है।

जयप्रकाश पांडेय

तकनीकी प्रगति ने जीवन को सरल बना दिया है, लेकिन इसने हमारे दिलों को जटिल भी कर दिया है। क्या हम उस बिंदु पर पहुंच चुके हैं, जहां इंसानियत और मानवीय संवेदनाओं को तकनीक से परे एक नया आयाम देना होगा? इस प्रश्न का उत्तर हम सभी को मिलकर खोजना होगा। तकनीक का सही उपयोग तभी संभव है, जब यह हमारे मानवीय मूल्यों को संजोए रखे।

आज की दुनिया एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। डिजिटल तकनीक के व्यापक प्रसार ने हमारी दिनचर्या और सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमता और सोशल मीडिया ने न केवल हमें एक नए युग में प्रवेश कराया है, बल्कि हमारी इंसानियत पर भी सवाल खड़े किए हैं। आज जब अपने चारों ओर की दुनिया को देखा जाए तो कोई भी संवेदनशील व्यक्ति यह सोचने पर मजबूर हो सकता है कि क्या यह तकनीकी क्रांति हमें वास्तव में जोड़ कर रख रही है या हमें और भी अलग-थलग कर रही है! एक श्लोक है- 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतं गमय।' यानी हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, और मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। यह श्लोक इस बात की याद दिलाता है

कि सच्चा मार्ग वही है, जो अंधकार और असत्य से मुक्त हो। इसी तरह, आज हमें तकनीक के उजाले में खोते हुए उन मूल्यों को याद रखना होगा, जो हमें मानवता की ओर ले जाते हैं।

तकनीक ने भले ही हमें वैश्विक स्तर पर जुड़ने का अवसर दिया हो, लेकिन वास्तविकता में हमने अपनी आसपास की दुनिया से दूरी बना ली है। आभासी दुनिया में जुड़ने के सुख की हकीकत यह है कि सोशल मीडिया पर हजारों लोग दोस्ती की सूची में हो सकते हैं, उन्हें हमारा लिखा हुआ या कोई और सामग्री पसंद आती है, मगर वास्तव में कोई हमसे जुड़ा नहीं होता। हमारा पड़ोसी तक हमारे दुख में शामिल नहीं होना चाहता। ज्यादातर लोग एक ही घर में रह कर अपने स्मार्टफोन में डूबे रहते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि इस डिजिटल दुनिया में हम और भी अकेले होते जा रहे हैं। उन दिनों को याद किया जा सकता है, जब परिवार और दोस्तों के साथ बैठकर हम वास्तविक बातचीत किया करते थे। आज वह आपसी संवाद एक 'कमेंट' या 'इमोजी' तक सीमित हो गया है।

खुद में सिमटने के उदाहरण अपने आसपास हर जगह देखे जा सकते हैं। किसी व्यावसायिक माल में जमा लोगों को देख कर उनके भी संवेदनशील होने के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ समय पहले एक बुजुर्ग एक जगह असहाय बैठे थे। शायद उन्हें मदद की जरूरत थी। चारों ओर से लोग गुजर रहे थे, लेकिन किसी ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि सभी अपने-अपने स्मार्टफोन या बाजार से खरीदारी में व्यस्त थे। एक व्यक्ति ने जब उनसे बात की, तब पता चला कि उन्हें अपने बेटे से संपर्क करने में परेशानी हो रही थी। उस व्यक्ति ने उनकी मदद की, तब उनकी आंखों में राहत और आभार का भाव उभरे। तकनीक ने हमें भले ही एक नई दुनिया दी हो, लेकिन हम अपनी इंसानियत और आपसी जुड़ाव से कहीं दूर हो गए हैं।

यह विडंबना है कि जब हमारे पास इतनी तकनीकी प्रगति है, तो मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी उसी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। तनाव, अवसाद और अकेलापन जैसे मुद्दे अब आम हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल युग में इन समस्याओं की वृद्धि इस बात का संकेत है कि हम अपने वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर होते जा रहे हैं। अब वह समय नहीं रहा जब हम अपनों के साथ समय बिताने से आत्मिक शांति पाते थे। एक दौर था जब इंसानियत, प्यार और देखभाल हमारे रिश्तों की नींव हुआ करती थी। अब यह सब डिजिटल संकेत और स्क्रीन पर उभरते 'नोटिफिकेशन' या सूचनाओं और संदेशों में बंधकर रह गया है।

'विज्ञान ने संसार को एक बहुत बड़ी चीज दी है- तथ्यों को पहचानने की शक्ति। लेकिन प्रेम ही वह तत्त्व है, जो मानव-हृदय को सही दिशा देता है।' प्रेमचंद की ये पंक्तियां हमें इस बात का अहसास कराती हैं कि तकनीक और विज्ञान कितनी भी उन्नति कर लें, आखिरकार मानवीय संवेदनाएं ही हमें एक दूसरे से जोड़ती हैं और जीवन को सार्थक बनाती हैं। इस बात को लेकर चिंतित होना चाहिए कि क्या हम वाकई सही दिशा में जा रहे हैं। हालत यह हो गई है कि कोई हादसा हो जाता है, कोई अपराध हो रहा होता है, उस समय भी कुछ लोग मदद पहुंचाने या उसके लिए दौड़ पड़ने के बजाय अपने स्मार्टफोन निकाल कर झट से वीडियो बनाना शुरू कर देते हैं। सवाल है कि क्या तकनीक हमारी संवेदनाओं और सोचने-समझने की दिशा को भी प्रभावित कर रही है।

तकनीकी प्रगति ने जीवन को सरल बना दिया है, लेकिन इसने हमारे दिलों को जटिल भी कर दिया है। क्या हम उस बिंदु पर पहुंच चुके हैं, जहां इंसानियत और मानवीय संवेदनाओं को तकनीक से परे एक नया आयाम देना होगा? इस प्रश्न का उत्तर हम सभी को मिलकर खोजना होगा। तकनीक का सही उपयोग तभी संभव है, जब यह हमारे मानवीय मूल्यों को संजोए रखे। तकनीकी के उपयोग का उद्देश्य हमारी जिंदगी को आसान बनाना था, लेकिन कहीं न कहीं यह हमें आपस में जोड़ने के बजाय भावनात्मक रूप से दूर कर रही है। हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि तकनीक का प्रयोग इंसानियत को मजबूत करने के लिए हो, न कि इसे कमजोर करने के लिए।

पीसीपीएनडीटी एक्ट ने की जिला सलाकार समिति की बैठक

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को उपायुक्त विजया जाधव ने पूर्व गर्भाधान और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएन डीटी) एक्ट अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक की। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, अनुमंडल चिकित्सा पदाधिकारी बेरमो डा. एन पी सिंह, नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. सेलिना टुड्डू, डा. राजश्री रानी सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी डा. मिता सिन्हा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला डाटा प्रबंधक कंचन कुमारी, विभिन्न गैर सरकारी संस्था के प्रतिनिधि प्रगति शंकर, कल्याणी सागर, सुरेश प्रसाद ठाकुर आदि उपस्थित थे।

बैठक में समिति अध्यक्ष सह उपायुक्त विजया जाधव ने क्रमवार विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने सभी अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों में सीसीटीवी अधिष्ठापन करने को कहा। उन्होंने एक सप्ताह का समय देते हुए क्लीनिक संचालकों को इसे सुनिश्चित करने के लिए टीम को निर्देश दिया। साथ ही, क्लीनिक के बाहर अल्ट्रासाउंड करने वाले चिकित्सक का नाम, उपस्थित रहने का समय आदि विवरण दर्शाने को कहा। बिना वैध पहचान पत्र के कोई भी अल्ट्रांसाउंड नहीं होगा, क्लीनिक परिसर में वैध पहचान पत्रों की सूची भी प्रदर्शित करने की बात कहीं। बैठक में उपस्थित संबंधित पदाधिकारियों को सभी क्लीनिकों के बाहर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएम वीवाई) एवं पीसीपीएलडीटी एक्ट के तहत लिंग जांच करना अपराध है से संबंधित फ्लैक्स अधिष्ठापन का निर्देश दिया।

बैठक में उपस्थित सिविल सर्जन को निजी क्लीनिक के साथ अल्ट्रासाउंड कराने को लेकर अविलंब एमओयू कराने का निर्देश दिया। साथ ही, इस योजना का व्यापक प्रचार - प्रसार को कहा। समीक्षा क्रम में पीसीपीएनडीटी टास्क फोर्स टीम को सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी क्लिनिक फार्म-एफ में अपूर्ण जानकारी नहीं रखेगा। फार्म पूर्ण होना चाहिए एवं सिविल सर्जन कार्यालय द्वारा प्रतिमाह जिला समाज कल्याण कार्यालय को संवीक्षा कर कुछ फार्म उपलब्ध कराने एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा फार्म-एफ का आंगनबाड़ी सेविका से जांच कराने एवं प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। मौके पर पीसीपीएनडीटी के नोडल पदाधिकारी ने बताया कि टीम के लगातार प्रयास से क्लीनिकों द्वारा फार्म-एफ को पूर्ण रूप से भरा जा रहा है, समय - समय पर क्लीनिकों की जांच अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में टीम द्वारा कर एक्ट का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। बैठक में पिछली बैठक से अब तक किए गए निरीक्षण - कार्रवाई से भी समिति को अवगत कराया।

इसके अलावा, समिति अध्यक्ष सह उपायुक्त ने जिले में अल्ट्रासाउंड क्लीनिक के निबंधन/ नवीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। नोडल पदाधिकारी पीसीपीएनडीटी/ सिविल सर्जन को जरूरी दिशा - निर्देश दिया। एक्ट से संबंधित प्रावधानों की जानकारी सबों को हो, इसके लिए जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया। जिले में संचालित सभी क्लिनिक संचालकों को पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत वर्णित सभी नियमों का अक्षरश: अनुपालन करने को कहा, नहीं तो जांच के क्रम में एक्ट का उल्लंघन पाएं जाने पर क्लिनिक संचालकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर पीसीपीएनडीटी एक्ट के संबंध में कानूनी सलाहकार प्रियंका सिंघल ने विस्तार से समिति सदस्यों को अवगत कराया। समिति अध्यक्ष सह उपायुक्त ने आमजनों तक 'बेटी है वरदान न करो उसका अपमान' का संदेश पहुंचाने। उन्हें जागरूक करने को कहा। पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत लिंग जांच करवाना अपराध है। अगर कोई क्लिनिक इसका उल्लंघन करता है तो, इसकी जानकारी देने वाले मुखबिर को ४० हजार रूपए, गर्भवती महिला को ४० हजार रूपए और सहयोगी को २० हजार रुपए पुरस्कार देने का प्रावधान है। उन्होंने आमजनों से ऐसे मामलों की शिकायत करने का अपील किया।

डुमरी पुलिस ने मांगुर मछली लदे दो वाहनों को पकड़ा

डुमरी (ससे): पुलिस एनएच-१९ से गुजरने वाले प्रतिबंधित मांगुर मछली लदे वाहनों,अवैध कोयला लदे वाहनों, अवैध पशु लदे वाहनों एवं अन्य अवैध सामग्रियों लदे वाहनों के विरूद्ध अनवरत जांच अभियान पूर्व एसपी दीपक शर्मा के कार्यकाल से ही डुमरी एसडीपीओ के नेतृत्व में चला रखी है।

जिसके कारण उपरोक्त अवैध कारोबार में शामिल धंधेबाज या तो अपना कारोबार को शिथिल कर दिया है या फिर परिवहन रुट ही बदल दिया है। हालांकि एनजीटी के द्वारा प्रतिबंधित मांगुर मछली का धंधा चोरी छिपे अनवरत चल ही रहा था। लेकिन अब उसपर भी शिकंजा कसना प्रारम्भ कर दिया है।०३ दिसंबर को निमियाघाट पुलिस के द्वारा मांगुर मछली लदा वाहन पकड़ने के बाद बुधवार ४ दिसंबर को डुमरी पुलिस द्वारा टोल प्लाजा कुलगो के पास से मांगुर मछली लदे दो वाहनों (ट्रक संख्या पीबी ११डीबी ७५६८) और (यूपी ६३टी २५९३) को पकड़ा गया। डुमरी थाना प्रभारी प्रणीत पटेल ने बताया कि मछलियां दो ट्रक में ले जाई जा रही थी जिसे जांच हेतु पकड़ा गया है साथ ही चालक उपचालक सहित आठ लोगों को हिरासत में लेकर पुछताछ की जा रही है। वहीं इसकी सूचना मत्स्य विभाग को भी दे दी गई है। एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद ने बताया कि मछली लदे दो वाहनों को जब्त किया गया है और जांच की जा रही है।

बताया कि पुलिस एनएच-१९ पर लगातार जांच अभियान चला रही है ताकि रोड से प्रतिबंधित वस्तुओं का परिवहन नहीं हो सके।बताया कि क्षेत्र में किसी भी अवैध कारोबार का ना तो संचालन होने दी जाएगी और ना ही परिवहन करने दिया जाएगा।कहा कि ऐसे धंधे में शामिल धंधेबाजों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।गौरतलब हो कि एनएच के रास्ते प्रतिदिन बंगाल से बिहार की ओर प्रतिबंधित मांगुर मछली लदे दर्जनों ट्रकों का परिवहन किया जाता है।जिसमें निमियाघाट के कतिपय लोग भी शामिल है।इधर निमियाघाट पुलिस द्वारा ३ दिसंबर को पकड़े गए प्रतिबंधित मांगुर मछली लदे ट्रक के मामले में हिरासत में लिये गए ट्रक चालक गोविंदपुर धनबाद निवासी अलक मांझी कोलकाता के तरुण बोरई एवं महेश हाड़ा को पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया।

संविदा कर्मियों के लिए सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना आरम्भ

बोकारो (ससे): बीएसएल में कार्यरत ठेका श्रमिक हमारे कार्यबल के अभिन्न अंग हैं और बोकारो स्टील प्लांट उनके तथा उनके परिवार के सदस्यों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है. इस संबंध में कई योजनाओं की पहल की गयी है और उनका कार्यान्वयन किया जा रहा है. इसी क्रम में हाल ही में संविदा कर्मियों के लिए सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की पहल की गई थी जिसके चार (०४) लाभार्थियों को बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी द्वारा पॉलिसी प्रमाण पत्र का वितरण कर सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की औपचारिक शुरुआत की गई. इस मौके पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक-प्रभारी (मानव संसाधन) राजन प्रसाद, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ) अनीष सेनगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधकगण, मानव संसाधन प्रभाग के वरीय अधिकारी तथा कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन की ओर से जगदीश चौधरी, सुनील कुमार महतो, श्री मधुकर, अरविन्द सिंह, अवधेश कुमार सिंह एवं अशोक तिवारी उपस्थित थे.

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हरि मोहन झा ने सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के विषय में सभी को विस्तृत जानकारी दी. बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना संविदा कर्मियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के कल्याण की दिशा में एक बड़ा कदम है. उन्होंने बीएसएल द्वारा कॉन्ट्रैक्ट लेबर मैनेजमेंट और संविदा कर्मियों के कल्याण की दिशा में किए जा रहे विभिन्न पहल में सहयोग करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन की सराहना भी की.

उल्लेखनीय है कि बीएसएल की पहल पर संविदा कर्मियों के लिए सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की बीमा पॉलिसी बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट, जो कि संविदा कर्मियों का एक पंजीकृत ट्रस्ट है, द्वारा प्राप्त की गयी है. सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना संविदा कर्मी की आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में दस लाख रुपये का वार्षिक बीमा कवर प्रदान करती है. लगभग १२००० संविदा कर्मचारी को इस पॉलिसी के तहत बीमाकृत किया गया है. आगे चलकर बीएसएल में किसी भी कायदिश में ठेकेदारों द्वारा संविदा कर्मियों के लिए गेट पास जारी करने से पहले सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की बीमा पॉलिसी के कवरेज के तहत उनका बीमा करवाना अनिवार्य होगा.

पुलिस ने जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

सीतामढ़ी(ईएमएस): बिहार के सीतामढ़ी जिले में प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज के नेताओं के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक बिहार के सीतामढ़ी के डुमरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शंकर चौक से एक लग्जरी कार से पैसों से भरा बैग के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। हिरासत में लिए गए लोग जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। वहीं जिस वाहन से पैसे से भरा बैग बरामद किया है उसपर भारत सरकार लिखा है।

बता दें, सीतामढ़ी में तिरहुत स्नातक निर्वाचन का उपचुनाव हो रहा है जिसको लेकर गुरुवार ५ दिसंबर को मतदान होना है। हिरासत में लिए गए लोगों पर वोटरों को चुनाव को पैसा बांटने का आरोप लग रहा है। जन सुराज पार्टी से मुजफ्फरपुर के रहने वाले विनायक गौतम प्रत्याशी हैं। जन सुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर अपने उम्मीदवार के पक्ष में सीतामढ़ी शिवहर मुजफ्फरपुर और वैशाली जिले में चुनाव प्रचार कर रहे थे।

पुलिस की इस कार्रवाई को एसपी के निर्देश पर अंजाम दिया गया है। दरअसल एसपी को सूचना मिली थी कि एक लग्जरी कार में बैठे लोग मतदाताओं के बीच पैसे बांट रहे हैं। इस कार्रवाई में पुलिस ने नोटों से भरे बैग के अलावा पंपलेट, चुनाव प्रचार सामग्री समेत कई आपत्तिजनक सामान बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक कार से १५२००० रुपए बरामद किए हैं। वहीं इस मामले को लेकर थाने में केस दर्ज कर लिया है।

झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के लिए सुरक्षा बैठक

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट (सेल) के अंतर्गत झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस (जेजीओएम) के लिए महानिदेशालय खान सुरक्षा (डीजीएमएस), श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों और सेल प्रबंधन के बीच १२वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा बैठक एमटीआई, रांची में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता साउथ ईस्टर्न ज़ोन रांची के उपमहानिदेशक डॉ. एस.एस. प्रसाद ने की। इस अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बी.के. तिवारी भी उपस्थित थे।

डीजीएमएस की ओर से बैठक में आर.आर. मिश्रा (डीएमएस-खनन) चाईबासा, एस. बेहरा (डीएमएस-यांत्रिक) रांची, के.एम. रेड्डी (डीएमएस-विद्युत) रांची,सुधीर आर. (डीडीएमएस-खनन) चाईबासा, श्री आर. बोंथा (डीडीएमएस-यांत्रिक) रांची तथा ई. अरविंद कुमार (डीडीएमएस-विद्युत) रांची ने भाग लिया।

सेल-बीएसएल टीम की ओर से अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (माइंस) आर.पी. सेल्वम ने किया। उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों में कमल भास्कर, मुख्य महाप्रबंधक (खनन) गुआ और चिरिया माइंस, एस.एस. शाह, मुख्य महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) जेजीओएम, सुधीर शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (संचालन) जेजीओएम, धीरेंद्र मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) जेजीओएम, एम.के.टी.पी. दत्ता, महाप्रबंधक (आरपीएंडई और सुरक्षा) जेजीओएम, मनोज कुमार, महाप्रबंधक (सुरक्षा) जेजीओएम और रथिन विश्वास, सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा) जेजीओएम उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, जेजीओएम के खान प्रबंधक, विभिन्न विभागाध्यक्ष, सुरक्षा अधिकारी, बोकारो इस्पात कामगार यूनियन के महासचिव श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह, अन्य यूनियन प्रतिनिधि, श्रमिक निरीक्षक और ठेकेदारों के प्रतिनिधि भी इस बैठक में शामिल हुए।

बैठक में पिछली त्रिपक्षीय बैठक में किए गए उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन और १२वें राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों को सफलतापूर्वक अपनाने पर भी प्रकाश डाला गया, जो सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डीजीएमएस और श्रमिक संघों के प्रतिनिधियों ने सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाने और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इन सुझावों को ध्यान में रखते हुए, सेल प्रबंधन ने विश्व स्तरीय सुरक्षा मानकों को लागू करने और सक्रिय सहयोग के माध्यम से प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बी.के. तिवारी ने भारतीय खनन क्षेत्र में डीजीएमएस अधिकारियों के अमूल्य योगदान और श्रमिक संघ के सहयोग की सराहना की। उन्होंने सुरक्षा मानकों को निरंतर ऊंचाई पर ले जाने के लिए सेल प्रबंधन की प्रतिबद्धता व्यक्त की और कहा कि ऐसी त्रिपक्षीय बैठकों का नियमित आयोजन सुरक्षा प्रथाओं में सुधार और सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

डीडीजी, डॉ. एस.एस. प्रसाद ने बैठक के दौरान सभी द्वारा प्रदर्शित सहयोगात्मक दृष्टिकोण की सराहना की और खनन उद्योग में सुरक्षा और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रथाओं में निरंतर सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सभी हितधारकों को झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस को सुरक्षा और उत्पादकता के क्षेत्र में एक मानक के रूप में स्थापित करने के लिए संगठित प्रयास करने का आह्वान किया।

यह बैठक झारखंड खान समूह में सुरक्षा, कल्याण और सस्टेनेबल प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के प्रति सभी हितधारकों की साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करने में सहायक रही।

शिकायत पर उपायुक्त ने लिया संज्ञान

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव ने महिला गृह रक्षक अमरावती कुमारी द्वारा कमान देने के बदले गृह रक्षक कार्यालय द्वारा अवैध राशि की मांग किए जाने की शिकायत पर संज्ञान लिया है। उपायुक्त ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित किया है। टीम सभी बिंदुओं पर जांच करते हुए उपायुक्त को प्रतिवेदन समर्पित करेगी।

जांच टीम में जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर एवं जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन शामिल हैं। वहीं, उपायुक्त के निर्देश पर जांच टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। टीम ०५ दिनों में अपना प्रतिवेदन समर्पित करेगी। महिला गृह रक्षक अमरावती देवी सैन्य संख्या-१८८० ने अपने आवेदन में झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी का कमान नहीं देने एवं कमान मांगने पर अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज एवं रूपया मांगने के संबंध में आवेदन किया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना को किया जा रहा पुनर्विकसित

हाजीपुर (ससे): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलवे के रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है।

अब तक भारतीय रेलवे पर इस योजना के तहत १३३७ स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें १५७ स्टेशन जिला मुख्यालयों में आते हैं। पूर्व मध्य रेल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत ९७ स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है।

प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान तैयार करना और विभिन्न चरणों में उनका क्रियान्वयन करना शामिल है, ताकि स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच में सुधार, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/ एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म शेड का निर्माण, साफ-सफाई, मुफ्त वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, कार्यकारी लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान आदि सुविधाओं में सुधार हो सके ।

इस योजना में भवन में सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों ओर से जोड़ना, मल्टीमॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार गिट्टी रहित ट्रैक आदि का प्रावधान, चरणबद्ध और व्यवहार्यता और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण करना शामिल है। इसके अलावा, भारतीय रेलवे पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/ पुनर्विकास एक सतत और जारी प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार किए जाते हैं, जो परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अधीन होते हैं। हालांकि, स्टेशनों के उन्नयन/ विकास/ पुनर्विकास के लिए कार्यों को मंजूरी देने और निष्पादित करते समय निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है। रेलवे परियोजनाओं का सर्वेक्षण/ स्वीकृत/ निष्पादित क्षेत्रीय रेलवे के अनुसार किया जाता है, न कि राज्य-वार, क्योंकि रेलवे की परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के पार हो सकती हैं। रेलवे परियोजनाओं को पारिश्रमिक, यातायात अनुमान, अंतिम मील कनेक्टिविटी, छूटे हुए लिंक और वैकल्पिक मार्गों, भीड़भाड़ वाली/ संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालन आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक विचारों आदि के आधार पर मंजूरी दी जाती है।

कल्याण ज्वेलर्स का उद्घाटन

गिरिडीह (ससे): शहर के कचहरी रोड में बुधवार को कल्याण ज्वेलर्स का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में फिल्मी अदाकारा करिश्मा कपूर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थी.

उद्घाटन के मौके पर करिश्मा कपूर ने ठुमके भी लगाए जिससे दर्शकों का मन मोह लिया कार्यक्रम में कल्याण ज्वेलर्स के मालिक लखीगोरीसरिया सुमन गोरीसरिया आदि मौजूद थे।

न्यायालयों में लंबित वादों से संबंधित तथ्य विवरणी ससमय कराएं उपलब्ध : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त विजया जाधव ने माननीय उच्चतम न्यायालय, माननीय उच्च न्यायालय, अवमानना वाद एवं अन्य न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा बैठक की। मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा प्रभाष दत्ता, जियाडा के क्षेत्रीय उप निदेशक मनोज कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर समेत संबंधित विभागों के पदाधिकारी, अंचलाधिकारी आदि उपस्थित थे। उपायुक्त ने क्रमवार माननीय उच्च न्यायालय, झारखंड रांची में जिले के विभिन्न विभागों/ पदाधिकारी से संबंधित लंबित वादों की जानकारी ली। विभागवार सभी मामलों के अद्यतन स्थिति पर समीक्षा किया। संबंधित पदाधिकारियों को वादों से संबंधित तथ्य विवरणी विभाग द्वारा कार्यालय को ससमय समर्पित करने का निर्देश दिया। इसमें किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

वहीं, बैठक में उपस्थित प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा प्रभाष दत्ता ने सभी अंचल पदाधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों को तथ्य विवरणी (एसओएफ) में संबंधित एनेक्सचर का उल्लेख स्पष्ट रूप से करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने विभागवार कुल १०३ लंबित मामलों की प्रगति का समीक्षा किया। जिसमें *पुलिस अधीक्षक कार्यालय से संबंधित ०३ मामले, वन प्रमंडल पदाधिकारी कार्यालय से संबंधित ०७ मामले, उप विकास आयुक्त सह सीईओ जिलापरिषद से संबंधित ०१ मामले, क्षेत्रीय निदेशक जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र से ०४ मामले, अनुमंडल पदाधिकारी चास से संबंधित ०५ मामले, भूमि सुधार उपसमाहर्ता चास से संबंधित ०१ मामले, भूमि सुधार उपसमहर्ता बेरमो (तेनुघाट) से संबंधित ०१ मामले, निदेशक परियोजना भूमि एवं पुनर्वास बोकारो से संबंधित ०३ मामले, अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम से संबंधित ०१ मामले, जिला भू अर्जन पदाधिकारी बोकारो से संबंधित ०३ मामले, विशेष भूर्जन पदाधिकारी बोकारो से संबंधित ०२ मामले, स्थापना उप समाहर्ता बोकारो से संबंधित ०२ मामले, जिला परिवहन पदाधिकारी बोकारो से संबंधित ०१ मामले, जिला शिक्षा पदाधिकारी बोकारो (नीति निर्धारण से संबंधित मामले) से संबंधित ०१ मामले, जिला शिक्षा पदाधिकारी बोकारो से संबंधित ०६ मामले, जिला शिक्षा अधीक्षक बोकारो से संबंधित ०३ मामले, जिला शिक्षा अधीक्षक बोकारो से संबंधित ०६ मामले, प्रखंड विकास पदाधिकारी चास से संबंधित ०१ मामले, प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदनकियारी से संबंधित ०२ मामले, अंचल अधिकारी चास से संबंधित १५ मामले, अंचल अधिकारी चंदनकियारी से संबंधित ०३ मामले, अंचल अधिकारी जरीडीह से संबंधित ०१ मामले, अंचल अधिकारी चंद्रपुर से संबंधित ०१ मामले, अंचल अधिकारी कसमार से संबंधित ०४ मामले, अंचल अधिकारी बेरमो से संबंधित ०३ मामले, अंचल अधिकारी पेटरवार से संबंधित ०२ मामले, अंचल अधिकारी गोमिया से संबंधित ०६ मामले, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बोकारो से संबंधित ०२ मामले, जिला खनन पदाधिकारी बोकारो से संबंधित ०७ मामले, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चंदनकियारी से संबंधित ०३ मामले, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल चास से संबंधित ०१ मामले एवं जिला समादेष्टा झारखंड गृह रक्षा वाहिनी बोकारो से संबंधित ०२ मामले शामिल थे।

उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को अपना कोर्ट लगाकर लंबित मामलों की सुनवाई का निर्देश दिया।

हत्या की जांच करने पहुंची पुलिस टीम पर हमला

गोपालगंज (ईएमएस): बिहार के गोपालगंज जिले में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक अपराधी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि पुलिस टीम चौकीदार झमेन्द्र राय की हत्या की जांच रही थी। इसी दौरान पुलिस देर रात अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने गम्हरिया गांव पहुंची थी। गोपालगंज के एसपी ने बताया कि पुलिस टीम को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी अपनी आत्म रक्षा में जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। पुलिस की फायरिंग में एक अपराधी के पैर में गोली लग गई। मुठभेड़ के बाद गोपालगंज पुलिस ने अपना इरादा साफ कर दिया है कि अब गोली का जवाब गोली से ही मिलेगा।

कार्यालय, चास नगर निगम
चास (बोकारो)

E-mail.Id:- chasmunicipalcorporation@gmail.com.
Phone No-06542-265416

-: आम सूचना :-

चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत सभी व्यवसायिकों को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 455 के अंतर्गत बिना नगरपालिका अनुज्ञप्ति के गैर आवासीय प्रयोजनों के लिए परिसरों का उपयोग नहीं किया जाना है। इस अधिनियम में इसके पश्चात यथा उपबन्धित को छोड़कर कोई व्यक्ति, नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा प्रदत्त अनुज्ञप्ति के बिना, या उसकी शर्त्तो की अनुरुपता से भिन्न गैर आवासीय प्रयोजनों के लिए, किसी परिसर का उपयोग नहीं करेगा, या उपयोग किये जाने की अनुमति नहीं देगा।

अतः उक्त के आलोक में इस आम सूचना के माध्यम से आप सभी से अनुरोध किया जाता है कि जिन व्यवसायिकों के द्वारा अब तक ट्रेड लाईसेंस प्राप्त नहीं किया गया है, वो जल्द से जल्द अपना ट्रेड लाईसेंस निगम द्वारा प्राधिकृत एजेंसी मेसर्स श्रीपब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स में आवेदन देकर प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। यदि निगम द्वारा जाँच के क्रम दुकानों का ट्रेड लाईसेंस नहीं पाया जाता है तो झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 600, 466 एवं 187 के तहत आपके दुकानों/प्रतिश्ठानों को सीलबंद करने की कार्रवाई प्रारंभ करने हेतु निगम बाध्य होगी, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेवार होंगे, तथा वैसे लाईसेंसधारी जिनके लाईसेंस की वैधता समाप्त (Expired) हो गई है वे अपना लाईसेंस नवीनीकरण (Renewal) करना सुनिश्चित करेंगे।

प्रशासक
–सह– अपर नगर आयुक्त,
चास नगर निगम

PR 341183 (Urban Development)24-25*D

कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी,गिरिडीह।
(कृषि,पशुपालन एव सहकारिता विभाग)

(Email Id- dhogiridih@gmail.com)

अतिअल्पकालीन उद्धरण सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि जिला उद्यान कार्यालय, गिरिडीह के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में चल रहे राज्य उद्यान विकास योजना की उपयोजना "प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिग " के तहत जिला –गिरिडीह शहर एवं उसके आस–पास के सटे हुए शहरों में बसे हुए परिवार के घरों के निकट खाली पड़े छोटे भू–खण्ड ,सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों की खेती हेतु बीज, फुलों, फलों तथा साज– सज्जा के पौधे एवं उपादान का क्रय हेतु पंजीकृत इच्छुक स्थानीय Service Provider / Nursery चयन के साथ समानों का दर निर्धारण हेतु दिनांक –16.12.2024 के अपराह्न 2:00 बजे तक न्यूनतम दर हेतु उद्धरण मुहरबंद निविदा बंद लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त किया जायेगा जो दिनांक – 18.12.2024 के अपराह्न 01:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में उद्धरणकर्त्ता एवं उक्त योजना अन्तर्गत नामित जिला स्तरीय गठित चार सदस्यीय समिति के समक्ष जिला उद्यान कार्यालय, गिरिडीह में खोला जायेगा। पंजीकृत इच्छुक उद्धरणकर्त्ता स्थानीय Service Provider / Nursery जिला उद्यान कार्यालय गिरिडीह से कार्यालय अवधि में दिनांक – 16.12.2024 तक उद्धरण हेतु समाग्री की सूची प्राप्त किया जा सकता हैं।

Technical Eligibility

I. Bidder must be reputed manufacturer/Authorised Dealer/ Firms/ Agency/Govt. or Non-Govt. Organisation/ Companies. (Enclose supporting documents)
ii. It should have at least one year experience in the field of gardening or land scaping or roof top/terrace horticulture. Supporting Work order/ experience certificate issued from Govt. or Non Govt. Organisation should be attached with proposal in support of experience.
iii. Registration Certificate and detailed information of nursery, firm/Company etc should be attached. The Agency must have a demonstration plot and after sale service centre in Jharkhand.
iv. The bidder should furnish a self-attested copy of PAN & GST registration with their application.
v. The bidder should furnish self-attested copy of GST return of atleast 02 (two) quarter of last 12 months.
vi. The average annual turnover of the bidder must not be less than Rs. 5.00 lakhs in any the last financial year. Details of the audited balance sheet certified by CA for the last financial year should be attached along with the application.
vii. An undertaking (self-certificate) that the bidder hasn't been blacklisted by a central/ state government institution and that there has been no litigation with any government department on account of similar services must be submitted.

नोट :– विशेष जानकारी हेतु जिला उद्यान कार्यालय, गिरिडीह से सम्पर्क किया जा सकता है ।
सम्पर्क न0– 8409757169

जिला उद्यान पदाधिकारी,
गिरिडीह

PR 341207 (Giridih) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूईफोड़ मोड़ से विनोद बिहारी चौक, बलियापुर पथ (ODR) का चौड़ीकरण कार्य किया जाना है, जिसका विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डी0पी0आर0) तैयार किया जा रहा है। प्रायः यह देखा जा रहा है कि पथ की भूमि (ROW) को अतिक्रमित करते हुए कुछ लोगों के द्वारा अवैध स्थाई/अस्थाई संरचना बनाई जा रही है, जिसे यथाशीघ्र हटा लें। अन्यथा विभाग द्वारा विधि सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

इसे अति–आवश्यक समझा जाय।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमण्डल, धनबाद

PR 341127 Road (24-25)_D

अधीक्षक का कार्यालय,
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल,धनबाद

पत्रांक :– 1649/SNMMCH — दिनांक :– 04.12.2024

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से छोटे उपकरण, सर्जिकल सामग्रियो एवं विविद्य सामग्रियों की आपूर्ति हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत निम्नांकित शर्तो के अधीन ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 19.12.2024 को संध्या 5.00 बजे तक होगी।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल,धनबाद

PR 341190 Health Med Edu and Family Welfare(24-25).D

अधीक्षक का कार्यालय,
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

पत्रांक :– 1650/SNMMCH — दिनांक :– 04.12.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत वितरक से शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में अधिष्ठापित अग्निशमन यंत्र के सिलिन्डरों के रिफिलिंग हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत दो प्रतियों में मुहरबंद अल्पकालीन निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा प्राप्त करनें की अंतिम तिथि– 19.12.2024 के संध्या 05:00 बजे तक होगी। निविदा हाथों–हाथ एवं स्पीड पोस्ट के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा करना होगा। विलम्ब से प्राप्त निविदा पर विचार नही किया जायेगा। इच्छुक संवेदक निविदा से संबंधित कागजात किसी भी कार्यदिवस में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल,धनबाद

PR 341193 Health Med Edu and Family Welfare(24-25).D

कार्यालय :–असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल, जामताड़ा।

सूचना सं0– 03 (2024–25)

अति आवश्यक सूचना

अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के सूचना संख्या– 01 (2024–25) एवं PR No- 338163 के द्वारा सदर अस्पताल, जामताड़ा के प्रयोजनार्थ दवा (Group-A)/मशीन (Group-B)/उपकरण (Group-C)/रसायन (Group-D) आपूर्ति हेतु निबंधित निर्माणकर्ता/प्रतिश्ठानों/प्राधिकृत एजेन्सियों से निर्धारित शर्तो के अधीन दिनांक 21.10.24 के अपराह्न 02:00 बजे तक मुहरबंद अल्पकालीन निविदा आमंत्रित किया गया था। अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के सूचना संख्या– 02 (2024–25)द्वारा निविदा खोलने की तिथी अपरिहार्य कारण वश स्थगित की गई थी।

एतथ द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त निविदा दिनांक 13.12.2024 को आपराहण 02:30बजे सिविल सर्जन कार्यालय जामाताड़ा के सभाकक्ष में कय समिति के सदस्यों के समक्ष खेला जायेगा। उक्त समय पर नितिदा दाता या उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,
सदर अस्पताल, जामताड़ा।

PR 341113 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25 (D)

बिहार में रैयतों के पक्ष में बड़ा निर्णय

पटना (एजेंसी): बिहार विशेष भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त के काम में आज रैयतों के पक्ष में एक बड़ा निर्णय लिया गया है. रैयतों द्वारा अपने दस्तावेजों को जमा करने यानि स्वघोषणा की तिथि ३० दिन से बढ़ाकर १८० कार्यदिवस कर दी गई है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रस्ताव 'बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली, २०२४ को आज कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है. यह संशोधन बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त नियमावली २०१२ (यथा संशोधित-२०१९) में किया गया है।

पूर्व में अधिसूचना की तिथि से ३० कार्यदिवस तक स्वघोषणा जमा करने का प्रावधान था. अब उद्घोषणा की तिथि से १८० दिनों तक अथवा काश्तकार का काम समाप्त किए जाने के पूर्व तक, दोनों में से जो पहले हो. रैयतों द्वारा स्वघोषणा जमा किया जा सकेगा. २० अगस्त, २०२४ तक बिहार के सभी जिलों में उद्घोषणा कर दी गई थी. इसके अनुसार अब मार्च, २०२५ के आखिर तक स्वघोषणा जमा करने की छूट दे दी गई है. भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त में स्वघोषणा के जरिए रैयत अपनी जमीन का ब्यौरा सर्वे कर्मियों के समक्ष उपलब्ध कराता है.

इसमें रैयत द्वारा खरीदी गई जमीन, खतियान, वंशावली एवं बंटवारा का विवरण प्रपत्र २ एवं प्रपत्र ३ (१) में भरकर या तो सर्वे शिविर में जमा किया जाता है या फिर भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है. इन कागजों से खानापुरी के समय अधिकार अभिलेख बनाने में सर्वे कर्मियों को मदद मिलती है.

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि

भू-अभिलेखों की अनुपलब्धता की वजह से आम लोग परेशान हो रहे थे. उनके द्वारा स्वघोषणा की तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया जा रहा था. जिसके मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है. उम्मीद है कि इस अवधि के दौरान अपने कागजात ठीक कर लेंगे और भूमि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे.

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने बताया कि आम लोगों की सुविधा के लिए विभाग ने कई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जिनका कैबिनेट द्वारा अनुमोदन कर दिया गया है, काश्तकार का काम जिसमें गांवों का मानचित्र बनाया जाता है को पूर्ण करने की समयावधि ३० कार्य दिवस से बढ़ाकर ९० कार्य दिवस की गई है. मौजा बड़ा होने पर यह निर्णय लेने का अधिकार बंदोबस्त पदाधिकारियों को दिया गया है.

इसी प्रकार प्रपत्र-८ में दावा/आपत्ति देने की समय अवधि भी १५ दिन से बढ़ाकर ३० दिन कर दी गई है. खानापुरी पर्चा मिलने के बाद रैयत अपनी जमीन से संबंधित ब्यौरा से असंतुष्ट होने पर प्रपत्र-८ में सर्वे शिविर में आपत्ति दर्ज करता है. सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह तय हुआ है कि सरकारी/ लोक भूमि से संबंधित दावा/ आक्षेप का निष्पादन सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी / अंचल अधिकारी / चकबंदी पदाधिकारी से अन्यून स्तर के पदाधिकारी के द्वारा नहीं किया जाएगा.

इसके साथ ही यह भी तय किया गया है कि अंतिम प्रकाशन की तिथि से ९० दिनों के भीतर कोई भी रैयत प्रपत्र २१ में एक से अधिकारियों के समक्ष आपत्ति दायर कर सकेगा और ९० दिनों की समय अवधि बीतने के बावजूद विलंब क्षांत कर एक बार और सुनवाई करने का निर्णय भी लिया गया है.

फडणवीस के शपथ ग्रहण में दिखेगी एनडीए की एकजुटता

पटना (एजेंसी): महाराष्ट्र में एनडीए के लंबे मंथन के बाद आखिरकार मुख्यमंत्री का चयन हो गया है और शपथ ग्रहण की तारीख तय हो चुकी है. ५ दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में समारोह होगा और इसमें सीएम और दो डिप्टी सीएम ही शपथ लेंगे. फडणवीस के शपथ ग्रहण में एनडीए की एकजुटता देखने को मिलेगी. जानकारी के मुताबिक, इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा कई केंद्रीय मंत्रियों और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निमंत्रण भेजा गया है. इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे.

सीएम नीतीश को पहले आज ही मुंबई जाना था, लेकिन उनके कार्यक्रम में अचानक से फेरबदल किया गया है. जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री अब कल यानी गुरुवार (५ दिसंबर) को मुंबई के लिए रवाना होंगे. बता दें कि बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा में बीजेपी विधायक दल की बैठक हुई. इस बैठक में देवेंद्र फडणवीस को नेता चुना गया है. देवेंद्र फडणवीस के विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद तय हो गया है कि वह ही महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री बन रहे हैं. सरकार में एकनाथ शिंदे का डिप्टी सीएम बनना भी तय लग रहा है. वहीं अजित पवार को भी उप-मुख्यमंत्री पद दिया जाएगा. ये तीनों नेता कल ही शपथ लेंगे.

E-Procurement cell Office of the Executive Officer
Nagar Parishad Mihijam, Jharkhand Urban Development & Housing Department

e-procurement Notice
very Short Tender notice
NIT No. 05/2024-25, Date:-04.12.2024

Sl No	E-TENDER	NAME OF WORK	TENDER VALUE	TIME OF COMPLETION	EARNEST MONEY DEPOSIT	BID DOCOMENT FEES
1	NPM/SBD/ 02/ 2024-25	मिहिजाम नगर परिषद अन्तर्गत फुटबॉल स्टेडियम निर्माण	49064100.00	12 Month	490641.00	10000.00
2	Date of Publication of tender on website			06.12.2024		
3	Closing date and time for recipt of tender on website			12.12.2024 at 11.00 AM		
4	Opening date and time of opening of technical bid			13.12.2024 at 11.00 AM		
5	Name and address of office inviting tender			Office of Executive Officer, Nagar Parishad Mihijam		
6	Helping number of e-procurement cell			91 7261817234		

NOTE : AUTHORITY RESERVES THE RIGHT TO CANCEL TENDER WITHOUT SIGHTUING ANY RESASON THEREOF FURTHER DEATAILS CAN SEEN ON WEBSITE HTTP://jharkhandtenders.gov.in

Executive Officer
Nagar Parishad Mihijam

PR 341209 Urban Development and Housing(24-25)D

कार्यालय, धनवार नगर पंचायत

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 02/2024–25

1. निविदादाता का नाम : कार्यपालक पदाधिकारी, धनवार नगर पंचायत।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि, समय एवं स्थान : दिनांक – 18.12.2024 अप0 3:00 बजे तक, धनवार नगर पंचायत।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक– 19.12.2024 अप0 2:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान : दिनांक– 19.12.2024 अप0 3:00 बजे धनवार नगर पंचायत।
5. कार्य की विवरणी :–

क्र0सं0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति अवधि
1	2	3	4	5	6
UDD/DNP/01/ 2023-24	धनवार नगर पंचायत कार्यालय का जीर्णोद्धार (रंग–रोगन, विद्युत कार्य, शौचालय, सेप्टीक टैंक) कार्य।	8,00,000/-	16000/-	5,000/-	60 दिन
UDD/DNP/02/ 2023-24	PWD रोड़ से लालजीत राय के घर तक PCC पथ निर्माण।	6,31,150 /-	12,650/-	5,000/-	60 दिन
UDD/DNP/03/ 2023-24	नीचे बाजार में पुलीया निर्माण	3,48,500 /-	7,000/-	1,000/-	45 दिन
UDD/DNP/04/ 2023-24	आसीन दुर्गा मंदिर के पास पुलीया निर्माण।	1,39,000/-	3,000/-	1,000/-	45 दिन
UDD/DNP/05/ 2023-24	शहिद चौक से लेकर अमर चौक होते हुए लाठी विश्वकर्मा के घर तक PCC पथ निर्माण।	6,24,000/-	13,000/-	5,000/-	60 दिन
UDD/DNP/06/ 2023-24	महाबीर चौकीदार के घर लेकर बिजय रविदास के घर तक PCC पथ निर्माण।	9,99,350 /-	20,000/-	5,000/-	60 दिन
UDD/DNP/07/ 2023-24	उपरैली धनवार दीपु दिवाकर के घर से लेकर Jay Kids School तक PCC निर्माण।	55,300/-	1,200/-	1,000/-	45 दिन
UDD/DNP/08/ 2023-24	उपरैली धनवार दीपु दिवाकर के घर से लेकर Jay Kids School तक नाली निर्माण।	2,48,950/-	5,000/-	1,000/-	45 दिन
UDD/DNP/09/ 2023-24	धनवार नगर पंचायत कार्यालय में Rain Water Harvesting का निर्माण।	1,50,000/-	3,000/-	1,000/-	45 दिन

(नोट : नियम एवं शर्ते धनवार नगर पंचायत कार्यालय के सूचना पट्ट पर पर देखा जा सकता है।)

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
धनवार नगर पंचायत

PR 341166 Giridih(24-25).D

यूपी के प्राचीन वैभव को पुनर्स्थापित कर रहे हैं सीएम योगी : नरेंद्र सिंह

गोरखपुर (ईएमएस): मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि एक समय वह भी आ गया था जब उत्तर प्रदेश में कोई आने को तैयार नहीं था। पर, योगी आदित्यनाथ ने जबसे मुख्यमंत्री के रूप में यहां कमान संभाली है तबसे यूपी का प्राचीन वैभव पुनर्स्थापित होने लगा है। कानून व्यवस्था की बात हो, निवेश लाने की, स्वास्थ्य क्षेत्र की सुदृढ़ता, गरीबी उन्मूलन या फिर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने हर दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ाए हैं।

श्री तोमर बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के ९२वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ से

वह कई भूमिकाओं में मिलते रहे हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में वह भक्तियोग का मार्ग दिखाते हैं तो उसी के समानांतर राजनेता के रूप में कर्मयोग का भी रास्ता बताते हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में उनकी अपनी जो साधना है वो तो प्रेरणादायी है ही, कर्मयोग के मार्ग पर चलते हुए एक राजनेता, सांसद व मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जो काम किया है, उनकी जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है।

उन्होंने भगवान गोरखनाथ की धरा पर आगमन का आमंत्रण पाने के लिए खुद को सौभाग्यशाली बताया। श्री तोमर ने गोरक्षपीठ के प्रकल्प महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के व्यापक लोक सरोकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई भी आध्यात्मिक संस्था, पीठ या मठ सामान्यतः भक्ति योग की प्रेरणा देती है। पर, गोरक्षपीठ एक ऐसी संस्था है जो भक्तियोग के साथ कर्मयोग में रत होकर, इसकी प्रेरणा देकर नागरिकों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। इस परिप्रेक्ष्य में गोरक्षपीठ और इसकी संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समूचे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि कोई संस्था शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है तो कोई तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में। पर, बात जब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की आती है तो हमारा ध्यान सर्वांगीण विकास और लोक कल्याण के परम वैभव की समग्र योजना की तरफ जाता है।

रेल पुलिस अधीक्षक का कार्यालय धनबाद

प्रेस विज्ञप्ति
अज्ञात मृतक महिला

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अज्ञात मृतक महिला उम्र करीब 60 वर्ष की ट्रेन दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, जिसका पोस्टमार्टम उपरान्त पहचान हेतु 72 घंटे तक शीत गृह में रखा गया तथा उक्त मृतक महिला का फोटो दिखाते हुये पहचान कराने का हर संभव प्रयास किया गया परन्तु अब तक पहचान नहीं हो सका है। अज्ञात मृतक महिला का हुलिया–उम्र करीब 60 वर्श, उँचाई–लगभग 4 फीट, 06 ईंच, रंग–गेहुँआ, बाल–अद्ध पका, पहनावा–ब्लू रंग का साड़ी, कत्था रंग का ब्लाउज एवं ब्लू रंग का पेटिकोट पहनी हुई। इस संबंध में रेल थाना साहेबगंज यू0डी0 काण्ड सं0–09/24, दिनांक–08.11.2024 अंकित किया गया है। उपरोक्त अज्ञात मृतक महिला के शव का पता नहीं चल पा रहा है।

अतः अनुरोध है कि अज्ञात मृतक महिला के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो तो निम्नलिखित पदाधिकारियों के मोबाईल नम्बर पर सूचना दे।

पुलिस अधीक्षक, रेल धनबाद– 9431706117
पुलिस उपाधीक्षक(द्वितीय), रेल धनबाद–7033619661
रेल थाना प्रभारी, साहेबगंज–8709617462
प्रभारी डी0सी0बी0 भाखा, रेल धनबाद–8340713828

ह0/–
पुलिस अधीक्षक, रेल धनबाद

PR 341162 (Police)24-25*D

रेल पुलिस अधीक्षक का कार्यालय धनबाद।

प्रेस विज्ञप्ति

लापता व्यक्ति राजीव कुमार सिंह उर्फ गुड्डु सिंह

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय रेल थाना चन्द्रपुरा काण्ड सं0–13/2023, दिनांक–31.10.2023 धारा–363 भा0द0वि0 में लापता व्यक्ति राजीव कुमार सिंह उर्फ गुड्डु सिंह उम्र–50 वर्श, पिता–स्व0 अर्जुन सिंह, पता–बौधी छपरा, थाना–अवतार नगर, जिला–सारण, बिहार (जो मानसिक रूप से विछिप्त थे) अपने गाँव के ही अखिलेश्वर साह के साथ दिनांक–23.11.2022 को मेन्टल अस्पताल राँची से ईलाज करा मौर्या एक्स0 ट्रेन के जनरल बोगी में सवार होकर राँची से दिघवारा तक यात्रा कर रहे थे। ट्रेन जब चन्द्रपुरा स्टेशन पर रूकी तो अखिलेश्वर साह पानी लेने ट्रेन से नीचे उतरे तथा पानी लेकर ट्रेन में चढ़े तो देखे कि राजीव कुमार सिंह उर्फ गुड्डु सिंह अपने सीट पर नहीं थे। बोगी में काफी खोजबीन किये परन्तु उनका का पता नहीं चला। **लापता व्यक्ति का हुलिया–उम्र लगभग 50 वर्श, लंबाई–05 फीट 06 इंच, कद काठी मध्यम, बाल–कुछ काला तथा कुछ सफेद, मुँछ–छोटा, दाढी–सेब, पहनावा–काला रंग का पेन्ट, उजला स्वेटर, भाशा–भोजपुरी एवं हिन्दी।** उक्त लापता व्यक्ति का पता नहीं चल पा रहा है।

अतः अनुरोध है कि लापता व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो तो निम्नलिखित पदाधिकारियों के मोबाईल नम्बर पर सूचना देने की कृपा करेंगें।

पुलिस अधीक्षक, रेल धनबाद– 9431706117
पुलिस उपाधीक्षक(प्रथम), रेल धनबाद–7033619661
थाना प्रभारी, रेल थाना चन्द्रपुरा–8580239270
प्रभारी, डी0सी0बी0 भाखा, रेल धनबाद–8340713828

ह0/–
पुलिस अधीक्षक, रेल धनबाद।

PR 341158 (Police) 24-25 (D)

11 जनवरी को होगा राम मंदिर की पहली मंजिल का उद्घाटन

अयोध्या,(ईएमएस): अयोध्या में जनवरी २०२५ में राम दरबार की औपचारिक प्राण प्रतिष्ठा होगी, जिसमें भगवान राम, माता सीता, हनुमान, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न की ४.५ फुट ऊंची मूर्तियां शामिल होंगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण जुलाई २०२५ तक पूरा हो जाएगा। ७० एकड़ के राम जन्मभूमि परिसर में १८ अन्य मंदिरों के निर्माण के लिए मार्च से अगस्त २०२५ तक की समय-सीमा तय की गई है। ट्रस्ट के एक सदस्य ने कहा कि राम मंदिर का भूतल बनकर तैयार है और पहली और दूसरी मंजिल का काम जारी है। ट्रस्ट की योजना राम मंदिर के उद्घाटन की पहली वर्षगांठ के साथ ११ जनवरी, २०२५ को राम मंदिर की पहली मंजिल का उद्घाटन करने की है।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने मंदिर निर्माण कार्य में हो रही देरी के बारे में कहा कि हमारा लक्ष्य मार्च २०२५ तक सब कुछ पूरा करने का था लेकिन अभी काम पूरा होने में कुछ और समय लगेगा।

उन्होंने बताया कि इंजीनियर कह रहे हैं कि अगर ज्यादा दबाव डालेंगे तो निर्माण की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। इस मंदिर का निर्माण इंजीनियरिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कर रही हैं। मंदिर निर्माण का ६० फीसदी काम पूरा हो चुका है। निर्माण की समीक्षा में पाया गया कि मंदिर में नीचे के चबूतरे पर जहां राम कथा के चित्र लगाए जाने हैं, उसे अंतिम रूप देने में थोड़ी कठिनाई है। हम भित्ति चित्र नहीं काट सकते, उसमें कथा की निरंतरता होनी चाहिए। इसलिए इसमें काफी समय लगा, हमारे कलाकारों ने कुछ तरीके सुझाए हैं।

मंदिर के ग्राउंड फ्लोर की दीवारों और स्तंभों पर बनने वाली मूर्तियों की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन मूर्तियों में राम कथा के प्रसंग और महाबली हनुमान की मूर्तियां हैं। पहली बार निर्माणाधीन शिखर की तस्वीर भी सामने आई हैं। मंदिर की दीवारों और खम्भों पर बन रही मूर्तियां सुंदर हैं। राम मंदिर को भव्य बनाने के साथ ही दीवारों और स्तंभों के आर्टवर्क और मूर्तियों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

यूपी में सरकारी संस्थानों व निगमों पर 32 करोड़ बकाया

लखनऊ,(ईएमएस): यूपी में स्टेट गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स की चोरी का मामला सामने आया है। राज्य कर विभाग की आंतरिक रिपोर्ट में करीब ३२,००० करोड़ रुपए का जीएसटी बकाया कई सरकारी और अर्द्ध सरकारी संस्थानों, निगमों और अन्य नियंत्रक संस्थानों में फंसा हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबक बकाया में ४० फीसदी से ज्यादा राशि सरकारी और अर्द्ध सरकारी संस्थानों, निगमों और सरकारी नियंत्रकों पर है। करीब १,१०० करोड़ रुपए की वसूली को असंभव मानते हुए इसे बट्टा खाते में डालने की तैयारी है। ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर २१४ करोड़ रुपए का बकाया है, जो चार साल में तीन गुना बढ़ गया है। वहीं ५,८०० करोड़ रुपए की राशि कानूनी और प्रशासनिक स्थगन के चलते रुकी हुई है। बकाया मांग में ३,००० करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है और कुल बकाया ५,००० करोड़ रुपए बढ़ गया है।

पेपर लीक मामले में 36 लोगों को भेजा गया जेल

पटना (एजेंसी): बिहार में सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी की परीक्षा का पेपर लीक मामले में बिहार पुलिस की एसआईटी लगातार छापेमारी कर रही है. पुलिस ने इस मामले में अबतक ३६ लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है. जबकि आर्थिक अपराध इकाई एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. इस मामले में पकड़े गए ३७ लोगों में ५ महिलाएं भी शामिल हैं. बता दें कि बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति ने पेपर लीक होने की आशंका पर परीक्षा रद्द कर दी थी. समिति ने सोमवार (०२ दिसंबर) को प्रेस रिलीज जारी करके इसकी घोषणा की थी. समिति ने कहा था कि परीक्षा की नई तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी.

पटना पुलिस को पेपर लीक होने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद पुलिस की एक टीम ने रविवार (१ दिसंबर) को एक साथ १२ ऑनलाइन केंद्रों पर छापेमारी की थी. इस दौरान पुलिस को परीक्षा के लिए बनाए गए ऑनलाइन सेंटर्स पर गड़बड़ी के कई साक्ष्य के मिले थे. इसी वजह से इस परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया था. पुलिस ने पेपर लीक के संदेह पर दो परीक्षा सेंटरों को सील भी किया था. अब समिति की ओर से उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी तरह की लेटेस्ट अपडेट के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाकर रखें.

वहीं बिहार में एक और पेपर लीक होने पर नेता-प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं. तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार के संरक्षण में पेपर लीक माफिया सक्रिय हैं, जो हर बड़ी परीक्षा में गड़बड़ी कर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं. तेजस्वी ने कहा कि राज्य में हो रही अधिकतर परीक्षाओं के पेपर लीक के तार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले से जुड़े रहते हैं. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कभी इन घटनाओं पर खुलकर बोलते क्यों नहीं हैं?

बिहार पुलिस कांस्टेबल भर्ती में बड़ा अपडेट

पटना (एजेंसी): बिहार पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में पास हुए उम्मीदवारों का ९ दिसंबर को फिजिकल टेस्ट और डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन होगा. यह परीक्षा १० मार्च २०२५ तक शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च विद्यालय (पटना हाई स्कूल) गर्दनीबाग में सुबह सात बजे से आयोजित की जाएगी. परीक्षा के दिन ही अभ्यर्थियों के दस्तावेज का सत्यापन होगा,

इसके लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा. इसको लेकर अभ्यर्थी काफी परेशान हो रहे हैं. क्वालीफाई करने वाले ज्यादातर अभ्यर्थियों का कहना है कि उनके पास पूर्व का सर्टिफिकेट नहीं है. ऐसी स्थिति में शारीरिक दक्षता परीक्षा से वंचित होने के अतिरिक्त उनके पास कोई विकल्प नहीं है.

अभ्यर्थियों की परेशानी को देखते हुए केंद्रीय चयन पर्षद ने एक सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक ०९.१२.२०२४ से आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं दस्तावेज सत्यापन में उक्त आरक्षण कोटि के अभ्यर्थियों को उक्त प्रमाण पत्रों की काल अवधि अथवा निर्गम तिथि के आधार पर अयोग्य/ असफल घोषित नहीं किया जायेगा.

इस पर निर्णय विभाग से प्राप्त निदेश के आलोक में लिया जाएगा. बता दें कि बिहार पुलिस कांस्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा में १ लाख ६० हजार अभ्यर्थी पास हुए हैं. अब ये अभ्यर्थी फिजिकल टेस्ट और डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन में शामिल होंगे.

केंद्रीय चयन पर्षद की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कार्यक्रम के अनुसार ही अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होंगे. प्रत्येक दिन १६०० पुरुष एवं १४०० महिला अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिलेगा. वहीं अभ्यर्थियों को अपने शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होने, गर्भवती नहीं होने, किसी तरह के उत्तेजक, मादक, प्रतिबंधित दवाओं का सेवन नहीं करने का घोषणा पत्र भी देना होगा.

माहौल बिगाड़ना चाहती हैं सपा-कांग्रेसः मंत्री अग्रवाल

लखनऊ(ईएमएस) : संभल को लेकर सियासत जारी है और बयानबाजी भी। उप्र में योगी कैबिनेट के मंत्री नितिन अग्रवाल ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बुधवार को संभल दौरे राजनीतिक पर्यटन बताया है। उन्होंने कहा कि संभल में सामान्य हो रही स्थिति को कांग्रेस और सपा के नेता बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने संभल जाने की घोषणा की है, मुझे लगता है कि वे वहां जाकर शांति व्यवस्था जो बहाल हुई है उसे बिगाड़ने व अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

बता दें, संभल में हुए बवाल के दौरान मारे गए लोगों से मिलने के लिए राहुल गांधी के बुधवार को संभल जाने की आशंका है। उनके आने की खबर के बाद पुलिस प्रशासन भी सतर्क हो गया है। इस बारे में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि जिले की सीमाओं पर चौकसी को बढ़ा दिया गया है, क्योंकि १० दिसंबर तक किसी भी बाहरी व्यक्ति के संभल में आने पर रोक है। कोई भी नेता अगर कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करेगा या माहौल खराब करने का प्रयास करेगा तो हमारी सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। नितिन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी व उसके नेता जहां भी इस तरह की घटना होती है केवल राजनीतिक पर्यटन के लिए जाते हैं। संभल जामा मस्जिद का सर्वे कोर्ट के आदेश पर हो रहा था।

बिहार पुलिस के ऑपरेशन क्लीन से अपराधियों में फैली दहशत

मोतिहारी,(ईएमएस): बिहार में नीतीश सरकार अपराधियों पर लगाम कसने का प्रयास कर रही है। इसके तहत पूर्वी चंपारण पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसने ऑपरेशन क्लीन अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान का असर अब अपराधियों में दिखने भी लगा है। आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले ३० दिनों में २६ इनामी बदमाशों ने कोर्ट में सरेंडर कर किया है, जबकि २८ इनामी अपराधियों की गिरफ्तरी हुई है।

जिला पुलिस द्वारा फरार अपराधियों को चेतावनी भी दी गई है। सरेंडर नहीं करने वाले अपराधियों की संपत्ति को पुलिस कोर्ट के आदेश के बाद कुर्की या जब्ती की कार्रवाई भी कर रही है। मोतिहारी एसपी ने बीते नवंबर में जिलेभर के २१७ अपराधियों पर इनाम घोषित किया था। इनमें हत्या, लूट, डकैती, दुष्कर्म, दहेज हत्या, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास जैसे जघन्य वारदात में संलिप्त अपराधियों की सूची शामिल थी। इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने अभियान का नाम ऑपरेशन क्लीन रखा था।

जिलेभर के थानों की पुलिस के अलावा डीआईयू और एसटीएफ को इसकी सूची सौंपी गई और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एसपी ने कहा कि फरार अपराधी, जिनके यहां पुलिस द्वारा कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जा चुकी है, उनकी संपत्ति का आकलन कराकर जब्त करने की कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस का यह कदम अपराधियों को कानून के सामने सरेंडर करने के लिए मजबूर करने के साथ ही यह संदेश भी देता है कि अपराध से कमाई संपत्ति सुरक्षित नहीं रहेगी। मोतिहारी पुलिस इस सक्रियता से जिले में अपराधियों के बीच खलबली मच गई है और अपराधियों के सरेंडर करने की संख्या बढ़ रही है। एसपी कहते हैं कि पुलिस के इस अभियान का परिणाम है कि जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। लोग अब पुलिस के साथ सहयोग करने को तत्पर हैं और पुलिस को सूचना देने में भी आगे आ रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप अपराधियों को पकड़ने में मदद मिल रही है।

उन्होंने दावा किया कि मोतिहारी पुलिस का ऑपरेशन क्लीन अभियान न केवल अपराधियों के लिए एक चेतावनी है, बल्कि बिहार पुलिस अब अपराधियों को उनकी करतूतों के लिए कड़ी सजा दिलवाने के लिए पूरी तरह सक्रिय है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान से न केवल मोतिहारी में बल्कि पूरे बिहार में अपराध की दर में कमी लाई जा सकती है।

बिहार सरकार ने सरकारी विद्यालयों में परीक्षा सिस्टम बदला

पटना (एजेंसी): बिहार के सरकारी विद्यालयों के परीक्षा सिस्टम में बदलाव किया गया है, इस बात की जानकारी शिक्षा विभाग ने प्रेस रिलीज जारी कर दी. शिक्षा विभाग ने रिलीज में लिखा कि बिहार सरकार ने सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में क्लास १ टू १२ तक परीक्षा सिस्टम में बदलाव किया है.... मासिक एग्जाम को खत्म कर दिया गया है.... कैलेंडर वर्ष २०२५ से त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक और वार्षिक परीक्षा ली जाएगी. सरकार ने मंथली एग्जाम को खत्म करके अब वीकली टेस्ट की प्रक्रिया लागू कर दी है. अब कक्षा १ से १२वीं तक वीकली टेस्ट हुआ करेगा. हर सोमवार को छात्रों का टेस्ट लिया जाएगा.

इतना ही नहीं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र कक्षा १ से ८वीं तक की परीक्षा लेगी. वहीं ९वीं से १२वीं तक की परीक्षाओं का आयोजन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति करेगी. इसके लिए टाइम टेबल जारी किया जाएगा. पहले की तरह इंटरनल असेसमेंट का आयोजन होगा और इसका रिजल्ट छात्रों व उनके पैरेंट्स के साथ शेयर किया जाएगा. बिहार विद्यालय समिति द्वारा कक्षा ९वीं और १२वीं के लिए परीक्षाएं, प्रैक्टिकल परीक्षाएं, सेंटअप, कक्षा १०वीं एवं १२वीं की बोर्ड परीक्षाएं पहले की तरह रहेंगी.

पुलिस के खुलासे पर भड़के पप्पू यादव

पटना (एजेंसी): बिहार के बाहुबली नेता और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को बार-बार जान से मारने की धमकी दिए जाने पर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है. पूर्णिया एसपी कार्तिकेय शर्मा के अनुसार, सांसद पप्पू यादव को सुरक्षा दिलाने के लिए सांसद के ही कुछ करीबी लोगों ने ये पूरा षड़यंत्र रचा है. सांसद के लोगों द्वारा ही लोगों को पैसे देकर धमकियां दिलवाई गईं थीं. इस खुलासे पर पप्पू यादव ने भड़क उठे और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा है कि यदि पैसे देकर धमकी दिलाई गई है, तो पुलिस को इसका खुलासा करना चाहिए.

पप्पू यादव ने यह भी कहा है कि पुलिस उनकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है. पूर्णिया सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर मुख्यमंत्री को टेक करते हुए लिखा कि माननीय नीतीश कुमार आपकी पुलिस मानसिक रूप से दिवालिया हो गई है. यह वही व्यवहार कर रही है जो दिवंगत कांग्रेस विधायक हेमंत शाही जी को गोली लगने पर तत्कालीन सरकार और प्रशासन ने किया था. उन्होंने पूछा कि पुलिस किसके इशारे पर मेरी सुरक्षा से खेल रही है. बता दें कि पूर्णिया एसपी कार्तिकेय शर्मा ने बिहार के भोजपुर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है.

पुलिस ने ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया

आगरा (ईएमएस): आगरा पुलिस ने ११० करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। इस गैंग के पांच शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गैंग भारत के साथ ही दक्षिण एशियाई देशों और यूएई का भी निशाना बनाते थे। इनका धंधा था लोगों को इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगना। आगरा के रहने वाले विनय आहूजा का केस ४ अक्टूबर, २०२४ को साइबर सैल थाने में दर्ज हुआ था। साइबर फ्रॉड करने वाले गैंग के सदस्यों ने इसके पूरे गैर कानूनी प्रयोग को खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वे लोगों को धोखे से इन्वेस्टमेंट करवाकर ठगते थे। यह गैंग अब गिरफ्तार हो चुका है और उनके साथ से बहुत सारी चीजें बरामद की गई हैं। पुलिस का कहना है कि अन्य सदस्यों को भी जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। सभी बैंक अकाउंट को सीज कर दिया गया है। अब चौंकाने वाली जानकारी यह है कि इस गैंग ने विवेचना के दौरान २३९ ट्रांजेक्शन करके लगभग ११० करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं। इनके पास अनेक फर्जी बैंक अकाउंट भी थे जिनमें पैसा ट्रांसफर होता था। पुलिस अधिकारी ने इस मामले पर कहा कि यह घटना साइबर थाने में दर्ज हुई और अब सामने आई चौंकाने वाली जानकारी है। इन लोगों ने अपनी घटनाओं से ११० करोड़ रुपये का फ्रॉड किया है। पुलिस इस मामले में गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में है। आरोपियों के पास से ८५ बैंक खातों की डिटेल मिली है। जब इन बैंक खातों को साइबर पोर्टल पर रन कराया गया तो हैरान करने वाली जानकारी सामने आई। कुल २३९ ठगी की घटनाओं का पैसा इनके खातों में आया है। अनुमान के मुताबिक ११० करोड़ रुपये का फ्रॉड इन लोगों ने किया है।

महाकुंभ की टेंट सिटी किसी सुपर डीलक्स होटल से नहीं होगी कम

प्रयागराज (ईएमएस) : प्रयागराज महाकुंभ २०२५ में आने वाले करोड़ों भक्तों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर योगी सरकार महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-२० (अरैल) में २,००० से ज्यादा स्विस कॉटिज बेस्ड टेंट्स की स्थापना कर रही है। इन टेंट्स में ठहरने वाले लोगों की सुविधा के लिए विला टेंट्स को ९०० स्क्वेयर फीट, सुपर डीलक्स टेंट्स को ४८० से ५८० स्क्वेयर फीट तथा डीलक्स ब्लॉक्स की स्थापना २५० से ४०० स्क्वेयर फीट के क्षेत्र में बनाया जा रहा है।

इन टेंट्स में एसी, डबल बेड, मैट्रेस, सोफा सेट, कस्टमाइज्ड इंटीरियर्स, राइटिंग डेस्क, इलेक्ट्रिक गीजर, फायर एक्सटिंगुइशर्स, रजाई, ब्लैंकेट, मॉस्किटो नेट, वाईफाई, डाइनिंग एरिया व कॉमन सिटिंग एरिया जैसी सुविधाएं उपलब्ध होगी, जो नदी किनारे सुखद पर्यावरणीय दृष्यों के अवलोकन का अनुभव प्रदान करेंगे।

वहीं, इनके पैकेज में योग, कल्चरल इवेंट्स व प्रयागराज से जुड़ी अन्य प्रमुख स्थलों व धार्मिक महत्व के क्षेत्रों की जानकारी उपलब्ध कराना भी सम्मिलित होगा। यह सुपर डीलक्स टेंट विला, महाराजा, स्विस कॉटिज व डॉर्मेटरी फॉर्मेट में उपलब्ध रहेंगी, जिनका प्राइसिंग १,५०० से ३५,००० के बीच प्रतिदिन के हिसाब से तय रहेंगी। वहीं, डॉर्मेटरी के अलावा ४,००० से ८,००० का शुल्क अतिरिक्त व्यक्ति के ठहरने पर देना होगा। यूपीएसटीडीसी द्वारा जो टेंट सिटी स्थापित की जा रही है, वह सीएम योगी के विजन के अनुरूप तैयार की जा रही है। अनुमान है कि महाकुंभ २०२५ में ७५ देशों के ४५ करोड़ से अधिक विजिटर्स आ सकते हैं, ऐसे में उन्हें वर्ल्ड क्लास अकॉमोडेशन फैसिलिटी उपलब्ध कराने के लिए १ जनवरी से ५ मार्च की समयावधि के बीच इन टेंट्स का संचालन किया जाएगा। इन टेंट्स को यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट और महाकुंभ ऐप के जरिए भी बुक किया जा सकता है। इन टेंटों की स्थापना उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (यूपीएसटीडीसी) द्वारा किया जा रहा है और ६ पार्टनर्स के साथ मिलकर विभिन्न टेंट ब्लॉक्स की स्थापना कर रहे हैं। इनमें आगमन, कुंभ कैम्प इंडिया, ऋषिकुल कुंभ कॉटेज, कुंभ विलेज, कुंभ कैनवास व एरा प्रमुख हैं।

अपनी संस्कृति को लेकर भारतवंशियों के उत्साह से अभिभूत हूंः मैथिली ठाकुर

मेलबर्न (एजेंसी): आस्ट्रेलिया में पहली बार कार्यक्रम पेश करने वाली लोक गायिका मैथिली ठाकुर अपने कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ को देखकर हैरान रह गईं. उन्होंने इस मौके पर कहा कि विदेशों में अपनी संस्कृति को लेकर भारतवंशियों का उत्साह उनके आत्मविश्वास को दोगुना कर देता है. बिहार के मधुबनी की रहने वाली मैथिली ने आस्ट्रेलिया के फेडरेशन स्क्वेयर पर 'आलवेज लाइव' संस्था के एक कार्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं में गीत सुनाये और हजारों की संख्या में उमड़े प्रशंसक उनके गीतों पर झूमे. दुनिया भर में परफार्म करने वाली मैथिली का आस्ट्रेलिया में यह पहला कार्यक्रम था.

भारतीय वाणिज्य दूतावास में दिए एक इंटरव्यू में मैथिली ने कहा, 'मैं जहां भी जाती हूं, भारतीय संगीत का प्रतिनिधित्व करती हूं. मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वेयर पर भारत की विभिन्न भाषाओं और भजन, सूफी जैसी अलग अलग शैलियों में गाया. मैंने सोचा नहीं था कि मेलबर्न में इतनी संख्या में लोग सुनने के लिये आएंगे.' छह वर्ष की उम्र से अपने दादा और पिता से मैथिली लोक संगीत, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत, हारमोनियम और तबले की तालीम लेने वाली २४ वर्षीय इस कलाकार ने कहा, 'जब मैं भारतवंशियों से भारत के बाहर मिलती हूं तो अपनी संस्कृति को लेकर उनके भीतर अधिक उत्साह देखने को मिलता है. बिल्कुल वैसा ही है कि जब घर से दूर होते हैं तो घर की याद ज्यादा आती है .

मैथिली ने कहा, यहां मुझे सुनने के लिये बिहार, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल पदेश, महाराष्ट्र सभी राज्यों के लोग थे और मैंने सभी भाषाओं में गाया. संगीत के प्रति अपने रूझान के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि बचपन से वह लोक गायिका शारदा सिन्हा को सुनती आई हैं जिनका उन पर प्रभाव रहा है. उन्होंने कहा, 'मैं शारदा जी से ज्यादा मिली तो नहीं हूं लेकिन लोकगीत बचपन से सुन रही हूं. मेरे पापा चाहते थे कि मैं अच्छा संगीत सुनूं और यह क्रम शारदा जी के गीतों से ही शुरू हुआ. छठ पूजा का तो पर्यायवाची शारदाजी का नाम है, क्योंकि उनके गीतों से ही छठ शुरू होती है और खत्म होती है.' मैथिली ने कहा, बिहार में महिला सशक्तिकरण की बात करें तो शारदाजी एक मिसाल हैं. शारदा सिन्हा का पिछले महीने ही निधन हुआ है. मैथिली का मानना है कि लोक संगीत को सहेजने और उसके प्रचार के लिये सामूहिक प्रयास करने जरूरी है. उन्होंने कहा, सामूहिक प्रयास करें तो लोकगीतों का प्रसार तेजी से होगा. मैंने जब शुरू किया था तो मेरे पास कोई रोल मॉडल नहीं था कि उसी की तरह काम करना है. मुझे अपना रास्ता खुद बनाना पड़ा और डर भी था कि कहीं गलत तो नहीं हूं क्योंकि उस समय बॉलीवुड पार्श्वगायन का भी विकल्प था.

उन्होंने कहा, मेरे पास कई अच्छे मौके थे लेकिन एक फैसला लेना था और मैंने तय किया कि लोक संगीत को जीवन समर्पित करना है. मैथिली ने कहा, ऐसा नहीं है कि बॉलीवुड के दरवाजे बंद हो गए हैं लेकिन मेरा मन लोक संगीत में ही रमता है. अभी मैंने 'औरों में कहां दम था' फिल्म में गाना गाया है जिसके बोल बहुत अच्छे थे और संगीत भी, लेकिन बॉलीवुड में नहीं गाने से मुझे ऐसा कभी नहीं लगता कि कुछ छूट रहा है. अपने अब तक के सफर के बारे में इस युवा कलाकार ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि लोक गीतों के जरिये मेलबर्न या लंदन तक पहुंच जाऊंगी. मैं भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोचती लेकिन हमेशा संगीत की साधना करना चाहती हूं.

उदीयमान कलाकारों को क्या संदेश देना चाहेंगी, इस सवाल पर मैथिली बोलीं, यही कि अपने सपने के लिये खुद ही लड़ना पड़ता है, समाज से भी. शुरुआत में कोई साथ नहीं होता लेकिन आप सफल हो जाते हैं तो समाज आपसे जुड़ जाता है जिससे और मजबूती मिलती है. अगर परिवार का साथ है तो आप हर बाधा पार कर सकते हैं. बस सपने देखना नहीं छोड़ना है और हार नहीं माननी है.

शहरी क्षेत्र में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए टास्क फोर्स के गठन को लेकर डीसी ने बैठक की

रांची (एजेंसी): रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने बुधवार को समाहरणालय में शहरी क्षेत्र में विभिन्न जल स्रोतों के संरक्षण हेतु अतिक्रमण मुक्त एवं प्रदूषण मुक्त कराने हेतु टास्क फोर्स का गठन से संबंधित बैठक आयोजित की. बैठक में एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता एवं एसडीओ उत्कर्ष कुमार, अपर नगर प्रशासक रांची (नगर निगम रांची) संजय कुमार, उप समाहर्ता सह प्रभारी जिला विधि शाखा रांची संजय कुमार उपस्थित थे.

जल स्रोतों के आस-पास अतिक्रमण हटाने का निर्देश

डीसी ने सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को विभिन्न जल स्रोतों के आस-पास अतिक्रमण हटाने एवं प्रदूषण को रोकने के लिए कई आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि शहरी क्षेत्र के सभी जल स्रोतों की उनके मूल नक्शा के आधार पर उनका आकार चिन्हित करते हुए जल क्षेत्र की भूमि तथा के आसपास की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, झारखंड भवन उप विधि का उल्लंघन कर बनाये गये अवैध निर्माण को चिन्हित करने को कहा गया.

अतिक्रमण मुक्त कराये गये क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन किया जाये

अतिक्रमण मुक्त कराये गये क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन किया जाये ताकि दोबारा इस क्षेत्र पर अतिक्रमण होने पर आसानी से इसे चिन्हित किया जा सके एवं इसे अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं नगर प्रबंधक की व्यक्तिगत जवाब देने निर्धारित की जाये. इनके द्वारा ऐसे क्षेत्रों का नियमित अंतराल पर निरीक्षण किया जाये एवं अधिग्रहण की स्थिति ये जाने पर तत्काल संबंधित वरीय पदाधिकारी को रिपोर्ट करने को कहा.

डीसी ने सभी सम्बंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहाकि शहरी क्षेत्र में विभिन्न जल स्रोतों के संरक्षण हेतु अतिक्रमण मुक्त एवं प्रदूषण मुक्त कराने के लिए सभी सम्बंधित जगह से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया जिसमें भूसूर नदी, हिनू, कांके डैम एवं सभी जगह जहां अतिक्रमण हैं वहां पर कार्रवाई करें.

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के पिता के श्रामकर्म में शामिल हुए सीएम

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव के दिवंगत पिता और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश स्वर्गीय एम जगन्नाथ राव के श्राद्ध कर्म में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी. कहा कि मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवार को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे. वहीं सीएम ने ट्वीट कर शोषकों और अत्याचारियों के खिलाफ विद्रोह करने वाले, जल-जंगल-जमीन के रक्षक, महान आदिवासी योद्धा जननायक टंट्या भील के शहादत दिवस पर उन्हें याद किया. साथ ही अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक देश के वीर जांबाज नौ सैनिकों और उनके परिवारजनों समेत समस्त देशवासियों को भारतीय नौसेना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं.

बाबूलाल की हेमंत सरकार से मांग, विशेष शिविर लगाकर भरवायें मंईयां योजना के फॉर्म

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंईयां सम्मान योजना में व्याप्त लापरवाही की ओर हेमंत सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा कि पिछले दो दिनों से धनवार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर रहा हूं.

इस दौरान धनवार प्रखंड के कोड़ाडीह, जगदीशपुर समेत एक दर्जन से भी ज्यादा गांवों की अधिसंख्य महिलाओं ने अपनी समस्याओं को साझा किया. अधिकांश महिलाओं ने बताया कि वे मंईयां सम्मान योजना के लाभ से अब तक वंचित हैं.

कई पात्र महिलाओं के फॉर्म भरे ही नहीं गये हैं, जिसके कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पाया है. मंईयां

योजना के भुगतान में भी भारी लापरवाही बरती जा रही है.

राशन वितरण में भी भारी अनियमितता की मिली हैं शिकायतें

बाबूवलाल ने आगे कहा कि वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन भी कई महीनों से लंबित है. राशन वितरण में भी भारी अनियमितता की शिकायतें मिली हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध है कि धनवार विधानसभा क्षेत्र समेत राज्य के दूसरे इलाकों में भी विशेष शिविर का आयोजन कर मंईयां सम्मान योजना से वंचित सभी महिलाओं के फॉर्म भरवायें और उन्हें योजना का भुगतान ससमय प्रदान किया जाये.

इसके साथ ही, लंबित पेंशन और राशन का अद्यतन भुगतान सुनिश्चित किया जाये ताकि महिलाओं को अपनी बुनियादी जरुरतों के लिए परेशान ना होना पड़े. इस काम में आपको जहां कहीं भी उनकी या भाजपा कार्यकर्ताओं के सहयोग की जरुरत होगी, हम सभी हाजिर रहेंगे.

सर्जना चौक के पास बिल्डिंग में लगी भीषण आग

रांची (एजेंसी): मेन रोड के सर्जना चौक स्थित लालजी हीरजी रोड में एक बिल्डिंग में भीषण आग लग गयी है. अगलगी की घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया है. घटना की सूचना पाकर पुलिस ने इसकी जानकारी अग्निशमन विभाग को दी. मौके पर अग्निशमन वाहन पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट होने के वजह से बिल्डिंग में आग लगी है. आग लगने की घटना में कितने का नुकसान हुआ है. इसका पता आकलन के बाद ही चल पायेगा.

बाबूलाल ने देवेंद्र फडणवीस को बधाई व शुभकामनाएं दी

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र भाजपा विधायक दल का नेता चुने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। कहा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र को फडणवीस विकास एवं उन्नति के शिखर पर ले जाएंगे। बधाई एवम शुभकामनाएं देने वालों में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय,निवर्तमान सांसद दीपक प्रकाश,क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह आदि शामिल हैं।

नगर-निकाय चुनाव में वैकल्पिक मतगणना स्थल की व्यवस्था हो : चैंबर

रांची (एजेंसी): फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री से मुलाकात की. दोबारा पदभार ग्रहण करने के लिए उन्हें बधाई दी.

साथ ही शहर के विकास से जुडे मुद्दों पर जिला प्रशासन के साथ मिलकर सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई.

चैंबर प्रतिनिधियों ने डीसी से नगर/निकाय चुनाव में मतगणना के लिए वैकल्पिक स्थल का चयन करने का आग्रह किया. उन्होंने मतगणना कार्य के लिए पंडरा बाजार का अधिग्रहण नहीं करने से संबंधित झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन नहीं किये जाने से व्यवसायियों को होनेवाली परेशानियों की जानकारी दी. फ

चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि राज्य में जब भी आम चुनाव होते हैं, चुनावी कार्य के लिए पंडरा कृषि

बाजार समिति परिसर के बड़े हिस्से को दो माह से अधिक समय के लिए खाली करा लिया जाता है. इससे व्यवसाय पूर्ण रूप से ठप हो जाता है.

उन्होंने कहा कि इस मामले में चैंबर की याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय ने जिला प्रशासन को चुनावी कार्यों के लिए वैकल्पिक स्थान का चयन करने के लिए निर्देशित किया था.

लेकिन वर्ष २०१९ व २०२४ में संपन्न लोकसभा व विधानसभा चुनावों इसका पालन नहीं किया गया. जबकि रांची के तत्कालीन डीसी ने नामकुम अंचल में ईवीएम वेयरहाउस बनाने की बात कही थी. उन्होंने डीसी मंजूनाथ भजंत्री से नगर/निकाय चुनाव से पहले मतगणना के लिए वैकल्पिक स्थान का चयन करने का आग्रह किया. ताकि कृषि बाजार समिति पंडरा के व्यापारी बिना किसी व्यवधान के अपना व्यवसाय जारी रख सकें. इस पर डीसी ने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया. प्रतिनिधिमंडल में चैंबर उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलंग, रोहित अग्रवाल, साहित्य पवन समेत अन्य सदस्य शामिल थे.

मोमिन कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात

रांची (एजेंसी): रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद के नेतृत्व में कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधिमंडल बुधवार के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री के आवासीय कार्यालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की. सीएम को प्रचंड जीत और राज्य में अबुआ सरकार बनाने पर बधाई दी.

कॉन्फ्रेंस के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अल्पसंख्यकों से जुड़े समस्याओं से अवगत कराया. मुख्यमंत्री का ध्यान राज्य के अल्पसंख्यक समुदाय के विकास की ओर आकर्षित करते हुए मांग किया कि पिछले कार्यकाल में अल्पसंख्यकों से जुड़े विकास से संबंधित योजनाओं को सरकार प्राथमिकता के तौर पर लागू करें. प्रतिनिधिमंडल में ज़फर इमाम, शाकिर इस्लाही, जसीम अंसारी, अब्दुल अजीज, इमरान अंसारी, अब्दुल्लाह हबीब, मोहित खान, अब्दुल इमाम, अजबुल अंसारी, साहिल अख़्तर, अफरोज आलम, हाशिम अंसारी, इम्तियाज अंसारी, सलीम अंसारी शामिल थे.

जनता को परेशान कर राजस्व जुटाने में लगी राज्य सरकार : सीपी सिंह

रांची (एजेंसी): रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार अब जनता को परेशान कर राजस्व जुटाने में लगी है. रांची के सैकड़ों लोगों ने मुझसे शिकायत की है कि मामूली गलती पर भी धड़ाधड़ ऑनलाइन ट्रैफिक चालान काटे जा रहे हैं. किसी का ९, किसी का १२ चालान काटे जा रहे हैं. कुछ लोगों ने बताया कि उन्हें १५ से २० हजार रुपए तक का चालान अब तक मिल चुका है. सवाल यह उठता है कि क्या केवल कचहरी चौक, किशोरगंज चौक, रातु रोड चौक जैसे कुछ इलाकों को चिह्नित कर ही चालान काटे जा रहे हैं या फिर रतन टॉकिज, कर्बला चौक और कांटाटोली चौक पर भी ऐसे ही चालान काटे जा रहे हैं? यह सरकार का जनता पर सीधा हमला है. अगर सरकार को राजस्व चाहिए, तो पारदर्शी और न्यायसंगत तरीके से काम करे, न कि जनता को लूटने का यह घटिया तरीका अपनाए. जनता सब देख रही है.

डायन-बिसाही के आरोप में महिला को प्रताड़ित करने की घटना पर करें कार्रवाई : बाबूलाल

रांची (एजेंसी): बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची में डायन-बिसाही के आरोप में आदिवासी महिला को प्रताड़ित करने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया. बाबूलाल ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा कि रांची में आदिवासी महिला के ऊपर डायन बिसाही का आरोप लगाकर उन्हें प्रताड़ित किए जाने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है. रांची पुलिस संबंधित मामले में दोषियों पर विधिसम्मत कारवाई करें और पीड़ित आदिवासी महिला को उचित सहायता प्रदान करें. बाबूलाल ने सीएम ने भी आग्रह किया है कि वे इस मामले में अधिकारियों को निर्देशित करें कि महिलाओं के साथ ऐसी घटनाओं की पुनरावृति दोबारा ना हो.

पृष्ठ एक का शेषांश

महाराष्ट्र में नई सरकार का---

शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। सीएम, डिप्टी सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। पिछले ढाई साल में हमने साथ मिलकर काम किया है। आगे भी हम सब मिलकर अच्छी सरकार देने का प्रयास करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि हमने जो वादे जनता से किए हैं वे हम पूरे करें। महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प पूरा करेंगे। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मेरे जैसे एक कार्यकर्ता को लगातार नेतृत्व करने का अवसर दिया। हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ निभाने वाले रामदास अठावले, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। हम महाराष्ट्र को नया विजन देंगे।

महाराष्ट्र में गुरुवार को नई सरकार का शपथ ग्रहण होना है। देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के लिए मुंबई में हाई सिक्योरिटी है। मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर सत्य नारायण चौधरी ने बताया कि ५ एडिशनल कमिश्नर, १५ डीसीपी और ७०० से ज्यादा अधिकारियों के अलावा ३ हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। आठ हजार से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। बड़ी संख्या में महिला अधिकारियों और कॉन्स्टेबल को भी तैनात किया गया है।

पंजाब के पूर्व डिप्टी---

वह सिख संगठन दल खालसा का मेंबर है। वारदात के बाद पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर गोल्डन टेंपल पहुंचे। उन्होंने बताया कि आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। अकाली नेता डॉ. दलजीत चीमा ने कहा कि गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का साथी मार्केट कमेटी का चेयरमैन है। गोली चलाने वाला व्यक्ति चेयरमैन के साथी का भाई है।

भारतीय रेलवे प्रत्येक टिकट---

फोकस नहीं है बल्कि जनरल कोच की संख्या बढ़ाने पर प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल दिसंबर के अंत तक एक हजार जनरल कोच बढ़ाए जाएंगे। इसके साथ ही १० हजार जनरल कोच के स्पेशल प्रोडक्शन का कार्यक्रम हाथ में लिया गया है।

भारतीय नौसेना ने---

इसके बाद एरियल, मार्कोस, एम्फीबियस, डेमो, सबमरीन सेल पास्ट, एरियल और सरफेस फायरिंग का भी प्रदर्शन किया गया। ऑपरेशन डेमो में ९० हजार टन के संयुक्त भार वाली इकाइयां शामिल हुईं, जिनके पास ३०० किलोमीटर के दायरे में सतह, उप-सतह या हवा से आने वाले किसी भी खतरे को बेअसर करने की क्षमता वाले हथियार और सेंसर थे। यह दूसरी बार है, जब किसी बड़े नौसैनिक स्टेशन के अलावा किसी अन्य समुद्री तट पर नौसेना दिवस मनाया गया है। पिछले साल नौसेना दिवस पर भारत के पश्चिमी समुद्र तट पर सिंधुदुर्ग किले में जहाजों और विमानों के जरिये 'ऑपरेशनल प्रदर्शन' करके भारत के परिचालन कौशल और क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया था।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों---

स्थल से लाया जा रहा है. क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान जारी है.

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल---

१०० दिन बिताए। २०२३ में यह आंकड़ा ८,६३६ और २०२१ में ७,८६४ था।

गृह मंत्रालय टास्क फोर्स को आत्महत्या रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है। जवानों की शिकायतों का पता लगाने और उनका निपटारा करने के लिए अधिकारियों को उनसे नियमित बातचीत करने को कहा है। उन्हें ड्यूटी के घंटों को पर्याप्त आराम और राहत सुनिश्चित करने को कहा गया है। सैनिकों के लिए रहने की स्थिति में सुधार और पर्याप्त मनोरंजन के सुझाव भी दिए गए हैं। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि आत्महत्या के ट्रिगर परिवारिक समस्याएं और ड्यूटी संबंधी दोनों वजह हो सकती हैं। दोनों ही मोर्चों पर सहज अनुभवों से जवानों के बीच तनाव में काफी कमी आती है। इसमें पुरुषों की तुलना में महिला कर्मियों में आत्महत्या के प्रयासों की कम घटनाएं देखी गई।

रिपोर्ट में पेशेवर चुनौतियों को संभावित ट्रिगर के रूप में दर्शाया गया है। ज्यादातर कर्मियों ने बताया कि यह आत्महत्या से होने वाली मौतों का एकमात्र कारण नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है, ट्रेस मैनेजमेंट की दिशा में अब तक किए गए प्रयास बेतरतीब, छिटपुट और आम तौर पर उनके तार्किक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाए गए हैं। इसपर और ज्यादा काम करने की जरूरत है।

टास्क फोर्स ने एक ट्रांसपरेंट लीव मैनेजमेंट सिस्टम का सुझाव दिया। इसमें प्रत्येक रैंक पर छुट्टियां आरक्षित होंगी। रिपोर्ट में कहा गया कि एक पारदर्शी ट्रांसफर पॉलिसी की भी जरूरत है। क्योंकि सर्विस में अपर्याप्त प्रमोशन के रास्ते कर्मियों को हतोत्साहित करते हैं।

ओरमांझी गोलीकांड: सुजीत सिन्हा ने रची थी साजिश रांची पुलिस ने घटना ने शामिल अपराधी को किया गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): ओरमांझी थाना क्षेत्र स्थित बिरसा जू के पास २२ नवंबर की शाम दो युवकों को गोली मारी गयी थी. गोली बारी की घटना की साजिश जेल में बंद अपराधी सुजीत सिन्हा के द्वारा रची गई थी.

एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल कांके थाना क्षेत्र के रहने वाला जिशान शेख नाम का अपराधी को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अपराधी का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है.एसएसपी चंदन सिन्हा ने बुधवार की शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी.

घटना की जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली है कि जमीन कारोबारी संजीव जायसवाल से सुजीत सिन्हा गिरोह ने रंगदारी मांगी थी. जमीन कारोबारी ने ना तो रंगदारी दी और ना ही रंगदारी मांगे जाने के संबंध में पुलिस को बताया. रंगदारी नहीं देने को लेकर सिन्हा गिरोह के अपराधी जमीन कारोबारी संजीव जायसवाल को गोली मारने आये थे. लेकिन जायसवाल के दो कर्मचारी आजाद और जावेद अंसारी दोनों बीच में आ गये. जिसकी वजह से दोनों को गोली लग गयी. इस मामले को लेकर ओरमांझी थाना में सुजीत सिन्हा और उसके गिरोह के अपराधी खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है.

चार्टर्ड फ्लाइट से दुमका से रांची लौटे एसके सिन्हा

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार के सिविल एविएशन निदेशक एसके सिन्हा बुधवार को चार्टर्ड फ्लाइट से दुमका से रांची लौटे. जिस चार्टर्ड फ्लाइट से वह रांची लौटे हैं, वह रेड बड कंपनी की है और उसका नंबर तढ-एक्ह है. रेड बड कंपनी ही झारखंड सरकार को जरुरत पड़ने पर विमान उपलब्ध कराती है.

जानकारी के मुताबिक, दुमका एयरपोर्ट पर झारखंड सरकार के छोटे विमान हैं. जिसका इस्तेमाल पायलट प्रशिक्षण में किया जाता है. एसके सिन्हा मंगलवार को सड़क मार्ग से दुमका गए थे. बुधवार की सुबह चार्टर्ड फ्लाइट उन्हें लेने रांची से दुमका गई.

आमतौर पर झारखंड में सिर्फ राज्यपाल और मुख्यमंत्री के लिए चार्टर्ड फ्लाइट की व्यवस्था का प्रावधान है. लेकिन आज एविएशन निदेशक एसके सिन्हा को दुमका से रांची लाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट का इस्तेमाल किया गया है. फ्लाइट में और कौन-कौन लोग थे, इस्तेमाल की अनुमति किस स्तर से ली गई थी, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है.

मनरेगा मजदूरों ने मंत्री के झूठे दावों का पर्दाफाश किया, आज प्रदर्शन

रांची/दिल्ली (एजेंसी): नरेगा संघर्ष मोर्चा के बैनर तले मनरेगा योजना में काम करने वाले मज़दूरों ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की. जिसमें मोदी सरकार और केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, २००५ (नरेगा) के लिए बजटीय आवंटन की कमी को उजागर किया.

किसान कार्ड को मनमाने ढंग से हटाने और मनरेगा के कामकाज पर ग्रामीण विकास मंत्री और राज्य मंत्री (एमओएस) द्वारा किए गए दावों को मज़दूरों ने खारिज कर दिया. राज्य मंत्री चन्द्रशेखर पेम्मासानी के अनुसार, एनडीए सरकार ने मनरेगा बजट में सालाना २०,००० करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है.

5-6 को जंतर-मंतर पर होगा धरना

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज़ ने स्पष्ट किया कि फंड ट्रांसफर ऑर्डर समय पर दिए जाते हैं. लेकिन श्रमिकों के खातों में भुगतान में हफ्तों या महीनों की देरी होती है. झारखंड नरेगा वॉच की अफसाना खातून ने बताया कि कम बजट आवंटन के कारण वेतन भुगतान में समस्याएं आ रही हैं.

मज़दूरों ने मनरेगा मज़दूरी को तत्काल ८०० रूपये प्रति दिन करने की मांग करने के साथ-साथ एनएमएमएस और एबीपीएस जैसी तकनीकी हस्तक्षेपों की भी आलोचना की.

बिहार से जितेंद्र पासवान ने बताया कि तकनीकी गड़बड़ियों के कारण श्रमिकों को अपने वेतन की प्राप्ति में मुश्किलें आ रही हैं.

पश्चिम बंगाल के एक मज़दूर अंबरीश सोरेन ने केंद्र द्वारा राज्य को मनरेगा फंड रोकने की निंदा की और आरोप लगाया कि तीन साल से अधिक समय से कार्य रुका हुआ है और मजदूरी का भुगतान लंबित है.

नरेगा संघर्ष मोर्चा ने ५-६ दिसंबर २०२४ को जंतर-मंतर पर दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है, जिसमें नागरिकों से मजदूरों के अधिकारों के लिए एकजुट होने की अपील की गई है.

उन्होंने कहा कि कम बजटीय आवंटन और मनमाना तकनीकी हस्तक्षेप मिलकर नरेगा को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं.

नुकसान भी पहुंचा सकता है

हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध पीकर ज्यादातर लोग अपनी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। लेकिन कुछ लोगों के लिए हल्दी वाला दूध नुकसानदायक साबित हो सकता है। लोग दादी-नानी के जमाने से हल्दी वाले दूध को सेहत के लिए वरदान मानते हैं। हालांकि, ज्यादा हल्दी वाला दूध पीने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव असर की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि किन लोगों को हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए।

गट हेल्थ पर पड़ सकता है बुरा असर

जिन लोगों को गैस या फिर ब्लोटिंग जैसी पेट से जुड़ी समस्या रहती है, उन्हें हल्दी वाले दूध को अपनी डाइट का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। हल्दी वाले दूध में पाए जाने वाले तत्व आपकी इस समस्या को बढ़ाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा डायबिटीज जैसी साइलेंट किलर बीमारी के मरीजों को भी डॉक्टर की सलाह लिए बिना हल्दी वाला दूध नहीं पीना चाहिए।

ब्लड प्रेशर के पेशेंट्स

अगर आपको अक्सर लो ब्लड प्रेशर रहता है, तो आपके लिए हल्दी वाला दूध काफी ज्यादा हानिकारक साबित हो सकता है। हल्दी वाला दूध ब्लड प्रेशर को और ज्यादा लो कर सकता है। इसके अलावा अगर आपको दूध से एलर्जी है, तो भी आपको हल्दी वाले दूध को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए वरना आपकी सेहत को लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गौर करने वाली बात

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बरसाती मौसम में भी हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक हल्दी वाला दूध आपके लिए तभी फायदेमंद साबित हो सकता है, जब आप इसका सेवन लिमिट में रहकर करें। दरअसल, किसी भी चीज को जरूरत से ज्यादा मात्रा में कंज्यूम करने से आपकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

काफी ज्यादा दर्दनाक हो सकती है

विटामिन डी की कमी

शरीर में पोषक तत्वों की कमी सेहत को बुरी तरह से डैमेज कर सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन डी का नाम भी पोषक तत्वों की इस लिस्ट में शामिल किया जाता है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो जाए, तो आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। विटामिन डी की डेफिशिएंसी आपकी बॉडी को अंदर से खोखला कर सकती है। हालांकि, आप हेल्दी लाइफस्टाइल और खानपान को फॉलो कर इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोक सकते हैं।

अगर आप अपने शरीर में इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोकना चाहते हैं तो आपको अपने डाइट प्लान में खाने की कुछ चीजों को जरूर शामिल कर लेना चाहिए। फिश, अंडा और मशरूम खाने से आप विटामिन डी की डेफिशिएंसी के पैदा होने के खतरे को कम कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सोया में भी विटामिन डी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है इसलिए इसे भी डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है।

स्वाद में कड़वा लेकिन

गुणों की खान है करेला

स्वाद में कड़वा जहर जैसा लगने वाला करेला सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है। कुछ लोगों को करेला खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता है। क्योंकि इसका स्वाद कड़वा होता है। आपको बता दें जितना कड़वा करेला स्वाद में होता है शरीर के लिए उतना ही ज्यादेमंद है। दरअसल करेला में ऐसे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं जो डायबिटीज और कई दूसरी बीमारियों में असरदार काम करते हैं। भले ही सब्जी के रूप में करेला आपको पसंद न हो लेकिन इसे दवा समझकर ही अपनी डाइट में शामिल कर लें। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो करेले का उपयोग सिर्फ खाने में ही नहीं बल्कि लगाने में भी किया जाता है। आइये जानते हैं करेला कौन सी बीमारियों में फायदा करता है और इसका सेवन कैसे करें?

डैंड्रफ दूर

झकुछ लोगों को डैंड्रफ यानि रूसी की समस्या रहती है। उनके लिए करेला का रस फायदेमंद हो सकता है। डैंड्रफ हटाने के लिए आप करेले के जूस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए करेले के पत्तों का रस निकालकर बालों पर लगा लें। आप इस जूस में थोड़ी हल्की मिलाकर उपयोग करें डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाएगा।

सिरदर्द में आराम

झअगर आपको हमेशा सिरदर्द की परेशानी होती है तो आप करेले की पत्तियों को पीस कर इसका रल सिर में लगाएं। इस रस को अपने माथे पर लगा लें और सिर पर मालिश जैसी कर लें। काफी राहत मिलेगी।

मुंह के छाले दूर करे

अक्सर गर्मियों में मुंह में छाले हो जाते हैं। जिससे खाने पीने में परेशानी होती है। ऐसे में आप कई तरह के नुस्खों का उपयोग करते है, लेकिन उनका कोई खास आराम नहीं मिलता है। आप एक बार करेले का रस छालों पर लगा लें। इससे काफी फायदा मिलेगा। रस लगाने के बाद लार को बाहर निकलने दें और कुछ देर मुंह खोलकर लटकाए रखें। छाले 1 दिन में ही ठीक हो जाएंगे।

पथरी दूर करे

झ करेले का जूस पीने से पथरी के मरीज को आराम मिलता है। जिन लोगों को पथरी की परेशानी है, उन्हें करेले का रस जरूर पीना चाहिए। इससे पथरी को नेचुरली निकालने में मदद मिलती है।

घुटनों के दर्द में फायदेमंद

जिन लोगों को अक्सर घुटनों में दर्द होता रहता है। ऐसे लोग भी करेला का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कच्चे करेले को आग में भून लें। अब करेला को मसल लें और रुई में लपेट कर घुटने में बांध लें। इससे जोड़ों और घुटने के दर्द में काफी आराम मिलेगा।

लटकती तोंद

हो जाएगी अंदर, बस रात को पिएं ये 5 ड्रिंक्स

हमारी लाइफस्टाइल के कारण बेली फैट बढ़ना एक आम समस्या बन चुकी है। कई लोग पेट की चर्बी बढ़ने की समस्या से परेशान रहते हैं। इसके लिए वे कई तरह की डाइट भी ट्राई करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी ड्रिंक्स हैं, जिन्हें रात के समय पीने से बेली फैट कम करने में काफी मदद मिल सकती है। यहां हम उन्हीं ड्रिंक्स के बारे में जानेंगे, जो आपके पेट पर जमा जिद्दी चर्बी को पिघलाने में आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानें क्या हैं वे ड्रिंक्स।

ये ड्रिंक्स नेचुरल चीजों से बनती हैं, जो मेटाबॉलिज्म को तेज बनाने में मदद करते हैं। इसलिए इन्हें पीने से फैट बर्न करने में सहायता मिलती है और पाचन भी दुरुस्त रहता है। इन कारणों से ये ड्रिंक्स बेली फैट घटाने में काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

सोने से पहले कौन-से ड्रिंक्स पेट कम करने में मदद कर सकते हैं?

ग्रीन टी- ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स और कैटेचिन होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं और फैट बर्निंग को बढ़ावा देते हैं। सोने से पहले एक कप ग्रीन टी पीने से आपको रात भर कैलोरी बर्न करने में मदद मिल सकती है।

अदरक की चाय- अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। सोने से पहले एक कप अदरक की चाय पीने से आपको रात भर आरामदायक नींद आएगी।

दालचीनी पानी- दालचीनी में मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने वाले गुण होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में थोड़ी-सी दालचीनी पाउडर मिलाकर पीने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

नींबू पानी- नींबू में विटामिन-सी होता है, जो इम्युनिटी को बढ़ाता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से आपको डिटॉक्सिफिकेशन में मदद मिल सकती है।

पुदीने की चाय- पुदीना पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की गैस को कम करता है। सोने से पहले एक कप पुदीने की चाय पीने से आपको आरामदायक नींद आएगी।

बेली फैट कम करने के लिए कौन-सी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए?

शराब- शराब पीने से कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है और वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

कॉफी और चाय- कॉफी और चाय में कैफीन होता है, जो नींद आने में बाधा बन सकती हैं, जिस वजह से वजन बढ़ सकता है।

कार्बोनेटेड ड्रिंक्स- कार्बोनेटेड ड्रिंक्स में शुगर और कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है।

पैकेट वाले जूस- जूस में फ्रक्टोज होता है, जो वजन बढ़ने का कारण बन सकता है।

सर्दी में नुकसानदायक साबित हो सकती हैं खाने की ये चीजें

सर्दियों में लोगों को अक्सर सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। खांसी के साथ-साथ कफ और बलगम भी लोगों की उलझन का कारण बन जाता है। क्या आप जानते हैं कि खाने की कुछ चीजों का सेवन करने की वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हिस्टामाइन से भरपूर फूड आइटम्स बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ा सकते हैं। यही वजह है कि बलगम की समस्या से जूझ रहे लोगों को इन चीजों को खाने से बचना चाहिए।

मेयोनीज- अगर आप बलगम की समस्या को बढ़ने नहीं देना चाहते, तो आपको मेयोनीज का सेवन नहीं करना चाहिए। मेयोनीज आपकी बॉडी में हिस्टामाइन रिलीज करने का कारण बन सकती है जिसकी वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है।

खट्टे फल- हेल्थ एक्सपर्ट्स सर्दी, खांसी और जुकाम से जूझ रहे मरीजों को खट्टे फल न खाने की सलाह देते हैं। खट्टे फलों को खाकर गले से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक बढ़ सकती हैं।

चॉकलेट/कॉफी- क्या आप जानते हैं कि चॉकलेट या फिर कॉफी जैसी चीजें बलगम के प्रोडक्शन बढ़ाने का काम कर सकती हैं। इसके अलावा आपको प्रोसेस्ड मीट्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए वरना आपकी बलगम की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है।

तला हुआ खाना- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तला हुआ खाना भी बलगम की समस्या को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी समस्याओं को ठीक करने के लिए तला हुआ खाना न खाएं।

दही- अगर आप बलगम की समस्या से जूझ रहे हैं, तो आपको दही को अपनी डेली डाइट में शामिल करने से बचना चाहिए। दही बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ाने का काम करता है जिसकी वजह से आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

यूरिक एसिड कंट्रोल करने में ये जड़ी-बूटी है फायदेमंद

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग हल्के-फुल्के दर्द को गंभीरता से न लेते हुए नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसा ही एक दर्द है, पैरों की एड़ी में अचानक शुरू हुआ दर्द और उससे जुड़ी हुई सूजन, जिसकी मुख्य वजह है बढ़ा हुआ यूरिक एसिड। अगर समय रहते इसे कंट्रोल न किया जाए तो कई स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं, जैसे, गठिया, शुगर, जोड़ों से दर्द, सूजन आदि शामिल हैं। यहां तक की किडनी में स्टोन और किडनी के फेल होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए यूरिक एसिड को कंट्रोल करना बेहद ही जरूरी होता है। ऐसे में दवाइयों के अलावा कुछ आयुर्वेद अपनाने के साथ ही खान-पान में थोड़े बदलाव कर आप यूरिक एसिड के लेवल को कम कर सकते हैं। इसी आयुर्वेद में से एक गिलोय है। आइए जानते हैं गिलोय किस तरह से यूरिक एसिड के लेवल को कम करने में असरदार है।

यूरिक एसिड कंट्रोल करेगा गिलोय-

गिलोय एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। ये कई बीमारियों में असरदार है। अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से जूझ रहे हैं तो गिलोय इस समस्या को भी कंट्रोल करने में कारगर है। इसमें गिलोय में अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व पाएं जाते हैं जो यूरिक एसिड के लक्षणों को कम करता है। इसके लिए बस आपको इसके इस्तेमाल के सही तरीके की जानकारी होनी चाहिए।

यूरिक एसिड से पीड़ित मरीज इस तरह करें गिलोय का इस्तेमाल

रोजाना गिलोय का इस्तेमाल करना लाभकारी होगा। इसके लिए सबसे पहले गिलोय की ताजी पत्तियों और तने को तोड़ लें। उसके बाद इसे रात भर भिगोकर रख दें। अगले सुबह इसे पीस लें। उसके बाद 1 गिलास पानी और इस पाउडर को पैन में डालें और गैस पर चढ़ा दें। अब इसे आधा होने तक उबालें। उसके बाद इसे छानकर पी लें।

सर्दी में रोज दूध के साथ खाएं एक गोंद का लड्डू

सर्दियों का मौसम आ चुका है। ठंड के मौसम में शरीर को गर्म और तंदुरुस्त रखना जरूरी होता है, ताकि सर्दियों में होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। इसलिए इस मौसम में गोंद के लड्डू खाना काफी फायदेमंद होता है।

गोंद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसके कारण ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं।

साथ ही, इससे बने लड्डुओं में घी और सूखे मेवे यानी ड्राई फ्रूट्स भी डाले जाते हैं, जो शरीर को गर्म रखते हैं और पोषण देते हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में रोज एक गोंद के लड्डू खाना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यहां हम गोंद के लड्डू बनाने की रेसिपी बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप आसानी से घर पर इन्हें बना सकते हैं।

गोंद के लड्डू बनाने की विधि

सामग्री - गोंद - 100 ग्राम
सूखा मेवा (बादाम, काजू, किशमिश) - 100 ग्राम
घी - 100 ग्राम, गेहूं का आटा - 250 ग्राम
चीनी - 200 ग्राम, इलायची पाउडर - 1/2 चम्मच
सूखी अदरक पाउडर - 1/4 चम्मच

एक पैन में घी गर्म करें और उसमें गोंद डालकर सुनहरा होने तक भून लें।
एक अलग पैन में सूखे मेवे को हल्का-सा भून लें।
एक कड़ाही में गेहूं का आटा हल्का सुनहरा होने तक भून लें।
भूने हुए गोंद, सूखे मेवे, आटा, चीनी, इलायची पाउडर और सूखी अदरक पाउडर को एक बर्तन में मिला लें।

इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा घी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फिर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।

लड्डू को ठंडा करके एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें।

गोंद के लड्डू खाने के फायदे

हड्डियों को मजबूत बनाते हैं- गोंद में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द में आराम- गोंद में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को दुरुस्त करते हैं- गोंद पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है।

इम्युनिटी बढ़ाते हैं- गोंद में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्युनिटी को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

सर्दी-खांसी में लाभकारी- गोंद गले की खराश और खांसी में आराम दिलाता है।

एनर्जी देते हैं- गोंद में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी देते हैं।

किन लोगों को गोंद के लड्डू नहीं खाने चाहिए?

डायबिटीज के मरीज- चीनी की मात्रा ज्यादा होने के कारण डायबिटीज के मरीजों को गोंद के लड्डू सीमित मात्रा में या नहीं ही खाने चाहिए।

मोटापे से पीड़ित लोग- कैलोरी की मात्रा ज्यादा होने के कारण मोटापे से पीड़ित लोगों को गोंद के लड्डू कम मात्रा में ही खाने चाहिए।

लो इम्यूनिटी को तेजी से बूस्ट करता है गुड़

खांसी जुकाम में गुड़ खाने के फायदे- मौसमी इंफेक्शन और खांसी जुकाम में अक्सर कहा जाता है गुड़ खा लो। आज से नहीं दादी-नानी के जमाने से गुड़ को इम्यूनिटी बूस्टर फूड्स के रूप में देखा जाता है। लोग इसे अजवाइन के साथ लेते हैं। गुड़ का शरबत पीते हैं, गुड़ की चाय लेते हैं और फिर आप गुड़ को गर्म पानी के साथ कई प्रकार से ले सकते हैं। पर समझने वाली बात ये है कि गुड़ इम्यूनिटी बूस्ट क्यों और कैसे, जानते हैं इसके तमाम उन खास गुणों के बारे में जो हमें बीमारियों से बचा सकते हैं। गर्मी पैदा करता है गुड़- गुड़ की खास बात ये है कि इसे खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है। ये आपके शरीर के तमाम अंगों को एनर्जी देता है और मौसमी बदलाव के साथ शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा ये शरीर के बाहरी और अंदरूनी तापमान के बीच एक संतुलन बनाने में मदद करता है जिससे आप अचानक मौसम में आए बदलाव के कारण बीमार नहीं पड़ते। गुड़ है एंटी इंफ्लेमेटरी है- गुड़ एंटी बैतक्टीरियल गुणों से भरपूर है और शरीर में सूजन को रोकने मे मदद करता है। इस वजह से सर्दी-जुकाम में इसे खाना फायदेमंद हो जाता है। इससे गले की खराश समेत कई समस्याओं में कमी आती है। इसके अलावा सिर दर्द और कमजोरी में भी ये मददगार है क्योंकि गुड़ में आयरन है और ये आयरन रेड ब्लड सेल्स को बढ़ावा देता है।

गुड़ इम्यूनिटी बूस्टर है- गुड़ एंटीबैक्टीरियल है। ये टी सेल्स को बढ़ावा देता है और शरीर को मौसमी इंफेक्शन से बचाता है। इससे होता ये है कि आप कई मौसमी बीमारियों से बचे रहते हैं। जैसे अचानक से फ्लू होना। सूखी खांसी और कफ की समस्या में भी गुड़ का सेवन करना कई प्रकार से फायदेमंद है। तो, सर्दियां आ रही हैं तो अपनी डाइट में गुड़ को शामिल कर लें।

बेहतर करियर हो सकता है ऑप्थैलमिक असिस्टेंट

मेडिकल सेक्टर में डॉक्टर बनने के अलावा अब करियर के अनगिनत विकल्प हैं। अगर आप इसमें एंट्री करना चाहते हैं, तो ऑप्थैलमिक असिस्टेंट एक बेहतर करियर हो सकता है। इस तरह के ट्रेंड प्रोफेशनल अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से आंखों की जांच करके सटीक डायग्नोसिस तक पहुंचते हैं।

मेडिकल फील्ड में पैरामेडिकल साइंस की भूमिका को आज के दौर में कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायग्नोस्टिक तकनीक हेल्थकेयर सेक्टर के लिए सबसे बड़ा वरदान साबित हुई है। आज अमूमन सभी स्पेशलिस्ट आम तौर पर लैब टेस्ट, एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन की रिपोर्ट्स के नतीजों पर ही निर्भर हैं। एक अनुमान के मुताबिक, 2050 तक देश की आबादी करीब 150 करोड़ हो जाएगी। आज आबादी के लिहाज से देश में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट, लैब टेक्निशियन या रेडियोलॉजिस्ट जैसे ट्रेंड क्वॉलिफाइड स्टाफ की बेहद कमी है। मौजूदा समय में देश में करीब 10 लाख पैरामेडिकल स्टाफ की शॉर्टेज है।

क्या है ऑप्थैलमोलॉजी?

ऑप्थैलमोलॉजी चिकित्सा विज्ञान की ही एक शाखा है। इसमें आंख संबंधी बीमारियों की जांच व उपचार किया जाता है। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट हेल्थकेयर सेक्टर का एंट्री-लेवल जॉब है। ये ऑप्थैलमोलॉजिस्ट, यानी नेत्र चिकित्सक के सह यक के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं। किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट मुख्य रूप से मरीजों की मेडिकल इंफॉर्मेशन जुटाने, उपचार के बारे में उन्हें समझाने से लेकर चिकित्सक से पहले मरीजों की कुछ आरंभिक जांच करने तथा उपकरणों को मेंटेन रखने जैसी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

जॉब के अवसर

ऑप्थैलमोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद युवा सरकारी या प्राइवेट दोनों तरह के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स हॉस्पिटल्स, नर्सिंग होम्स, आई क्लीनिक्स, लेजर आई सर्जरी क्लीनिक्स, डायग्नॉस्टिक सेंटर्स आदि में जॉब पा सकते हैं। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट अनुभव के बाद टेक्निशियन बनकर खुद का क्लीनिक या आई सेंटर भी खोल सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

ऑप्थैलमिक असिस्टेंट बनने के लिए देश के कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान कोर्स ऑफर कर रहे हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी विषयों से 12वीं पास युवा ऑप्थैलमोलॉजी में 2 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

कोर्स पूरा करने के बाद एक ऑप्थैलमिक असिस्टेंट के रूप में शुरूआत करने पर 10 से 12 हजार रुपए सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 25 से 30 हजार रुपए तक सैलरी पा सकते हैं।

पढ़ाई के समय अगर आती है नींद तो आजमाएं ये टिप्स

क्या आपको अलसुबह पढ़ाई करते समय नींद आती है क्या आप सुबह पढ़ाई करने पर आपको कुछ याद नहीं होता है? अगर हां तो, जान लें कि सुबह-सुबह पढ़ाई करते हुए नींद आने की यह बहुत आम समस्या है। लाखों छात्र ऐसे हैं जो सुबह पढ़ाई करने उठते तो हैं, लेकिन नींद आने के कारण पढ़ाई कर नहीं पाते। नींद की वजह से हमारा दिमाग काम करना बंद कर देता है और हमें कुछ याद नहीं आता। आंखों में नींद घुलने पर हम कुछ समय तो जबरदस्ती पढ़ने की कोशिश करते हैं लेकिन आखिर में जब सब कुछ हमारे बस से बाहर हो जाता है तो हमें बेबस होकर सोना ही पड़ता है। जिसके कारण छात्र चाहकर भी अपना सिलेबस पूरा नहीं कर पाते और दूसरों से पीछे रह जाते हैं। आपकी इस समस्या को ध्यान में रखकर हम यहां पर आसान टिप्स लेकर आए हैं, जिनको फॉलो करने पर आपकी नींद भाग जाएगी और आप आसानी से पढ़ाई कर सकेंगे।

अच्छी रोशनी में करें पढ़ाई

सुबह उठने के बाद बहुत से विद्यार्थी सिर्फ एक स्टडी लैंप जला कर पढ़ाई करने की कोशिश करते हैं। एक लैंप की वजह से कमरे के बाकी हिस्से में तकरीबन अंधेरा रहता है। इस कम रोशनी और शांति वातावरण में नींद आना स्वभाविक है। ऐसी स्थिति में स्टडी रूम की लाइट ठीक रखें।

बेड पर बैठकर कभी न करें पढ़ाई

छात्रों के बीच यह समस्या भी आम है। कई लोग सुबह उठने के बाद बेड पर बैठकर ही पढ़ाई शुरू कर देते हैं। इससे आपको आलस आ सकता है। आप धीरे धीरे लेट कर पढ़ने की कोशिश करेंगे और फिर नींद आपको अपने आगोश में ले लेगी। इसलिए पढ़ाई करते समय हमेशा कुर्सी पर सही ढंग से पीठ सीधी करके ही बैठें। सामने एक टेबल रखें और किताब गोद में रखकर पढ़ने की बजाए सामने टेबल पर रखकर पढ़ें। कुर्सी पर बैठे समय भी अपने हाथ या पांव कुछ-कुछ समय बाद हिलाते रहें। इससे आपके अन्दर सक्रियता बनी रहेगी।

सुबह उठकर ताजी हवा लें और टहले

सुबह उठने के बाद अगर आप तुरंत पढ़ाई करने बैठ जाएंगे, तो जाहिर है आपको नींद आएगी ही। इसलिए उठने के बाद सबसे पहले अपनी दैनिक क्रिया पूरी करें और फिर बालकनी में या फिर बाहर जाकर थोड़ी देर टहलें। इससे जहां आपकी एक्सरसाइज हो जाएगी वहीं आपको ताजी हवा भी मिलेगी। इस क्रिया से आपकी नींद पूरी तरह से गायब हो जाएगी। इसके बाद आप कई घंटे तक आराम से पढ़ाई कर सकते हैं।

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीएं

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीयें। साथ ही पढ़ाई के दौरान भी कुछ कुछ समय बाद पानी पीते रहें। यह न सिर्फ आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा बल्कि इससे आपको एक और फायदा मिलेगा। ज्यादा पानी पीने से आप को कुछ-कुछ देर बाद अपनी सीट से उठकर टॉयलेट के लिए जाना पड़ेगा, जिससे आपके शरीर की निष्क्रयता टूटेगी और आप सक्रिय बने रहेंगे। साथ ही ज्यादा पानी पीने से दिमाग हाइड्रेटेड व तरोताजा रहता है। इससे सक्रियता बनी रहती है जिससे आसानी से पाठ याद करने में सहायता मिलती है।

जल्दी सोएं और जल्दी उठने का रूटीन बनाएं

जल्दी सोने और जल्दी उठने से शारिरिक तंदरुस्ती, समृद्धि व दिमागी शक्ति में बढ़ावा होता है। छात्रों के जीवन में भी इस कथन का उतना ही महत्व है जितना एक आम आदमी के जीवन में। रात को जल्दी सोने से आप प्रयाप्त नींद ले सकते हैं, जिससे आप सुबह बिलकुल तरोताजा उठेंगे। फ्रेश माइंड से चीजें याद रखना बहुत ही आसान होता है। वहीं नींद पूरी होने के बाद पढ़ाई करते वक्त फिर से नींद आने का कोई मतलब नहीं बनता।

नींद आए तो चेहरे पर पानी के छींटे मारें

एग्जाम के दौरान देर रात तक लगातार पढ़ने के बाद अगर आप सोते हैं, तो सुबह उठने में मुश्किल होती है। थके हुए दिमाग के साथ पढ़ाई करने पर हमें बार-बार नींद आती है। अगर आपके साथ ऐसा हो तो तुरंत उठें और बाथरूम में जाकर अपने चेहरे पर पानी के छींटे मारे। इससे आपकी सुस्ती व उनींदापन दूर होगा और आपका दिमाग नए तरीके से चीजों को याद करने के लिए तरोताजा हो जायेगा।

अगर नींद आए तो पढ़े अपना पसंदीदा विषय

पढ़ने व याद करने के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है। सुबह पढ़ा विषय अच्छे से याद होता है। हालांकि अगर पढ़ते हुए आपको नींद आती है तो आप सुबह पढ़ने के लिए वो विषय चुनें जो आपके फेवरेट हो और जिन्हें आप आसानी से समझ व याद कर सकते हैं। सरल विषय या टॉपिक्स को पढ़ने और याद करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। जिससे आपको बोरियत भी नहीं होगी और आप ज्यादा देर तक बैठकर पढ़ाई कर पाएंगे।

लिखकर करें या बोल कर करें पढ़ाई

अगर आप पढ़ाई के दौरान नींद से परेशान रहते हैं तो यह तरीका पढ़ाई करते वक्त होने वाली बोरियत तथा आने वाली नींद को दूर भगाने में काफी हद तक कारगार सिद्ध होता है। हर विषय को इस तरह से बोल बोल कर पढ़ें जैसे कि क्लास में टीचर पढ़ाते हैं। इससे आपका दिमाग सतर्क बना रहता है और नींद आने की सम्भावना भी कम हो जाती है। इसके अलावा खुद को एक्सप्लेन करके पढ़ने से चीजों को याद करना भी बहुत आसान हो जाता है। इसके साथ ही पाठ को सिर्फ मौखिक रूप से याद करने की बजाये मुश्किल उत्तरों या सवालों को लिखकर भी याद करें।

न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर संवारें भविष्य

न्यूमरोलॉजी एक बेहद पुरानी प्रैक्टिस है, जिसका सालों से पूरी दुनिया में अभ्यास किया जाता रहा है। अपनी जन्मतिथि और पूरे नाम के आधार पर एक सरल चार्ट बनाकर, आप अपने और दूसरों के लिए संतोषजनक अंतदृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा। भले ही फिर बात बच्चों की पढ़ाई की हो या फिर कॅरियर की, अंक शास्त्र के जरिए भविष्य की परतों को खोलने की कोशिश की जाती है। अगर आप भी चाहें तो बतौर न्यूमरोलॉजिस्ट या अंक शास्त्री बनकर ना सिर्फ खुद का बल्कि दूसरों का भी भविष्य संवारा जा सकता है। तो चलिए जानते हैं इस करियर क्षेत्र में बारे में विस्तारपूर्वक-

क्या है न्यूमरोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि बहुत से लोग सोचते हैं कि न्यूमरोलॉजी पूरी तरह से कन्फयूजिंग मैथ्स, फार्मूला और कई तरह के विभिन्न सिद्धांतों से भरी हुई है। जबकि ऐसा नहीं है। अंक विज्ञान वास्तव में संख्याओं की मदद से दूसरों की समस्याओं से सुलझाने की एक कला है। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि संख्याएं भविष्य कैसे बता सकती हैं। संख्याओं में गहरे अर्थ और प्रासंगिक जानकारी के साथ आपके भविष्य को समझने की शक्ति है। यदि आप ज्योतिष से अवगत हैं, तो निश्चित रूप से आप जानते हैं कि ज्योतिष व्यक्ति के जन्म की तारीख, समय और जन्म के समय के माध्यम से भविष्य की भविष्यवाणी करने का एक तरीका है। कुंडली के माध्यम से ज्योतिषी व्यक्ति के भविष्य और जीवन से जुड़ी जानकारी बताते हैं। ठीक उसी तरह, न्यूमरोलॉजी भी काम करती है।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, न्यूमरोलॉजिस्ट व्यक्ति के जन्म की तारीख का उपयोग उसके व्यक्तित्व लक्षण, भाग्य, घटनाओं और परिस्थितियों का अनुमान लगाने के लिए करते हैं। ज्योतिष की तरह, न्यूमरोलॉजी व्यक्ति के जीवन का एक खाका प्रदान करती है जो काफी सटीक है। न्यूमेरोलॉजिस्ट बनने के कई तरीके हैं। लेकिन किसी चीज में विशेषज्ञ बनने के लिए, आपको कला को पूरी तरह से सीखना होगा। ऐसे कई विकल्प हैं जिनके माध्यम से आप न्यूमेरोलॉजी सीख सकते हैं और न्यूमरोलॉजी विशेषज्ञ बन सकते हैं। इसके लिए कोई शैक्षणिक योग्यता का होना आवश्यक नहीं है। आज कई न्यूमरोलॉजी एक्सपर्ट खुद ही सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स प्रदान करते हैं। इन कोर्स को करने से आपको अंक शास्त्र और नंबरों के पीछे की गहराई को समझने में मदद मिलती है। इसके बाद आप बतौर एक प्रोफेशनल न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। वैसे इन दिनों न्यूमरोलॉजी के क्षेत्र में ऑनलाइन कोर्स का चलन भी काफी बढ़ गया है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जहां तक प्रश्न व्यक्तिगत योग्यता का है तो इसके लिए सबसे जरूरी है कि आपके भीतर अंकों व उसकी गहराई को जानने की इच्छा हो। इस क्षेत्र में चीजों को सीखने व समझने के लिए बेहद धैर्य की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, दूसरों की परेशानी को सुनकर सटीक अनुमान लगाना भी आपको आना चाहिए। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को आसान बनाते हैं।

संभावनाएं

आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा और इसलिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट हमेशा डिमांड में रहते हैं। आप चाहें तो स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं या फिर शुरूआत में किसी अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम करना अच्छा रहेगा। इसके अलावा, कई मीडिया हाउस भी न्यूमरोलॉजी शो प्रसारित करते हैं, जिनके लिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है।

अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। वर्तमान समय में कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री तेजी से ग्रोथ कर रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के फील्ड में संवारें अपना कॅरियर...

आज के समय में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। यही कारण है कि वर्तमान समय में न सिर्फ शहर बल्कि गांव तक में ब्यूटी सैलून, स्पा और कॉस्मेटिक क्लिनीक्स में दिन पर दिन इजाफा होता जा रहा है। जिसकी वजह से तेजी से कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री में ग्रोथ आ रहा है। आपको बता दें कि ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट के रिपोर्ट के मुताबिक साल 2027 तक भारत की कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री की वर्थ 33.3 मिलियन यूएस डॉलर पहुंच जाएगी। ऐसे में अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कॉस्मेटोलॉजी में किस तरह से अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी के लिए योग्यता

कॉस्मेटोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के लिए जरूरी है कि आपने मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास की है। किसी भी स्ट्रीम के छात्र कॉस्मेटोलॉजी में अपना कॅरियर बना सकते हैं। इस कोर्स को करने में 10 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। साथ ही आप इस कोर्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते हैं। कॉस्मेटोलॉजी में आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट कर सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी का स्कोप

इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले लोग कॉस्मेटिक सर्जन, मेकअफ आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, नेल आर्टिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, ब्यूटी कॉपीराइटर, ब्यूटी ब्लॉगर, इमेज स्टाइलिस्ट, हेयर ड्रेसर और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट जैसे प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एक महीने में 25 हजार से 35 हजार रुपए तक आसानी से कमा सकते हैं। वहीं आप बतौर हेयर स्टाइलिस्ट, नेल टेक्नीशियन, फैशन शो स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट बन ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

महारानी एलिजाबेथ को हैदराबाद के निजाम से मिला था शादी का शानदार तोहफा, कीमत सुनकर आप भी रह जाएंगे दंग

लंदन, एजेंसी।
राजकुमारी एलिज़ाबेथ को हैदराबाद के अमीर निजाम से एक शानदार शादी का तोहफा मिला था जिसकी कीमत 88 मिलियन डॉलर थी। यह हार और मुकुट का तोहफा था। यह साल 1947 में दिया गया था। द मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, पाँच साल बाद ही वह इंग्लैंड की रानी बन गईं।

राजकुमारी एलिजाबेथ को दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक से यह शानदार उपहार तब मिला था जब उन्होंने फिलिप माउंटबेटन से विवाह किया था, जो बाद में प्रिंस फिलिप बन गए थे, जिसकी कीमत अब 66 मिलियन पाउंड से अधिक है।

दिवंगत महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय आभूषणों के प्रति गहरी रुचि रखने के लिए जानी जाती थीं और उन्होंने इतने गहनों का संग्रह किया था कि उन्हें शाही परिवार के सदस्यों के बीच साझा किया जा सके, जिन्हें शाही संग्रह में सुरक्षित रखा गया है।

महारानी एलिजाबेथ को शादी का अविश्वसनीय तोहफा: महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, जिनका सितंबर 2022 में बालमोरल में निधन हो गया, आभूषणों के प्रति पैनी नजर रखती थीं, उन्होंने समय के साथ ऐसे अद्भुत आभूषण एकत्र किए, जिन तक पूरे शाही परिवार की पहुंच है। रिपोर्टों के अनुसार, सैकड़ों की संख्या में ये कीमती वस्तुएं सुरक्षित रूप से रखी गई हैं, जो किसी की भी नजरों से दूर हैं।

महारानी को हैदराबाद के निजाम से यह अद्भुत उपहार मिला, जो 1937 में दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक थे और अपनी कंजूसी के लिए जाने जाते थे। जब उन्हें यह भव्य उपहार मिला, तो उन्होंने शायद ही कभी अनुमान लगाया होगा कि एक सम्राट के रूप में उनका भविष्य सात दशकों तक चलेगा।

निजामों को द्वितीय और तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्धों और 1857 के भारतीय विद्रोह में उनकी भूमिका के लिए ÷ब्रिटिश सरकार के वफादार सहयोगी÷ की उपाधि दी गई थी। उन्होंने उसे व्यक्तिगत रूप से एक ऐसा विशेष टुकड़ा बनाने की अनुमति दी जो जीवन भर टिके।

ऐसा माना जाता है कि उन्होंने कार्टियर के साथ मिलकर इसे डिजाइन किया था, क्योंकि उन्हें अपनी रचनात्मकता को खुलकर दिखाने के सख्त निर्देश दिए गए थे। उन्होंने हर जटिल विवरण का चयन यह सुनिश्चित करने के लिए किया कि वे उनकी पसंद के हों।

रानी ने पहना था हाई-सोसाइटी इवेंट्स में यह आभूषण: ब्रोच के प्रति अपने प्रेम के लिए जानी जाने वाली रानी एलिजाबेथ अक्सर हाई-सोसाइटी इवेंट्स में टियारा पहनती थीं, जो शाही शान को दर्शाता था। यह शानदार आभूषण बिल्कुल मनमोहक था, और रानी ने वर्षों से सफेद टाई-इवेंट्स में टियारा पहना है, जो उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाता है।

एक्सप्रेस के अनुसार, रानी ने अपने जीवन के अंतिम वर्षों में इस मुकुट का पुनः उपयोग किया तथा इसके केन्द्रीय रत्नों के अधिकाधिक उपयोग के लिए इसे तीन अलग-अलग ब्रोचों में बदल दिया।

मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, ज्वैलरीबॉक्स की मार्केटिंग मैनेजर डेना बॉरोमैन ने बताया, हैदराबाद के निजाम का शानदार हार, जिसे दुनिया में शाही आभूषणों का सबसे महंगा टुकड़ा माना जाता है, इसकी कीमत 66 मिलियन पाउंड से अधिक है। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक हैदराबाद के निजाम की ओर से राजकुमारी एलिजाबेथ को शादी का उपहार था।

उन्होंने कहा, कहा जाता है कि निजाम ने उदारतापूर्वक कार्टियर को निर्देश दिया था कि वे दुल्हन को उनके संग्रह से अपनी इच्छानुसार कुछ भी चुनने दें, जिस पर युवा राजकुमारी ने तीन अलग-अलग फूलों के ब्रोच के साथ एक मुकुट चुना और जिसे हम अब हैदराबाद के निजाम हार के रूप में जानते हैं।

आभूषण रानी कैमिला को सौंपा गया

रानी को यह आभूषण बहुत पसंद आया। हाल के वर्षों में, उन्होंने अपनी शादी के दिन वेल्स की राजकुमारी को यह मुकुट दिया, जो इसे अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी पहनती रही हैं। इस बीच, दिवंगत सम्राट की मृत्यु के बाद यह हार रानी कैमिला को दे दिया गया और तब से उन्होंने इसे कई बार पहना है। पांच धागों वाला यह हार लगभग 250 से 300 कैरेट का है, जिसमें मुख्य रत्न अकेले पांच कैरेट का है, जिससे इसकी कीमत 10.3 मिलियन डॉलर है।

संक्षिप्त समाचार

दो महिलाओं ने की शादी; एक महीने बाद प्रेग्नेंसी की दी खबर, भड़क गए इंटरनेट यूजर्स

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में एक समलैंगिक कपल ने अपनी शादी और गर्भवती होने की खबर सोशल मीडिया पर साझा की, लेकिन इसने इंटरनेट पर एक विवाद खड़ा कर दिया। जोड़े की तस्वीर वायरल होने के बाद, कई यूजर्स ने उन पर तीखी टिप्पणियां कीं। यह मामला लॉरिन इवांस (31 साल) और हन्ना केई (29 साल) का है, जिन्होंने पिछले सितंबर में शादी की थी और अक्टूबर में अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी। लॉरिन ने एक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें वह अपनी पत्नी हन्ना के साथ दिख रही हैं। यह तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो गई और कई लोग चौंक गए। कुछ यूजर्स को यह लगा कि हन्ना की उम्र बहुत कम है और वह सिर्फ 10-12 साल की बच्ची लगती हैं। इस कारण कुछ लोगों ने यह दावा किया कि लॉरिन ने एक बच्ची से शादी की है और वह अब मां बनने वाली हैं, जो उनकी नज़रों में पूरी तरह गलत था। हालांकि, लॉरिन इवांस ने इस पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने बताया कि हन्ना की उम्र 29 साल है, लेकिन उनका चेहरा और रूप कम उम्र का लगता है। उनका कहना था कि लोगों को समझने की जरूरत है कि यह केवल एक भ्रम है। लॉरिन और हन्ना ने इन विट्रो फर्टिलाइजेशन तकनीक का सहारा लिया है और इस प्रक्रिया में डोनर स्पर्म और हन्ना के अंडों का इस्तेमाल किया गया था। यह इलाज साइप्रस में हुआ था, जिसमें लगभग 10 लाख रुपये का खर्च आया था। अब वे गर्भवती हैं और तीन बच्चों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। इस पूरी घटना के बाद, कुछ इंटरनेट यूजर्स ने इस जोड़े का समर्थन किया, जबकि कुछ की टिप्पणियां बदल गईं। इस मुद्दे ने यह भी दिखाया कि हम किसी की जिंदगी के बारे में जल्दबाजी में राय बनाने से पहले पूरी जानकारी लें। यह घटना इस बात को भी उजागर करती है कि समाज को खुले विचार और सहिष्णुता के साथ जीवनशैली के विभिन्न रूपों को स्वीकार करने की आवश्यकता है, बजाय इसके कि हम पूर्वाग्रहों या गलत धारणाओं से किसी को जज करें।

ओली-जिनपिंग मुलाकात के बाद नेपाल-चीन में नौ सूत्री समझौते

बीजिंग, एजेंसी। नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली की बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद दोनों पक्षों ने मंगलवार को नौ सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास, ढांचागत विकास और व्यापार और पर्यटन सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले चार दिनी आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे ओली ने बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष ली कियांग के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक में मुख्य रूप से चिकित्सा सहयोग, कृषि विकास, निवेश, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, खेल, आपदा प्रबंधन से संबंधित मामलों पर भी चर्चा हुई।

परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में उतरेगी मेटा, बिजली की बढ़ती मांग के चलते लिया फैसला

न्यूयार्क, एजेंसी। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा ने परमाणु ऊर्जा डेवलेपर्स के प्रस्ताव मांगे हैं। दरअसल कंपनी ने अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पर्यावरणीय लक्ष्यों को पाने के लिए परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में उतरने की योजना बनाई है। साथ ही आने वाले दिनों में ऊर्जा की मांग भी काफी ज्यादा बढ़ने की संभावना है, ऐसे में भी मेटा परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र पर फोकस कर रही है। मेटा 2030 के दशक की शुरुआत में एक से चार गीगावाट क्षमता वाले परमाणु ऊर्जा प्लांट लगाने की इच्छुक है। अमेरिका में सामान्य तौर पर एक परमाणु ऊर्जा प्लांट की क्षमता एक गीगावाट होती है।

बिल्ली को मारकर खा गई महिला... क्रूरता देख कांप गई लोगों की रूह, जज बोले- आप समाज के लिए खतरा

वाशिंगटन एजेंसी। अगर आप कभी इंटरनेट पर ओहियो लिखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि अमेरिका के 7 राष्ट्रपति ओहियो से थे। यही कारण है कि इस जगह को मदर ऑफ प्रेसिडेंट्स भी कहा जाता है। लेकिन अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ओहियो कुछ खास पसंद नहीं है। अपनी चुनावी रैलियों में ट्रंप लगातार ये आरोप लगाते रहे हैं कि हैती शरणार्थी ओहियों में बिल्लियों को मारकर खा रहे हैं। ये आरोप बेवजह ही नहीं लगाए गए। अगस्त महीने में ओहियो में एक महिला ने पालतू बिल्ली को पहले मार डाला और फिर उसे कच्चा खा गई।

अब 27 वर्षीय इस महिला को अदालत ने एक साल की सजा सुनाई है। महिला का नाम एलेक्सिस फेरेल है। पहले कहा जा रहा था कि महिला हैती शरणार्थी है, लेकिन जांच में सामने आया कि वह अमेरिकन नागरिक है। ओहियो के सीनेटर और अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे जेडी वेंस ने महिला को हैती शरणार्थी बताते हुए मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस घटना का जिक्र करते हुए कमला हैरिस को घेरा था। 16 अगस्त को ओहियो के स्प्रिंगफील्ड से करीब 270 किलोमीटर दूर एक महिला ने बीच सड़क पर एक पालतू बिल्ली को पैरों से दबाया और उसकी गर्दन मरोड़ दी। इसके उसने बिल्ली को कच्चा चबा लिया। इससे जुड़े वीडियो को एलन मस्क ने शेयर भी किया था। वहां मौजूद लोगों ने जब ये दृश्य देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि महिला के पैरों में खून और मुंह पर बिल्ली के रोएं देखे गए। इसके बाद महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अब जाकर उस महिला को सजा सुनाई गई है। महिला को 1 साल का कारावास देते हुए जज ने कहा कि ये बेहद गंभीर मामला है। कोई जानवर के साथ ऐसा कैसे कर सकता है। मैं घटना जानकर हैरान हूं। आप समाज के लिए खतरा हैं। ओहियो के दक्षिण-पश्चिम में स्प्रिंगफील्ड नामक एक शहर स्थित है। यहां की आबादी करीब 60 हजार है। इनमें से करीब 20 हजार लोग हैती शरणार्थी हैं, जो लोकल फैक्ट्रियों में काम करते हैं।

तालिबान का एक और तानाशाही फरमान, महिलाओं को नर्सिंग की पढ़ाई करने से रोका

ढाका, एजेंसी।
अफगानिस्तान में जब से तालिबान की एंट्री हुई है तब से महिलाओं के खिलाफ लगातार फरमान जारी किए है। इस कड़ी में एक और फरमान जारी कर कहा है कि अफगान महिलाएं दाई का काम और नर्सिंग की पढ़ाई नहीं कर पाएंगी। बीबीसी के अनुसार अफगानिस्तान में महिलाओं के लिए शिक्षा के अंतिम दो रास्ते थे, जिन पर अब तालिबान सरकार ने ताला लगा दिया है।

वहीं, अफगानिस्तान स्वास्थ्य संकट काफी बिगड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने 2023 में कहा था कि अफगानिस्तान को देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 18,000 दाइयों की जरूरत है। वहीं, दाई का काम और नर्सिंग का प्रशिक्षण ले रही महिलाओं ने कहा है कि उन्हें सुबह कक्षाओं में नहीं लौटने का आदेश दिया गया था और उनके बयानों की पुष्टि अफगानिस्तान में संस्थानों ने की है। हालांकि अभी तक तालिबान सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोई प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।

संस्थानों का कहना है कि तालिबान ने उन्हें अगली सूचना तक संस्थान बंद करने का निर्देश दिया है। तालिबान के वादे के बावजूद कि पाठ्यक्रम को इस्लामिक सुनिश्चित करने के बाद वे अपनी शिक्षा फिर से शुरू कर देंगी, किशोर लड़कियां 2021 से शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं।

कुछ शिक्षा प्राप्त करने का एकमात्र अन्य तरीका दाई या नर्सिंग के माध्यम से था। वहीं, पुरुष डॉक्टरों को महिलाओं का इलाज करने की अनुमति नहीं है जब तक कि कोई पुरुष अभिभावक मौजूद न हो। अनुमान है कि 17,000 महिलाएं इन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण लेंगी लेकिन आगे क्या होगा यह स्पष्ट नहीं है। तालिबान का पाश्तो भाषा में मतलब विद्यार्थी या छात्र होता है। वे खुद को अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात के रूप में भी संदर्भित करते हैं। तालिबान एक देवबंदी इस्लामी सैन्य संगठन है जिसके लगभग दो लाख लड़ाके होने का अनुमान है। उन्हें 2001 में अमरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं द्वारा अफगानिस्तान में सत्ता से हटा दिया गया था। हालांकि यह समूह सक्रिय रहा और अब देश में सत्ता की मांग करते हुए राष्ट्रपति पद पर कब्जा कर लिया है। लगभग दो दशकों के युद्ध के बाद, अमेरिका 11 सितंबर तक अपनी सेना वापस ले लेगा। समूह ने 2018 में अमेरिका के साथ सीधी बातचीत की थी और फरवरी 2020 में दोनों पक्षों के बीच दोहा शांति समझौता हुआ था। संयुक्त राज्य अमेरिका इस बात की पुष्टि करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में शामिल होता है कि अफगान और अंतर्राष्ट्रीय नागरिक जो प्रस्थान करना चाहते हैं, उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी जानी चाहिए, सड़कें, हवाई अड्डे और सीमा पार खुले रहने चाहिए और शांति बनाए रखनी चाहिए।

भारत के साथ एलएसी पर तनाव के बीच चीन की सेना ने युद्ध की तैयारी में किया बड़ा बदलाव

बीजिंग एजेंसी।
चीनी सेना ने एकीकृत युद्ध तत्परता अभ्यास का नया मॉडल अग्रिम पंक्ति तक पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। इसका उद्देश्य सैनिकों को आधुनिक युद्ध परिस्थितियों के अनुसार तैयार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार करना है। यह जानकारी चीनी सेना के 'पीएलए डेली' अखबार में दी गई। केंद्रीय सैन्य आयोग के हवाले से बताया कि 'एकीकृत प्रशिक्षण समूह अभ्यास का नया मॉडल' अब अग्रिम पंक्ति तक पहुंच चुका है। अखबार के अनुसार, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम को आधुनिक युद्ध परिदृश्यों के अनुसार सुधारने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, ताकि सेना की तत्परता को और मजबूत किया जा सके। हांगकांग के 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने रिपोर्ट के हवाले से बताया कि नए मॉडल में विभिन्न इकाइयों को एक टीम के रूप में काम करने का अभ्यास कराया जा रहा है, साथ ही युद्ध रणनीतियों का समन्वित उपयोग भी किया जा रहा है। रिपोर्ट में राष्ट्रपति शी चिनफिंग की अध्यक्षता वाले केंद्रीय सैन्य आयोग का हवाला देते हुए बताया गया कि यह कदम प्रशिक्षण को वास्तविक युद्ध परिस्थितियों के साथ और भी निकटता से जोड़ने का है, ताकि सैन्य तत्परता और अभियान क्षमता में समग्र सुधार हो सके। चीन का यह कदम भारत के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों देशों ने हाल ही में पूर्वी लद्दाख में अपने सैन्य गतिरोध को हल किया है।

आतंकवादियों के सोशल मीडिया यूज पर रोक लगाएगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाएगी। राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी) समन्वय समिति की बैठक में गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) के साथ मिलकर सरकार आतंकवादी समूहों के सोशल मीडिया खातों को ब्लॉक करेगी। इसके अलावा, अवैध सिम कार्ड के इस्तेमाल को रोकने के लिए एक एकीकृत रणनीति लागू करने की योजना है।

नकवी ने बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में हाल की आतंकवादी घटनाओं की निंदा करते हुए उन्हें गहरा खेदजनक और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं से निपटने के लिए आतंकवाद विरोधी बलों (सीटीएफ) की क्षमताओं को बढ़ाया जाएगा और इन क्षेत्रों में उन्हें पूरा समर्थन दिया जाएगा। इसके साथ ही मंत्री ने कहा कि सुरक्षा सुधार के लिए पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत करने की प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कानून और व्यवस्था सुधारने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। सभी प्रांतों में पुलिस बलों को आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा।

नकवी ने घोषणा की कि संघीय सरकार कानून प्रवर्तन एजेंसियों की तत्काल जरूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेगी और सभी संस्थाओं से यह रिपोर्ट सात दिनों के भीतर आंतरिक मंत्रालय को देने के लिए कहा। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (एनएसीटीए) आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मुख्य भूमिका निभाएगा और इसमें सुधार की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

थाईलैंड में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 25

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड में आई भीषण बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। देश में 6 राज्य भयानक बाढ़ झेल रहे हैं। हालांकि जल स्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है। यह जानकारी देश के आपदा निवारण एवं न्यूनीकरण विभाग ने मंगलवार को दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 22 नवंबर से भारी वर्षा और अचानक आई बाढ़ के कारण 10 प्रांतों में 664,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं और लगभग 29,000 लोगों को अस्थायी आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया है।

सरकार के उप प्रवक्ता शशिकर्ण वत्थानाचन मामले की जानकारी देते हुए बताया कि थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने संबंधित एजेंसियों को आपदा की रोकथाम और राहत कार्य बढ़ाने, साथ ही मशीनरी और उपकरणों को तैयार करने का निर्देश दिया है, ताकि आपातकाल की स्थिति में लोगों की सहायता की जा सके।

थाई मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण चीन सागर के निचले हिस्से, दक्षिणी थाईलैंड और मलेशिया में चल रहे निम्न दबाव प्रणाली के साथ मिलकर मध्यम पूर्वोत्तर मानसून के कारण निचले दक्षिणी क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

हिंदुओं से मुक्त': लेखक तस्लीमा नसरीन ने की चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर बांग्लादेश की आलोचना

ढाका एजेंसी।
बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने पूर्व इस्कॉन पादरी चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने में देरी की आलोचना की, जिनके वकील पर उनकी गिरफ्तारी के दिन सुनवाई के बाद क्रूर हमला किया गया था।

बता दें कि चिन्मय दास की जमानत पर सुनवाई, जो पहले चटगाँव अदालत में होनी थी, वो अब 2 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

तस्लीमा नसरीन ने एक्स पर क्या कहा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नसरीन ने कहा, बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास के लिए कोई वकील नहीं है। जिहादियों की धरती पर हिंदू नफरत को समझने के लिए यह वाक्य ही काफी है। चिन्मय कृष्ण दास के वकील को पीटा गया। यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए गए हैं कि कोई भी चिन्मय कृष्ण दास का बचाव न करे। चिन्मय के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप झूठे और मनगढ़ंत हैं। चिन्मय को जेल में रखने का उद्देश्य उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है। जिहादी अपनी धरती को हिंदुओं से मुक्त करना चाहते हैं। वे अपने लक्ष्य की ओर काम कर रहे हैं।

इस्कॉन कोलकाता ने आरोप लगाया कि चिन्मय दास की गिरफ़्तारी के दिन उनका प्रतिनिधित्व करने वाले वकील रेगन आचार्य पर सुनवाई के बाद क्रूरतापूर्वक हमला किया गया। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया कि आचार्य के चैंबर में तोड़फोड़ की गई।

राधारमण ने लिखा, इस वीडियो में उनके चैंबर के साइनबोर्ड पर उनका नाम बंगाली में दिखाई दे रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि कोई भी वकील पूर्व इस्कॉन पुजारी का प्रतिनिधित्व कैसे कर सकता है, जब उन्हें ऐसी धमकियों का सामना करना पड़ता है। 25 नवंबर को चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद ढाका और भारत में हिंदू और इस्कॉन समुदाय के सदस्यों सहित उनके समर्थकों के बीच व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है।

चटगाँव में प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसके परिणामस्वरूप दास को जमानत देने से इनकार किए जाने के बाद सहायक सरकारी अभियोजक सैफुल इस्लाम अलिफ की मौत हो गई।

दास, जो पहले इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) से जुड़े थे और बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता थे, को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक रैली के लिए चटगाँव जाते समय गिरफ़्तार किया गया।

सचिन ने पहले जूते निकाले, फिर किया कोच आचरेकर के स्मारक का अनावरण

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में कोच रमाकांत आचरेकर के स्मारक के अनावरण पर पहुंचे दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अपने एक कार्य से फैंस का दिल जीत लिया। तेंदुलकर ने कभी इस बात से इंकार नहीं किया है उनके सफल क्रिकेट करियर में कोच आचरेकर का योगदन नहीं था। हर साल गुरु पूर्णिमा पर सचिन अपने दिवंगत कोच को श्रद्धासुमन अर्पित करना नहीं भूलते। इस बार शिवाजी पार्क जिमखाना में जब कोच आचरेकर के स्माकर का अनावरण करने की बारी आई तो वह यह कार्य करने से पहले अपने जूते उतारना नहीं भूले। कोच के सम्मान में सचिन ने पहले जूते उतारे और बाद में स्मारक का अनावरण किया। तेंदुलकर ने कहा कि सर ने ऐसा मौका नहीं लिया। मैच के बाद वह कभी-कभी मुझे वड़ा पाव लेने के लिए पैसे देते थे, इस तरह मुझे लगता था कि मैंने कुछ अच्छा किया होगा। हमेशा ऐसा ही स्नेह होता था। उन्होंने कहा कि हम उनके घर जाते थे। उनकी पत्नी और वो हमें आमंत्रित करते और हमारा पसंदीदा भोजन मटन करी, पाव, नींबू और प्याज था। भारत के कई खिलाड़ियों को कोचिंग देने वाले आचरेकर का जनवरी 2019 में निधन हो गया।

1990 में आचरेकर को प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया और 2010 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। तेंदुलकर ने कहा कि सर एक 'जनरल स्टोर' थे, उनके पास सब कुछ होता था। वह बहुत ख्याल रखते थे। जब हम डॉक्टर के पास जाते थे, तब भी वह स्थितियों को नियंत्रित करते थे। वह एक ऑलराउंडर थे।

'मैं एमएस धोनी से बात नहीं करता, 10 साल हो गए हैं'

- हरभजन सिंह के दावों ने दोनों में दरार की पुष्टि की

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम को कई मैच जीतने वाली जोड़ी हरभजन सिंह और एमएस धोनी अलग हो गए हैं। हरभजन का दावा है कि उन्होंने 10 साल से अधिक समय से एक-दूसरे से बात नहीं की है। आखिरी बार हरभजन और धोनी ने एक साथ भारत का प्रतिनिधित्व 2015 में किया था जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मैच खेला था। वे तीन साल बाद फिर से साथ आए, आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कुछ सीजन खेले। लेकिन मैदान पर उनकी चर्चाओं को छोड़कर, हरभजन ने एक दशक से अधिक समय से धोनी से बात नहीं की है।

हरभजन ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, नहीं, मैं धोनी से बात नहीं करता। जब मैं सीएसके में खेल रहा था, तब हमने बात की थी, लेकिन इसके अलावा, हमने बात नहीं की। 10 साल से ज़्यादा हो गए हैं। मेरे पास कोई कारण नहीं है; शायद वह करता हो। मुझे नहीं पता कि क्या कारण हैं। जब हम सीएसके में आईपीएल में खेल रहे थे, तब हम बात करते थे, और वह भी मैदान तक ही सीमित थी। उसके बाद वह मेरे कमरे में नहीं आया, न ही मैं उसके कमरे में गया। हरभजन ने युवराज और आशीष नेहरा का नाम लिया जिनसे वह नियमित रूप से संपर्क में रहते हैं। लेकिन जब धोनी की बात आती है, तो हरभजन पीछे हट जाते हैं। उन्होंने कहा, मेरे मन में उनके खिलाफ कुछ नहीं है। अगर उन्हें कुछ कहना है, तो वे मुझे बता सकते हैं। लेकिन अगर उन्होंने कहा होता, तो वे अब तक मुझे बता चुके होते।

भारतीय महिला टीम के सामने ऑस्ट्रेलिया को उसके गढ़ में हराने की कड़ी चुनौती

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की पुरूष टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर बनी हाइप के बीच दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमें बृहस्पतिवार से यहां एलेन बॉर्डर फील्ड पर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला खेलेगी तो हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम की नजरें ऑस्ट्रेलिया में अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करके अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों का आगाज करने पर होंगी।

अक्टूबर में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही भारतीय टीम ने पिछले महीने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे श्रृंखला में 2-1 से हराया। ऑस्ट्रेलिया की चुनौती हालांकि भारत के लिये हमेशा कठिन रही है जिसने यहां अब तक सोलह वनडे में से चार ही जीते हैं। पिछली बार 2021 में यहां तीन मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया ने भारत को 2-1 से हराया था।

वहीं पिछले करीब 9 महीने से इस प्रारूप में नहीं खेली गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की नजरें अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले खुद को आजमाने पर लगी होंगी। भारत की उम्मीदों का दारोमदार हालांकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर रहेगा। जिन्होंने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक वनडे में शतक जमाकर भारत को जीत दिलाई। उन पर इस लय को कायम रखते हुए भारत को ठोस शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। उन्होंने पिछले छह वनडे में सत्तर से ऊपर की औसत से 448 रन बनाए हैं।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली की कमी खलेगी जो घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है जिसमें आस्ट्रेलिया फिलहाल 18 में से 13 वनडे जीतकर पहले स्थान पर है। इस चैम्पियनशिप से मेजबान भारत के अलावा पांच टीमों को अगले साल होने वाले विश्व कप में स्वत- जगह मिलेगी। हीली की जगह क्वींसलैंड और सिडनी थंडर्स की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को पदार्पण का मौका दिया गया है। हरफनमौला ताहलिया मैकग्रा टीम की कमान संभालेंगी जिनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निभर करेगा।

मैकग्रा ने कहा, 'भारतीय टीम में कई बड़े खिलाड़ी है। उनके खिलाफ हर मुकाबला कड़ी टक्कर वाला होता है। मैच में कई अहम क्षण होते हैं। हमारे घरेलू मैचों में भी भारतीय टीम को दर्शकों का काफी समर्थन मिलता है। भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की कमी खलेगी जो महिला बिग बैश लीग के दौरान मेलबर्न स्टार्स के लिये खेलते हुए कलाई की चोट का शिकार हो गई। उनकी जगह टीम में शामिल की गई युवा विकेटकीपर उमा छेत्री अपनी पहली वनडे श्रृंखला में छाप छोड़ना चाहेंगी।

वहीं खराब फॉर्म से जूझ रही शेफाली वर्मा को टीम में जगह नहीं मिल सकी है जिन्होंने अक्टूबर में यूएई में हुए टी टवेंटी विश्व कप में चार पारियों में सिर्फ 97 रन बनाए। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए तीन मैचों में भी वह 33, 11, 12 रन ही बना सकी। कप्तान हरमनप्रीत कौर का फॉर्म भी चर्चा का विषय रहा जो आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला में तीनों मैचों में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सकी थी। उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देने का उनके पास यह सुनहरा मौका है।

विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष की टीम में वापसी हुई है जो परीक्षा के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेल सकी थी। वहीं हरलीन देयोल, टिटास साधू और मिन्नू मनी ने भी टीम में वापसी की है। अनुभवी गेंदबाज पूजा वस्त्राकर को न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रहने के बाद वापसी का मौका नहीं मिला है। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 3.6 की इकॉनॉमी रेट से गेंदबाजी की और वह इस प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण करने वाली आक्रामक तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर भी अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ने को बेताब होंगी। ऑस्ट्रेलिया ने मार्च के बाद से वनडे क्रिकेट नहीं खेला है जब उसने ढाका में बांग्लादेश को तीनों मैचों में हराकर श्रृंखला जीती थी। पहली बार पूरी श्रृंखला के लिए टीम की कमान संभाल रही मैकग्रा ने कहा, 'यह पहली बार है जब मैं कप्तान के रूप में एक पूरी श्रृंखला खेलूंगी। इससे पहले मैंने किसी श्रृंखला या टूर्नामेंट के कुछ मैचों में इस भूमिका को निभाई है। मैं अपने तरीके से चीजों को चलना चाहूंगी।

आस्ट्रेलिया ने पिछली बार जनवरी में मुंबई में खेली गई श्रृंखला में तीनों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया था। सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड ने उस श्रृंखला में एक शतक समेत 260 रन बनाए थे। वहीं अनुभवी एलिसे पैरी 4000 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 42 रन दूर है। ब्रिसबेन में मौसम गर्म और उमसभरा रहने की उम्मीद है और बारिश की भी संभावना है। दूसरा मैच आठ दिसंबर को इसी मैदान पर खेला जाएगा जबकि आखिरी मैच पर्थ में ग्यारह दिसंबर को होगा।

टीमें

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, हरलीन देयोल, रिचा घोष, तेजल हसाबनिस, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, प्रिया पूनिया, अरूंधति रेड्डी, जेमिमा रौड्रिग्स, टिटास साधू, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकोर, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया - ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), एशले गार्डनर, डार्सी ब्राउन, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, मेगान शट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

समय - सुबह 08.50 बजे से।

आखिरी लीग मैच में यूएई को रौंद सेमीफाइनल में भारत

युद्धजीत ने 3 विकेट झटके, तो वैभव ने 76* और आयुष ने 67* रन की पारी खेली

शारजाह (एजेंसी)। भारतीय जूनियर क्रिकेट टीम अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने अपने आखिरी लीग मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 10 विकेटों के बड़े अंतर से हराया। टीम इंडिया के लिए युद्धजीत ने 3 विकेट झटके, तो वैभव ने 76* और आयुष ने 67* रन की पारी खेली।

भारतीय जूनियर टीम ने भौकाल दिखाते हुए अंडर-19 एशिया कप के आखिरी लीग मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 10 विकेटों के बड़े अंतर से रौंदते हुए न केवल जीत हासिल की, बल्कि उसने सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है। टीम इंडिया ने पहले बॉलिंग करते हुए यूएई को 44 ओवरों में 137 रनों पर समेट दिया। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे की विध्वंसक बैटिंग के दम पर 16.1 ओवरों में ही 143 रन बनाते हुए यूएई को 10 विकेट से हरा दिया।

वैभव ने 46 गेंदों में 3 चौके और 6 छक्के के दम पर नाबाद 76 रन की पारी खेली, जबकि प्लेयर ऑफ द मैच आयुष ने 51 गेंदों में 4 चौके और 4 छक्के उड़ाए। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला 6 दिसंबर को श्रीलंका से है। इससे पहले भारत को पाकिस्तान से हार मिली थी, जबकि उसने जापान को हराया था।

मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी संयुक्त अरब अमीरात की टीम को पहला झटका युद्धजीत गुहा ने दिया। उन्होंने आर्यन सक्सेना को 9 रनों के निजी स्कोर पर बोल्ड किया। इसके बाद तो एक-एक करके उसके बल्लेबाज आते रहे और आउट होकर पवेलियन लोटते रहे। देखते ही देखते उसके 5 विकेट 72 तो 137 रनों पर पूरी टीम ढेर हो गई।

उसके लिए सबसे अधिक अयान खान ने 35 रनों की पारी खेली, जबकि भारत के लिए युद्धजीत ने 3 विकेट लिए। चेतन शर्मा और हार्दिक राज के नाम 2-2 विकेट रहे। इस तरह से सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को 138 रनों का आसान लक्ष्य मिला।

138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 16.1 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। यूएई के गेंदबाज एक भी विकेट नहीं झटक सके। आयुष ने शुरुआत संभलकर की तो शुरुआती दो मैचों में फेल रहने वाले बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक तेवर दिखाए। दोनों ने हाफ सेंचुरी जड़ी और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

लंदन में पढ़ी सारा तेंदुलकर को बनाया डायरेक्टर

सचिन तेंदुलकर ने खुद किया बेटी की सफलता का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर और क्रिकेट के विश्व लेवल पर अघोषित ब्रांड एम्बेसडर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर अब नई भूमिका में नजर आएंगी। उन्हें सीधे सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन में डायरेक्टर बनाया गया है। लंदन में पढ़ाई कर चुकी सारा को लेकर पहले खबरें आई थीं कि वह मॉडलिंग और एक्टिंग करेंगी, लेकिन बाद में सचिन ने साफ कर दिया था कि बेटी ऐसा कुछ नहीं करने जा रही। अब उन्होंने खुद ऐलान किया है कि समाज में संघर्ष कर रहे बच्चों को खेल, शिक्षा और स्वास्थ्य में आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगी। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले महान सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा- मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा तेंदुलकर एसटीएफ इंडिया (सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन, इंडिया) में डायरेक्टर के रूप में शामिल हो गई हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से क्लिनिकल और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्होंने साथ ही बेटी सारा का एक लक्ष्य भी बताया। उन्होंने लिखा- जब वह खेल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाने की इस यात्रा पर निकल पड़ीं तो यह इस बात की याद दिलाता है कि ग्लोबल लर्निंग कैसे हर किसी को मिल सकती है। बता दें कि सारा तेंदुलकर मां अंजलि और पिता सचिन के साथ अक्सर फाउंडेशन के लिए काम करती दिखाई देती हैं। वह मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई दौरों पर भी जाती रहती हैं, जहां फाउंडेशन काम कर रहा है। यहां बताना जरूरी है कि सचिन तेंदुलकर एक बार की घटना बताते हुए भावुक हो गए थे कि किस तरह सारा को समाज सेवा से प्यार है और इसकी झलक उन्हें बचपन में ही दिख गई थी।

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी टीम की घोषणा, हेनरिक क्लासेन को मिली कप्तानी

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)। बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 10 दिसंबर से पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे जबकि नियमित कप्तान एडेन मार्कराम श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में व्यस्त हैं। मार्कराम के अलावा, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और ट्रिस्टन स्टब्स भी टी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि वे भी मौजूदा टेस्ट सीरीज में शामिल हैं।

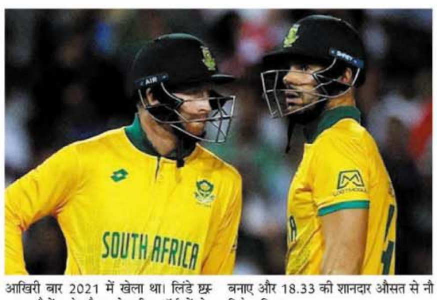

मुख्य खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम में काफी दमदार खिलाड़ी हैं, जिसमें आईसीसी के अनुसार एनरिक नॉर्टजे और तबरेज शम्सी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के बाद पहली बार वापसी कर रहे हैं। ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे भी तीन साल के अंतराल के बाद टी20आई टीम में वापस आ गए हैं, उन्होंने आखिरी बार 2021 में खेला था। लिंडे छ्र झ20 चैलेंज के दौरान बेहतरीन फॉर्म में थे, उन्होंने 178.12 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए और 18.33 की शानदार औसत से नौ विकेट लिए।

आईसीसी के हवाले से दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, सभी 15 खिलाड़ी कैप्ड हैं, और हम समूह के भीतर अनुभव का निर्माण करना चाहते हैं क्योंकि हम एक इकाई के रूप में आगे बढ़ना जारी रखते हैं। एडेन की अनुपस्थिति में हेनरिक टीम का नेतृत्व करेंगे। वह एक बहुत अनुभवी खिलाड़ी है जो खेल को अच्छी तरह समझता है और पढ़ता है। हम 2021 में उनके पिछले अनुभवों के बाद उन्हें इस भूमिका में उपयोग करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, हमने जॉर्ज को फिर से मौका दिया है। उन्होंने वास्तव में एक मजबूत घरेलू अभियान के दम पर अपनी जगह बनाई है और स्पिनिंग ऑलराउंडर के रूप में उनके कौशल ने टीम में महत्वपूर्ण संतुलन जोड़ा है। हमें एनरिक और तबरेज को टीम में वापस पाकर खुशी हो रही है। उनके अनुभव और कौशल की भरमार हमारी गेंदबाजी इकाई को काफी मजबूत करती है जिससे हमारी गति और स्पिन दोनों विभाग बेहतर होते हैं, जो एक मजबूत पाकिस्तान टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण होगा।

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम

हेनरिक क्लासेन (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, डोनोवन फेरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रूगर, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्टजे, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, एंडिले सिमेलाने और रस्सी वैन डेर डुसेन।

टी20 सीरीज का कार्यक्रम

पहला टी20, 10 दिसंबर, डरबन
दूसरा टी20, 13 दिसंबर, सेंचुरियन
तीसरा टी20 मैच, 14 दिसंबर, जोहान्सबर्ग।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप

15 मैच बाकी, अभी तक एक भी टीम फाइनल में नहीं, कड़ी है चुनौती

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं।इन दिनों ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत, न्यूजीलैंड बनाम इंग्लैंड, श्रीलंकाई बनाम साउथ अफ्रीका सीरीज चल रही हैं। इन सभी टीमों के मैचों के नतीजे डब्ल्यूटीसी अंक तालिका पर असर डाल रहे हैं। मौजूदा साइकल में अभी 15 टेस्ट बाकी हैं और कोई भी टीम फाइनल में नहीं पहुंची है। रविवार को समाप्त हुए इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट तक के अंकों के आधार पर अंतिम दो स्थानों के लिए अभी भी 6 टीमें रेस में बनी हुई हैं। हालांकि टूर्नामेंट के दौरान अंकों पर टीमों की संभावना को नुकसान भी पहुंचा सकती है। चैम्पियनशिप की शुरुआत टीमों के साथ हुई थी, जिनमें से बांग्लादेश, विंडीज और इंग्लैंड बाहर हो चुके हैं। इन दिनों विंडीज और बांग्लादेश के बीच आपसी श्रृंखला खेली जा रही है, लेकिन उसके नतीजे का असर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका पर नहीं पड़ेगा।

भारत 61.11 प्रतिशत - ऑस्ट्रेलिया से तीन मैच जीतकर टीम इंडिया का जीत प्रतिशत 62.28 हो जाएगा और सिर्फ साउथ अफ्रीका आगे निकलने की स्थिति में रहेगा। यदि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हारती भी है, तो भी लगातार तीसरे फाइनल का मौका बन सकता है। इसके लिए उसे न्यूजीलैंड-इंग्लैंड, अफ्रीका-श्रीलंका और अफ्रीका-पाक सीरीज 1-1 से ड्रॉ होनी चाहिए तथा दुआ करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका के बीच दो मैचों की सीरीज 0-0 पर खत्म हो।

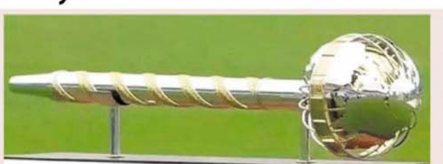

अफ्रीका 59.26प्रतिशत - श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज के पहले मैच में मिली जीत से अफ्रीका ने फाइनल की ओर एक और कदम बढ़ा दिया है। अफ्रीकी टीम के तीन मैच बचे हैं। इन सभी को जीतकर टीम निश्चित रूप से फाइनल में होगी। वहीं अफ्रीकी टीम अगर एक मैच भी हार जाती है तो 61.11त्र अंक तक पहुंच सकेगी और फाइनल के लिए अन्य टीमों पर निर्भर हो जाएगी। इतने अंकों पर ऑस्ट्रेलिया, भारत और श्रीलंका के पास उससे आगे निकलने का मौका रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया 57.69प्रतिशत - ऑस्ट्रेलिया को अपने दम पर फाइनल में पहुंचने के लिए बचे 6 मैचों में कम से कम 4 जीत और 1 ड्रॉ चाहिए। ऐसा होने पर सिर्फ साउथ अफ्रीका उससे आगे जा सकता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया अगर भारत के खिलाफ 2-3 से हारता भी है, तो श्रीलंका को 2-0 से स्वीप कर फाइनल में पहुंच सकता है। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया भारत के 58.77 अंक से आगे 60.53 पर फिनिश करेगा। यहां से सिर्फ साउथ अफ्रीका उसे पछाड़ सकेगा।

न्यूजीलैंड 47.92प्रतिशत - इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट की घरेलू सीरीज के पहले मैच में हार से कीवी टीम को झटका लगा है और बचे दो मैच जीतकर भी वह 55.36 अंक तक पहुंच सकती है। उसे कई परिणामों पर निर्भर रहना होगा। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज व अफ्रीका-श्रीलंका की मौजूदा और आगामी सीरीज ड्रॉ रहने पर ही चांस बनेगा।

श्रीलंका 50प्रतिशत - श्रीलंका भी दक्षिण अफ्रीका जैसी स्थिति में है। उसके तीन मैच बचे हैं और ये सभी जीतकर टीम 61.54त्र अंकों के साथ फाइनल में पहुंच सकती है। इस स्टेज पर भारत या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक ही उससे आगे निकलने की स्थिति में होगा। वहीं एक मैच भी हारे तो चार अन्य टीम आगे निकल सकेंगी।

पाकिस्तान 33.33प्रतिशत - पकिस्तान बच्चे सभी 4 मैच जीत लेता है तो 52.28प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसके बाद टीम फाइनल में पहुंच सकती है अगर- श्रीलंकाई टीम अफ्रीका से 0-1 से हारे और ऑस्ट्रेलिया से 1-1 से ड्रॉ खेले। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से 2-1 से जीते और न्यूजीलैंड टीम इंग्लैंड से 1-2 से हारे। ऐसे में पाक टीम दूसरे स्थान पर रहेगी।